मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 12 | वर्ष : 29 | अंक : 54

जयपुर

मिशन पत्रकारिता का प्रहरी

महानगर टाइम्स

facebook YouTube twitter

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

www.mahanagartimes.com

जयपुर, गुरूवार, 15 जनवरी, 2026

जयपुर, कोटा, दौसा, अलवर, उदयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

देश में पहली बार
सैन्य छावनी के बाहर

वीरभूमि राजस्थान में सेना दिवस परेड

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

शौर्य, पराक्रम और वीरता की धरा
राजस्थान में आयोजित

78वें सेना दिवस

15 जनवरी, 2026

के अवसर पर राजस्थान के वीर शहीदों,
भूतपूर्व सैनिकों एवं सेवारत सैनिकों को सादर नमन

सेना दिवस परेड

प्रातः 10:00 से अपराह्न 12:25 बजे | महल रोड़, जयपुर

शौर्य संध्या

मुख्य अतिथि
श्री राजनाथ सिंह
माननीय केन्द्रीय रक्षा मंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सायं 05:30 से सायं 07:00 बजे | सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर

राजस्थान संवाद

"15 जनवरी, 2026 का दिन राजस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा रहा है। यह परेड केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उन बलिदानों का जीवंत स्मरण है, जिनसे हमारी सीमाएँ सुरक्षित हैं। इस अवसर पर सभी को मेरी शुभकामनाएँ। जय हिंद।"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

मकर संक्रांति पर जयपुर के आसमान में सियासत की पतंगें, सत्ता-संगठन-संस्कृति का संगम

डोर सत्ता के हाथ...आसमान में संगठन की उड़ान

छतों से काइट फेस्टिवल तक : नेताओं की पतंगबाजी में दिखा राजनीतिक संदेश

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मकर संक्रांति पर बुधवार को जयपुर का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों के साथ ही सत्ता, संगठन और राजनीति के संदेशों से भी सराबोर रहा। मुख्यमंत्री निवास, भाजपा प्रदेश कार्यालय, नेताओं की निजी छतें और किशनपोल से लेकर जलमहल की पाल तक हर जगह पतंगों के साथ राजनीतिक सक्रियता भी आसमान छूती नजर आई। इस अवसर पर भाजपा के दिग्गज नेताओं ने ना केवल परंपरा निभाई, बल्कि जनता, कार्यकर्ताओं और संगठन को भी स्पष्ट संकेत दिए कि राजनीतिक डोर मजबूती से उनके हाथ में है।

सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने दिया संदेश

बच्चें को पतंग भेंट कर उन्होंने पतंग है विश्वास, सहयोग और संतुलन का संदेश दिया।

डिप्टी सीएम दीयाकुमारी : परंपरा के साथ सत्ता की मौजूदगी

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने किशनपोल स्थित राजू मंगोड़ीवाला के आवास पर आयोजित पतंग उत्सव में शिरकत की। पारंपरिक स्वागत के बीच उन्होंने स्वयं पतंग उड़ाकर उत्सव का आनंद लिया और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए। उनकी मौजूदगी से कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा : डोर भी संभाली, धार भी दिखाई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास से पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति मनाई, जहां उन्होंने कई पतंगें काटकर अपनी 'धार' भी दिखाई।

सीएम से लेकर संगठन और विधायकों तक : मकर संक्रांति पर भाजपा नेताओं की सक्रियता

भाजपा प्रदेश कार्यालय : संगठन की पतंग ऊंची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने पतंग उड़ाई। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री, उपाध्यक्ष, मंत्री, मोर्चा अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह आयोजन संगठनात्मक एकजुटता और आगामी राजनीतिक रणनीतियों की झलक देता नजर आया। वहीं मदन राठौड़ ने डॉ. एसएस अग्रवाल के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर सामाजिक जुड़ाव का संदेश दिया।

अन्य नेता : छतों से निकले सियासी संकेत

डॉ. पूनियां : परिवार से संगठन तक संतुलित संदेश

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जयपुर में अपने निवास पर परिजनों के साथ पतंग उड़ाई। इसके बाद वे किशनपोल के सौंखियों का रास्ता पहुंचे, जहां भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में शामिल हुए। उनके साथ डिप्टी सीएम दीयाकुमारी भी मौजूद रहीं। डॉ. पूनियां ने पतंगबाजी के दौरान प्रदेश और देशवासियों को निरंतर उन्नति की कामना करते हुए मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी पुरानी फोटो पोस्ट कर प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति शुभकामनाएं दीं।

मालवीयनगर विधायक कालीचरण सराफ : धर्मपत्नी अल्का सराफ के साथ पतंगबाजी का आनंद लिया।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ : जयपुर स्थित आवास पर परिवार और कार्यकर्ताओं संग पर्व मनाते हुए उम्मीदों की डोर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की कामना की।

पूर्व सीएम से कार्यकर्ताओं के मिलने का चला दौर

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का मकर संक्रांति के मौके पर दिनभर कार्यकर्ता से मुलाकातों का दौर चला। भाजपा जिला बारां की नवनियुक्त कार्यकारिणी ने राजे से शिष्टाचार भेंट की। राजे ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, अनुशासन और जनसेवा का संदेश देते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

जयपुर से जैसलमेर तक पतंगोत्सव

ऑपरेशन सिंदूर थीम की पतंगें बनीं आकर्षण का केंद्र

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने उड़ाई पतंग

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मकर संक्रांति पर राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से पहली बार ऐतिहासिक रूप से राज्य के सातों संभागों में भव्य पतंगोत्सव मनाया गया। जयपुर में जलमहल की पाल पर पतंग उत्सव का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने पतंग उड़ाकर और गुब्बारे छोड़कर उत्सव की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वहीं कलाकारों से संवाद कर उत्साहवर्धन किया और राजस्थान की समृद्ध लोक परंपराओं की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन लोक संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होते हैं। उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने कहा कि जयपुर की पहचान केवल ऐतिहासिक धरोहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की जीवंत परंपराएं और उत्सव भी इसकी पहचान हैं। जलमहल जैसे ऐतिहासिक स्थल पर पतंगोत्सव का आयोजन राजस्थान की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है और राज्य को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सातों संभागों में रंग-बिरंगी पतंगों का उत्सव

राजस्थान पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेशभर में भव्य पतंग उत्सव आयोजित किए गए। भरतपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, कोटा, उदयपुर, जैसलमेर और माउंट आबू में रंग-बिरंगी पतंगों से आसमान सजा नजर आया। जोधपुर और बीकानेर में देसी-विदेशी पर्यटकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, वहीं अजमेर की आनासागर चौपाटी और कोटा के सिटी पार्क में लोक रंग और बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। रायसर के धोरों, जलाशयों, पार्कों और मैदानों में पारंपरिक मिठाइयों, लोक प्रस्तुतियों और सामूहिक पतंगबाजी ने पर्व को खास बनाया। इन आयोजनों ने ना केवल लोक संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि प्रदेश में पर्यटन को भी नई उड़ान दी।

भव्य आतिशबाजी से गुलाबी शहर जगमगाया

हवामहल के सामने काईट फेस्टिवल के दूसरे चरण में उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी की उपस्थिति में भव्य आतिशबाजी ने गुलाबी शहर का परकोटा रंग-बिरंगी रोशनी में नहा दिया। आसमानी फूलझड़ियां, रॉकेट और पटाखों की गड़गड़ाहट ने हजारों दर्शकों का उत्साह बढ़ाया और लालटेन उड़ाने के कार्यक्रम ने फेस्टिवल को यादगार बनाया। कार्यक्रम के दौरान पतंग प्रदर्शनी, पतंग निर्माण का लाइव प्रदर्शन और फैंसी पतंग उड़ाने ने उत्सव को विशेष बनाया। पर्यटकों को तिल के लड्डू, गजक, रेवड़ी और दाल के पकौड़े निशुल्क उपलब्ध कराए गए। विदेशी सैलानियों के लिए निशुल्क पतंगें और ऊंटगाड़ी सवारी भी आकर्षण का केंद्र रही।

पूर्व मंत्री मालवीय के ठिकानों पर एसीबी कार्रवाई को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का बयान

भाजपा नहीं करती दबाव की राजनीति : राठौड़

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के ठिकानों पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा दबाव वाली राजनीति नहीं करती। जांच एजेंसियां पूरी तरह स्वतंत्र होकर अपना काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा छोड़ने की बात है, वो अभी भाजपा में हैं और एसीबी हमारे नेता पर कार्रवाई कर रही है। इसके लिए कांग्रेस को तो हमारा धन्यवाद देना चाहिए।

राठौड़ ने कहा कि उनकी खुद मालवीय से बातचीत हुई है और मालवीय स्वयं भी इस कार्रवाई को लेकर असमंजस में हैं। राठौड़ ने कहा कि मालवीय ना तो कांग्रेस में गए हैं और ना ही उन्होंने भाजपा छोड़ी है। इसके बावजूद उनके ठिकानों पर कार्रवाई होना इस बात का प्रमाण है कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से काम कर रही हैं। राठौड़ ने कहा कि भाजपा जांच एजेंसियों के काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करती और ना ही अपने नेताओं को बचाने के लिए दबाव बनाती है।

उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने अपने शासनकाल में हमेशा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया और राजनीतिक विरोधियों को परेशान किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कांग्रेस को यह भी सलाह दी कि वह हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने के बजाय आत्ममंथन करे। उन्होंने कहा कि जनता अब सब समझती है और बार-बार जांच एजेंसियों पर सवाल उठाने से कांग्रेस की साख और कमजोर होती जा रही है। राठौड़ ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि उसके साथ अन्याय हो रहा है तो उसके लिए न्यायिक और संवैधानिक रास्ते खुले हैं, लेकिन बेबुनियाद आरोप लगाना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। मदन राठौड़ ने कहा कि एसीबी की कार्रवाई पूरी तरह कानून के दायरे में है और जो भी सच्चाई होगी, वह जांच के बाद सामने आ जाएगी। भाजपा ना तो दबाव की राजनीति करती है और ना ही करेगी।

'डोटासरा चुनाव हारते हैं तो ईवीएम पर सवाल खड़े करते हैं, जीतने पर जश्न मनाते हैं'

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा एसआईआर पर दिया गया बयान उनकी हताशा को दर्शाता है। डोटासरा जब चुनाव हारते हैं तो ईवीएम पर सवाल खड़े करते हैं और जब जीतते हैं तो विजय का जश्न मनाते हैं। यह कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण एक नियमित और संवैधानिक प्रक्रिया है, जो आजादी के बाद कई बार हो चुकी है। 'फर्जी वोटिंग,

डबल वोटिंग या गैर-नागरिकों के नाम हटाना लोकतंत्र को मजबूत करने की प्रक्रिया है। इसे साजिश बताना कांग्रेस की निराशा का परिचायक है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पहले ही 2028 के विधानसभा चुनाव को लेकर हार मान चुकी है, इसलिए अभी से रोना-पीटना और आरोप-प्रत्यारोप शुरू कर दिए गए हैं।

राज्यस्तरीय विशाल आरोग्य मेला जेकेके में आज से

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। आयुर्वेद विभाग की ओर से 15 से 18 जनवरी तक शिल्प कला केंद्र जेकेके में राज्यस्तरीय विशाल आरोग्य मेला- 2026 आयोजित किया जा रहा है। आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनंद शर्मा ने मेले की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेला नोडल अधिकारी डॉ. बत्तीलाल बैरवा (अतिरिक्त निदेशक, आयुर्वेद विभाग, जयपुर संभाग) ने बताया कि मेले की पूर्ण तैयारियां कर ली गई हैं। मेले का शुभारंभ 15 जनवरी को उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा करेंगे। समारोह में सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, विधायक कालीचरण सर्राफ, बालमुकुंदाचार्य, पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर तथा आयुष विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार (आईएएस), आयुष विभाग के उप शासन सचिव इंद्रजीत सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

आरोग्य मेले में आयुष विभाग द्वारा आयुष की विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी आमजन को दी जाएगी। मेले में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी पद्धतियों की निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही जनसामान्य के लिए आयुष औषधियों की प्रदर्शनी एवं आयुष आधारित जीवनशैली परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। यह विशाल आरोग्य मेला आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। आयुर्वेद विभाग जयपुर के सहायक निदेशक व मेले के प्रेस मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मण सैनी ने यह जानकारी दी।

हाईकोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी को पदावतन करने से जुड़े मामले में दिए आदेश

'बिना नियमित जांच अप्रमाणित सामग्री के आधार पर नहीं ठहराया जा सकता दोषी'

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी को पदावतन करने से जुड़े मामले में कहा है कि बिना नियमित जांच किए केवल अखबार में प्रकाशित फोटो या अप्रमाणित सामग्री के आधार पर व्यक्ति को दोषी ठहराकर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता एएसआई को पदावनत कर हैड कांस्टेबल बनाने के आदेश को रद्द कर दिया है। हालांकि अदालत ने विभाग को छूट दी है कि वह चाहे तो मामले में नियमानुसार नियमित जांच कर सकता है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश अजीत मोगा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सेवा नियम, 1958 के नियम 19 के उपनियम 2 का प्रयोग अत्यंत असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है। यह प्रावधान विभाग को जांच से बचने का लाइसेंस नहीं देता। समान परिस्थिति में जब एक अधिकारी को राहत दी गई तो दूसरे को दंड देना समानता के अधिकार के भी खिलाफ है।

याचिका में अधिवक्ता मुकेश कुमार ने अदालत को बताया कि जनवरी, 2020 में एक दैनिक समाचार पत्र में कुछ पुलिस अधिकारियों की अपराधियों के साथ मौजूदगी दर्शाते हुए तस्वीरें प्रकाशित हुई थीं। इन तस्वीरों के आधार पर पुलिस के आलाधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला कि याचिकाकर्ता आपराधिक तत्वों के संपर्क में है। इसके बाद बिना नियमित विभागीय जाए किए उसे हेड कांस्टेबल पद पर पदावनत कर दिया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि ना तो उसे सुनवाई का मौका दिया गया और ना ही प्रकाशित फोटो की फॉरेंसिक जांच कराई गई, जबकि ये फोटो एआई से बनाई जा सकती है। वहीं इसी फोटो में दिख रहे पुलिस निरीक्षक जोधाराम को बर्खास्त किया गया था, लेकिन विभागीय अपील में उन्हें राहत दी गई और याचिकाकर्ता की अपील को खारिज कर दिया गया। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि ऐसे मामलों में गवाह सामने नहीं आते और विभागीय जांच करना व्यावहारिक नहीं था। इसलिए नियम 19 के उपनियम 2 के तहत कार्रवाई की गई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने पदावनती आदेश को रद्द कर दिया।

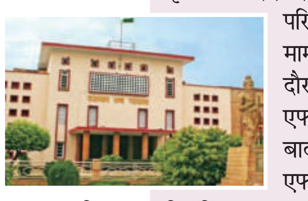

सीआईएसएफ अधिकारी का बर्खास्तगी आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृत सीआईएसएफ जवान के परिजनों से जुड़े मामले में जांच के दौरान दर्ज एफआईआर के बाद सीआईएस-एफ निरीक्षक को निलंबित कर बाद में बिना जांच बर्खास्त करने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश बलराम सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सोगत रॉय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 2003 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में निरीक्षक लगा था। उसे मुंबई स्थित सीआईएसएफ यूनिट से एक मृत सीआईएसएफ जवान के परिजनों से जुड़े मामले में जांच के लिए देहरादून भेजा गया। उस दौरान मृत जवान के परिजनों ने याचिकाकर्ता के खिलाफ मारपीट और अपमान करने के आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करा दी। एफआईआर के आधार पर सीआईएसएफ ने उसे निलंबित कर दिया और चार दिन बाद ही बिना जांच किए सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसके बाद दायर विभागीय अपील को भी खारिज कर दिया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि सीआईएसएफ नियम, 2001 के तहत बड़ी सजा देने से पहले नियम 36 के तहत विभागीय जांच जरूरी है। दूसरी ओर विभाग की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता पर गंभीर आरोप थे और पीड़ित पक्ष की सुरक्षा व बल की सुरक्षा को देखते हुए तुरंत कार्रवाई जरूरी थी। सीआईएसएफ अनुशासित बल है और ऐसी कठोर कार्रवाई से बल की छवि बनी रह सकती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं।

काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता

काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर्रस्वामीजी ने अपनी विद्वता और अध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थाई संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं।

वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की हुई शुरुआत

वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंची एक विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली। इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिट्रेसी कैंप के आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास भी किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियनजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वह हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया।

काशी और उत्तर प्रदेश के लोगों के योगदान से विशेष बना संगमम

यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने विचारों से समृद्ध बनाया। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

संगमम से हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और हुए प्रगाढ़

काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्श और जनसंवाद को भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

मकर संक्रांति पर पतंगों से अटा रहा आसमान, शाम को हुई आतिशबाजी

मकर संक्रांति पर बुधवार को प्रदेशभर में कई स्थानों पर दिनभर जमकर पतंगबाजी की गई। जयपुर का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से अटा रहा। इसके बाद शाम को आतिशबाजी की गई। फोटो : राजेश कुमार शर्मा

सीकर में ट्रक से टकराकर चकनाचूर हुई कार, अंतिम संस्कार से लौट रहे थे

मां-बेटी, बहू समेत परिवार की 7 महिलाओं की मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर (सीकर)। सीकर में जयपुर-बीकानेर हाईवे पर फतेहपुर के हरसवा गांव के पास बुधवार शाम 4 बजे ट्रक और कार की भीषण भिड़ंत में एक परिवार की 7 महिलाओं की मौत हो गई। तीन लोग गंभीर घायल हो गए। वहीं अर्टिगा कार चकनाचूर हो गई। मृतकों में मां-बेटी, बहू और देवरानी शामिल हैं। डीएसपी अरविंद कुमार जाट के अनुसार फतेहपुर सदर थाना क्षेत्र में अर्टिगा कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। मोड़ पर कार कंट्रोल नहीं हो सकी और सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई।

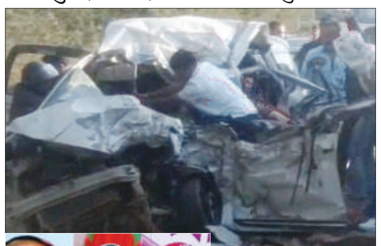

तीन ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह के अनुसार कार में सवार लोग लक्ष्मणगढ़ (सीकर) से फतेहपुर अपने घर लौट रहे थे। हादसे में फतेहपुर में परिहार बाइक एजेंसी के पास रहने वाली मोहिनी देवी (80), उनकी बेटी इंद्रा (60), पुत्रवधू तुलसी (45) पत्नी ललित व चंदा देवी (55) पत्नी सुरेंद्र, देवरानी संतोष (45), जेठ के बेटे की बहू आशा (60) पत्नी मुरारी की मौत हो गई। इनमें से तीन की मौत मौके पर हो गई, वहीं तीन महिलाओं की मौत फतेहपुर के ट्रोमा सेंटर में इलाज के दौरान हुई। वहीं मोहिनी देवी की पोती सोनू पुत्री सुरेंद्र, पुत्रवधू बरखा पत्नी ओमप्रकाश और ड्राइवर वसीम निवासी मांडेला (फतेहपुर) को गंभीर हालत में सीकर रेफर किया गया। बरखा की सीकर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लक्ष्मणगढ़ में रहने वाली मोहिनी देवी की ननद का निधन हो गया था। ये सभी अंतिम संस्कार के बाद वहीं से लौट रहे थे।

मांझे की मार : एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर समेत शहर के हॉस्पिटलों में दिनभर मची रही अफरा-तफरी, 153 लोग हुए जख्मी

जयपुर में पतंगबाजी बनी जानलेवा, दो बच्चों समेत तीन की मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मकर संक्रांति पर जयपुर की छतों पर रंग-बिरंगी पतंगों ने आसमान भर दिया, लेकिन इसी खुशी के बीच मांझे ने कई जिंदगियों को जख्मी कर दिया। जयपुर में मांझे से कटने, पतंगबाजी के दौरान गिरने और सड़क हादसों में 153 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। इनमें सबसे दर्दनाक घटना 10 साल के धीर कुमार की रही, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। धीर अपने परिजनों के साथ राजमहल चौराहे के पास गाड़ी से गुजर रहा था। तभी अचानक बीच सड़क पर लटक रहे मांझे से उसका गला कट गया। गंभीर हालत में परिजन उसे एसएमएस ट्रोमा सेंटर लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। धीर कुमार की मौत की खबर जैसे ही फैली, इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं कटी पतंग लूटने के लिए दौड़ते समय एक बच्चा अर्पित नाले के पास पहुंच गया और संतुलन बिगड़ने से करीब 7 फीट गहरे पानी में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही खोह नागरियान थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चे को बाहर निकालकर जेएनयू हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके अलावा मालवीय नगर निवासी बबलू (26) की पतंगबाजी करते समय मौत हो गई। पड़ोसियों के अनुसार बबलू छत पर पतंग उड़ा रहा था। घर में लिफ्ट के लिए छोड़ी गई खाली जगह में अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर पड़ा। गंभीर हालत में उसे ट्रॉमा सेंटर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रोमा सेंटर में घायलों की लगी भीड़

एसएमएस अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा के अनुसार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक ट्रोमा सेंटर में 42 से ज्यादा घायल पहुंचे। इनमें अधिकतर लोग मांझे से कटे हुए थे या पतंग उड़ाते समय गिरकर घायल हुए थे। डॉ. शर्मा ने बताया कि ज्यादातर मामलों में नाक, गला और हाथ मांझे से कटे थे। 42 घायलों में से 12 गंभीर थे, जिन्हें भर्ती करना पड़ा। खास बात यह रही कि इन गंभीर घायलों में 12 बच्चे ऐसे थे, जिनकी उम्र 14 साल या उससे कम थी।

मांझे से पैर कटा

56 साल के राजेश गाड़ी से कहीं जा रहे थे, तभी सड़क पर फैले मांझे ने उनका पैर बुरी तरह काट दिया। हालत इतनी गंभीर थी कि उनका पैर लटकने जैसी स्थिति में आ गया। वहीं एक अन्य घायल के हाथ में मांझे से गहरा कट लगा, जिसमें करीब 25 टांके लगाने पड़े। इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जानलेवा मांझे पर पूरी तरह रोक क्यों नहीं लग पा रही।

मुख्य आर्मी-डे परेड आज : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी रहेंगे मौजूद

राजधानी में दिखेगा सेना का शौर्य, स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल होगी आकर्षण का केंद्र

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर में 15 जनवरी को होने वाली आर्मी डे परेड की तैयारियां का बुधवार को अंतिम दिन रहा। मुख्य परेड की शुरुआत गुरुवार सुबह 9 बजे सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा साउथ वेस्टर्न कमांड एरिया में स्थित प्रेरणा स्थल पर शहीदों को पुष्पचक्र एवं पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके बाद सेनाध्यक्ष सुबह 9:30 बजे महल रोड स्थित परेड स्थल पहुंचेंगे। परेड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहेंगे। ये पहला मौका है जब जयपुर में देश के जांबाज सैनिक परेड करते नजर आएंगे। परेड को लेकर शहरवासियों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। परेड में सबसे खास आकर्षण स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल होगी। इसके अलावा स्वदेशी ड्रोन, अत्याधुनिक वाहन, टैंक व हथियार शामिल होंगे। अर्जुन टैंक, अपाचे-जगुआर भी सेना का सामर्थ्य दिखाते नजर आएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को महल रोड पर 'आर्मी डे परेड' में शामिल होंगे। बाद में सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'शौर्य संध्या' कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे।

तीन ध्रुव हेलिकॉप्टर से होगी गुलाब के पुष्पों की वर्षा

परेड की शुरुआत दो चेतक हेलिकॉप्टरों द्वारा तिरंगा और सेना ध्वज फहराने से होगी। इसके बाद तीन ध्रुव हेलिकॉप्टर गुलाब के पुष्पों की वर्षा करेंगे, जबकि पांच अपाचे हेलीकॉप्टर फ्लाइंग पास्ट करेंगे। परेड से पहले वीरता और निस्वार्थ बलिदान के लिए चयनित सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान वीर माता और वीर नारियों द्वारा ग्रहण किया जाएगा। नेपाली आर्मी बैंड का विशेष दस्ता भी परेड में शामिल होगा।

(सेना दिवस पर जयपुर में ट्रैफिक की रहेगी वैकल्पिक व्यवस्था : पृष्ठ 10)

थाइलैंड में पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी, 32 की मौत, 67 घायल

थाईलैंड (विशेष संवाददाता)। थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में 32 लोगों की मौत हो गई, वहीं 67 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था।

ट्रंप के टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला टला

वॉशिंगटन डीसी (विशेष संवाददाता)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ लगाने के अधिकार पर अपना फैसला फिलहाल टाल दिया है। मामले में सुनवाई गुरुवार को होगी। इससे पहले 9 जनवरी को फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन फैसला नहीं हुआ था। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने उनके लगाए ग्लोबल टैरिफ को रद्द किया तो अमेरिका के लिए हालात बिगड़ सकते हैं। इससे देश को टैरिफ से आए अरबों डॉलर लौटाने पड़ सकते हैं।

19 से बदलेगा प्रदेश का मौसम, पश्चिम विक्षोभ से बारिश संभव

14 शहरों का रात पारा 5 डिग्री से नीचे, लूणकरणसर का 1.4

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में तेज सर्दी से आमजन को हल्की राहत मिलने लगी है। 14 शहरों का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 1.4 डिग्री के साथ लूणकरणसर की रात सबसे सर्द रही। शेखावाटी के साथ पूर्वी राजस्थान के कुछ शहरों में सुबह पेड़-पौधों और वाहनों पर ओस की बूंदें जमी नजर आईं। हालांकि आगामी दिनों में तापमान में विशेष उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है। 19 जनवरी से प्रदेश में एक बार फिर मौसम बदलेगा। इससे कई इलाकों में बारिश की भी संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार लूणकरणसर के अलावा फतेहपुर का न्यूनतम तापमान 2.2, माउंट आबू का 2.4, नागौर का 2.6, अलवर का 3, करौली का 3.2, श्रीगंगानगर का 3.5, झुंझुनूं और पाली का 3.9, पिलानी का 4.1, चूरू का 4.5, जैसलमेर और सिरोही का 4.7 और सीकर का 4.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं उत्तरी हवा कमजोर होने और दिन में तेज धूप से न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी हुई। दिन में कोल्ड-डे जैसी स्थिति खत्म हो गई। सुबह-शाम की गलनभरी तेज सर्दी से भी थोड़ी राहत मिली। बुधवार सुबह करीब 8 बजे तक अलवर शहर और आसपास के क्षेत्रों में हल्का कोहरा छाया। विजिबिलिटी करीब 300 मीटर दर्ज की गई। फसलों पर भी ओस की बूंदें जम गई थीं। बुधवार को प्रतापगढ़ शहर सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 27.2 और न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री दर्ज किया गया।

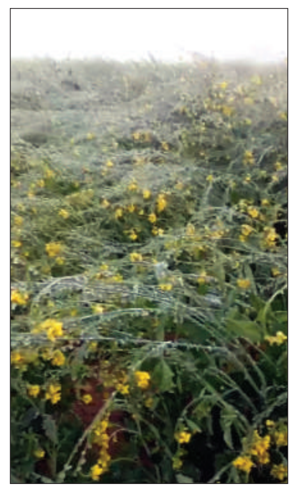

एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना

प्रदेश में 18 जनवरी तक मौसम साफ रहने और तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोत्तरी की संभावना जताई है। 19 जनवरी से प्रदेश में एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से भरतपुर, जयपुर संभाग के अलावा बीकानेर संभाग के एरिया में मौसम बदल सकता है। आसमान में बादल छा सकते हैं। कुछ स्थानों पर बारिश भी हो सकती है। इस सिस्टम का प्रभाव 2 से 3 दिन रहने की संभावना है।

जयपुर के पारे में हल्की बढ़ोतरी, तेज सर्दी से मिली राहत

जयपुर में बुधवार को दिनभर धूप खिली और मध्यम गति की हवाएं चलीं। इससे आमजन को तेज सर्दी से राहत मिली है। जयपुर के दिन के पारे में 0.4 और रात के पारे में 0.1 डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 23.8 और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री दर्ज किया गया।

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।
facebook YouTube twitter

शहर में आज से पांच दिन सजेगा शब्दों का मेला

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल मे जुटेंगे दुनियाभर के 500 से ज्यादा साहित्यकार

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। शहर में अगले पांच दिन शब्दों का मेला सजेगा। जयपुर की नई पहचान बन चुका जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल गुरुवार से क्लार्क्स आमेर होटल में शुरू होगा, जहां दुनियाभर के 500 से ज्यादा साहित्यकार राजनीति, समाज, अर्थनीति, सिनेमा, संगीत, खेल, तकनीक, कहानी, कविता, सोशल मीडिया सहित कई विषयों पर चर्चा करेंगे। इनमें जावेद अख्तर, टिम बर्नर्स-ली, किरण देसाई, एस्तेर डुफ्लो, सुधा मूर्ति, विश्वनाथन आनंद, गौर गोपाल दास सहित कई नामी हस्तियां शामिल हैं। लिटरेचर फेस्टिवल में होने वाले ढाई सौ से ज्यादा सत्रों में बांग्लादेश में जेन-जी के आंदोलन से

लेकर वेनेजुएला में हाल ही हुए अमेरिकी हमले तक कई घटनाओं पर चर्चा होगी और म्यूजिक प्रोग्राम भी खास होने वाले हैं। जेएलएफ में इस बार भी दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग श्रेणियों में एंट्री प्राइजिंग तय की गई है। इस महोत्सव में छात्र, आम दर्शक, म्यूजिक लवर्स और पब्लिशिंग इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए अलग-अलग रजिस्ट्रेशन विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। संगीत प्रेमियों के लिए जयपुर म्यूजिक स्टेज खास

आकर्षण रहेगा।

इस स्टेज के लिए एंट्री 499 रुपए प्रतिदिन से शुरू होगी। यहां देश-विदेश के नामी और उभरते कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह मंच विविध संगीत शैलियों का संगम बनकर उभरेगा। जो लोग जयपुर नहीं आ रहे, उनके लिए वर्चुअल सेशन रजिस्ट्रेशन पूरी तरह फ्री रखा गया है। इन वर्चुअल सेशंस के जरिए दर्शक दुनिया भर से जेएलएफ की चर्चाओं, विचारों और संवादों से जुड़ सकेंगे।

सुबह 10:50 बजे होगा उद्घाटन

फेस्टिवल का उद्घाटन समारोह सुबह 10:50 बजे वेदांता फ्रंट लॉन में आयोजित होगा। समारोह को नमिता गोखले, विलियम डेलरिम्पल और संजॉय के. रॉय संबोधित करेंगे। समारोह में कीनोट संबोधन बानू मुश्ताक देंगी। वे मशहूर कन्नड़ लेखिका, एक्टिविस्ट और कर्नाटक से वकील हैं और बंदया आंदोलन में एक अहम आवाज हैं। उनका मशहूर कहानी संग्रह 'हार्ट लैंप' कन्नड़ साहित्य में एक मील का पत्थर माना जाता है, जिसने इंटरनेशनल बुकर प्राइज 2025 और इंग्लिश पेन अवॉर्ड जीता है। उनका काम जाति, लिंग और वंचित समुदायों के मुद्दों को साहित्यिक स्पष्टता के साथ दमदार तरीके से दिखाता है।

कन्हैयालाल सेठिया काव्य पुरस्कार-2026 की घोषणा

साहित्यिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने महाकवि कन्हैयालाल सेठिया काव्य पुरस्कार-2026 के विजेता की भी घोषणा की। यह पुरस्कार नमिता गोखले, सुकृता पॉल कुमार, रंजीत होस्कोटे और सिद्धार्थ सेठिया की प्रतिष्ठित जूरी द्वारा निर्धारित किया गया है और कविता के क्षेत्र में पुरस्कार विजेता के गहन एवं स्थाई योगदान को मान्यता देता है।

राजस्थानी और हिंदी के महान कवि, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और पद्मश्री सम्मानित महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की स्मृति में स्थापित यह सम्मान उस काव्य-यात्रा को रेखांकित करता है, जिसमें काव्यात्मक गहराई, नैतिक स्पष्टता और समाज तथा मानव स्थिति से गहरा संवाद झलकता है।

बाबूलाल शर्मा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बाबूलाल शर्मा को सर्व ब्राह्मण महासभा का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि बाबूलाल शर्मा पिछले 30 वर्षों से समाज की सेवा कर रहे हैं। जलदाय विभाग में कर्मचारी नेता होने के साथ-साथ समाज को भी पूरा समय दे रहे हैं।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में पतंगोत्सव का आयोजन

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। पिंकसिटी प्रेस क्लब के रूफ टॉप पर मकर संक्रांति पर बुधवार को पतंग उत्सव एवं भोजन प्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक चले इस कार्यक्रम में प्रेस क्लब के बड़ी संख्या में सदस्यों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पतंगबाजी का आनंद लिया। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा और महासचिव मुकेश चौधरी ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे सांस्कृतिक पर्व सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द को मजबूत करते हैं। प्रेस क्लब सदस्यों के लिए ऐसे आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे, जिससे आपसी मेलजोल और पारिवारिक वातावरण को बढ़ावा मिले। उन्होंने सभी सदस्यों और उनके परिवारों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष डॉ मोनिका शर्मा और परमेश्वर शर्मा, कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, कार्यकारी सदस्य मणिमला शर्मा, ओमवीर भार्गव, दिनेश कुमार सैनी, दीपक सैनी, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अनीता शर्मा, निखिलेश शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, उमंग माथुर, और विकास आर्य उपस्थित रहे।

पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश के स्मारकों और संग्रहालयों ने रचा कीर्तिमान

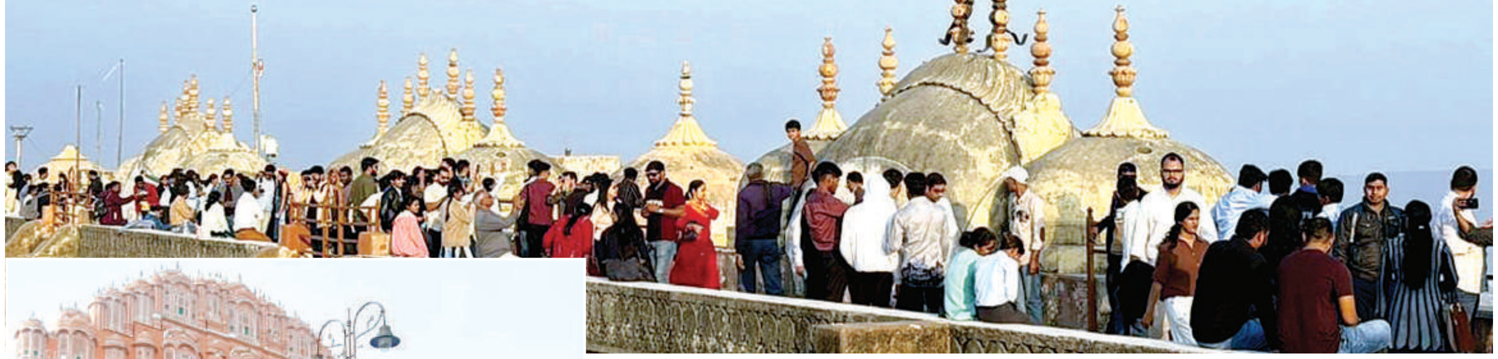

- साल 2025 में 85 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, 59 करोड़ से अधिक का मिला राजस्व
- आमेर महल फिर सबसे लोकप्रिय
- मुख्य रूप से जयपुर तक ही सीमित रहा पर्यटन का विस्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। साल 2025 में राजस्थान के स्मारकों और संग्रहालयों ने पर्यटन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान रचा है। पुरातत्व व संग्रहालय विभाग के अधीन आने वाले स्मारकों व संग्रहालयों में कुल 85 लाख 13 हजार 663 पर्यटक पहुंचे, जो 2024 की तुलना में लगभग 7 लाख अधिक है। इस उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी से विभाग को 59 करोड़ 60 लाख 42 हजार 593 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसने राज्य के सांस्कृतिक पर्यटन को नई मजबूती प्रदान की है। विश्व धरोहर स्थल आमेर महल एक बार फिर सबसे अधिक लोकप्रिय साबित हुआ, जहां 20 लाख 56 हजार 900 पर्यटक पहुंचे। यह कुल पर्यटकों का 24.16 प्रतिशत है, जो आमेर की अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि का प्रमाण है। इसके बाद हवामहल में 18 लाख 58 हजार 36, जंतर-मंतर में 13 लाख 74 हजार 859, नाहरगढ़ में 12.47 लाख और अल्बर्ट हॉल सेंट्रल म्यूजियम में 10.49 लाख पर्यटकों ने भ्रमण किया।

हालांकि पर्यटन का यह विस्तार मुख्य रूप से जयपुर तक सीमित रहा। प्रदेश के कुल पर्यटकों में से 91.35 प्रतिशत यानी 76 लाख 92 हजार 361 पर्यटक केवल जयपुर के आठ प्रमुख स्मारकों तक ही पहुंचे। वहीं जयपुर से बाहर स्थित 19 स्मारकों व संग्रहालयों पर 8 लाख 21 हजार 302 पर्यटक आए, जो कुल संख्या का सिर्फ 9.65 प्रतिशत है। जयपुर से बाहर के स्मारकों में चित्तौड़गढ़ सबसे आगे रहा, जहां 4 लाख 78 हजार 904 पर्यटक पहुंचे। भरतपुर संग्रहालय में 1 लाख 25 हजार 717 पर्यटकों ने दौरा किया, लेकिन कई अन्य ऐतिहासिक स्थलों की स्थिति चिंताजनक रही। बूंदी संग्रहालय में पूरे वर्ष सिर्फ एक पर्यटक पहुंचा, जबकि झालावाड़, बीकानेर व सरदार म्यूजियम जोधपुर में मात्र दो-दो पर्यटक दर्ज किए गए। जैसलमेर म्यूजियम में आठ और उदयपुर केंद्रीय संग्रहालय में सिर्फ 84 पर्यटक पहुंचे।

जयपुर के प्रमुख स्मारकों में पर्यटक संख्या

आमेर महल	20 लाख 56 हजार 900 पर्यटक
हवामहल	18 लाख 58 हजार 036 पर्यटक
जंतर मंतर	13 लाख 74 हजार 859 पर्यटक
नाहरगढ़	12.47 लाख पर्यटक
अल्बर्ट हॉल	10.49 लाख पर्यटक

इनका कहना है...

पिछले सीजन 2024-25 की तुलना में दिसंबर तक इस बार 2 लाख 39 हजार ज्यादा पर्यटकों ने आमेर महल की दीदार किया है। आमेर महल में पर्यटकों के लिए सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। चाहे साफ-सफाई की व्यवस्था हो या महिला सैलानियों के लिए विशेष सुविधाएं, किसी भी पर्यटक को असुविधा नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। लगातार सुविधाओं में सुधार, अनुकूल वातावरण और आमेर महल की समृद्ध विरासत ने सैलानियों को आकर्षित करना जारी रखा है।

राकेश छोलक अधीक्षक, आमेर महल

पृथ्वीराज नगर में हाईटेंशन लाइनों का खतरा बरकरार

48 से ज्यादा कॉलोनियों के निवासी लामबंद, विरोध स्वरूप उतरेंगे सड़कों पर

स्थानीय लोगों ने जेडीसी से मिलकर की समस्या के शीघ्र समाधान की मांग

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर के पृथ्वीराज नगर क्षेत्र की 48 से अधिक कॉलोनियों में हाईटेंशन बिजली लाइनों का खतरा स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। रिहायशी इलाकों के बीच से गुजर रही 132 केवी और 220 केवी की हाईटेंशन लाइनें लोगों की जान पर बन आई हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए हैं। जगह-जगह बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो अगले सप्ताह आंदोलन और तेज किया जाएगा।

इससे पूर्व स्थानीय निवासियों ने जेडीसी सिद्धार्थ महाजन से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। जेडीसी ने आश्वासन दिया है कि अगले सप्ताह तक इस समस्या को लेकर ठोस निर्णय किया जाएगा। हाल ही करणी विहार क्षेत्र में एक बालिका हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई थी, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। लगातार हो रहे हादसों को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

गंभीर खतरे को लेकर प्रशासन की बेरुखी

पृथ्वीराज नगर की कई कॉलोनियों में स्थिति यह है कि हाईटेंशन लाइनें मकानों की छतों, बालकनियों और संकरी गलियों के ठीक ऊपर से गुजर रही हैं। बच्चों के खेलने, कपड़े सुखाने और छतों पर सामान्य गतिविधियों के दौरान भी हर वक्त करंट लगने या बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। बरसात के मौसम में यह डर और बढ़ जाता है, जब तारों से चिंगारी या करंट फैलने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जब ये लाइनें बिछाई गई थीं, तब यह इलाका आबादी से दूर था, लेकिन पिछले एक दशक में तेजी से कॉलोनियों का विकास हुआ और अब हाईटेंशन लाइनें घनी आबादी के बीच आ गई हैं। इसके बावजूद विभाग की ओर से इन्हें शिफ्ट करने या अंडरग्राउंड करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

गायों को गुड़-दलिया खिलाकर की गोशाला की परिक्रमा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। रायसिंह का बास स्थित सुरभि गौशाला में मकर संक्रांति पर गौ सेवा और गौ सवामणी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विराज फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गायों को दलिया खिलाया। सभी उपस्थितजनों ने गायों की परिक्रमा कर गौ माता का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी, संरक्षक गोपाल शर्मा, प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर, शिक्षा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार सोलंकी, काशीनाथ दीक्षित, हरिशंकर गौड़, डॉ. आशीष शर्मा, अरुण कुमार पांडे, अनिल कुमार शर्मा, सुशील कुमार जोशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुरेंद्र अवाना का किया सम्मान

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मकर सक्रांति के अवसर पर ग्राम भैराना ग्राम पंचायत बिचून स्थित फार्म में सैकड़ों गोभक्तों ने गायों को गुड़ खिलाया तथा गिरी नस्ल की 450 गायों की डेयरी फार्म संचालक सुरेंद्र अवाना को साफा एवं फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया। गोभक्तों का नेतृत्व कर रहे विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि सुरेंद्र अवाना ने राष्ट्रीय स्तर पर गाय को पालने तथा उसकी नस्ल सुधारने का कार्य 10 वर्ष पूर्व शुरू किया था, जो किसानों के लिए प्रेरणादायक है। साथ ही ऑर्गेनिक एवं नेचुरल फार्मिंग, वर्षा जल संरक्षण करना तथा उससे पौधरोपण, गायों के लिए चारा एवं मछली पालन बतख पालन जैसे कार्य करके एकीकृत कृषि का जीवंत उदाहरण पेश किया है।

मानसरोवर के वीटी ग्राउंड पर 16 से 18 जनवरी तक होगा भारत रिन्यूएबल एक्सपो

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर में मानसरोवर के वीटी ग्राउंड पर राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से 16 से 18 जनवरी तक भारत रिन्यूएबल एक्सपो का आयोजन किया जाएगा। एक्सपो के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को आमंत्रित किया गया है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर समारोह की अध्यक्षता करेंगे। समारोह में केंद्र और राज्य सरकार के आला अधिकारी, रिन्यूएबल सेक्टर के देश के शीर्ष उद्यमी और राजस्थान सोलर एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आरएसए के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज गुप्ता और वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से देश के सबसे बड़े रिन्यूएबल एक्सपो में

शामिल बीआरई की मेजबानी के लिए जयपुर तैयार है। इसमें 3 सौ से ज्यादा बूथ और पवेलियन पर देश-विदेश की रिन्यूएबल एनर्जी से सम्बन्धित कंपनियां अपने उत्पाद, सर्विस, इनोवेशन और तकनीक को प्रस्तुत करेंगी। इसमें सरकार की ओर से पीएम सूर्यघर, कुसुम, प्रदेश की रूफटॉप सोलर सब्सिडी स्कीम के साथ सरकार की सभी रिन्यूएबल एनर्जी प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। 16 से 18 तक तीन दिन विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें देशभर के रिन्यूएबल विशेषज्ञ, सरकार के प्रतिनिधि, उद्योगपति और औद्योगिक संगठन एक मंच पर रिन्यूएबल सेक्टर के विकास, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

एक्सपो में 'ऑल इंडिया रिन्यूएबल ओलंपियाड' और 'भारत रिन्यूएबल टैलेंट फेस्ट' का पहली बार आयोजन किया जाएगा। एक्सपो में पीएम सूर्य घर योद्धाओं को पुरस्कृत किया जाएगा। भारत रिन्यूएबल एक्सपो का खास आकर्षण 16 जनवरी को जयपुर में होने वाली 'सीईओ इन्वेस्टमेंट मीट है। जिसमें देश की शीर्ष 50 से ज्यादा रिन्यूएबल कंपनियों के प्रमुख भाग लेंगे। जो यहां रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं के साथ सरकार की नीतियों पर मंथन करेंगे।

राज्यपाल बागडे से मिजोरम के राज्यपाल ने की शिष्टाचार भेंट

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को मिजोरम के राज्यपाल विजय कुमार सिंह ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

जगतपुरा-बस्सी लिंक रोड का काम खटाई में, कांग्रेस सरकार के समय हुई थी घोषणा

कांग्रेस शासन में शुरू हुआ जमीन अधिग्रहण का काम अभी तक नहीं हुआ पूरा

15 किमी रोड के लिए 8 गांवों की 190 हेक्टेयर जमीन होगी अधिग्रहीत

महानगर संवाददाता

जयपुर। जयपुर से सीधे आगरा रोड को जोड़ने के लिए कांग्रेस सरकार ने जगतपुरा-बस्सी लिंक रोड की घोषणा की थी, लेकिन इस रोड का काम शुरू

फाइल फोटो

होना तो दूर अभी तक जमीन अधिग्रहण का काम भी पूरा नहीं हो पाया है। भाजपा सरकार में तो आमजन को राहत देने वाले इस काम को पूरी तरह से बिसरा दिया गया है। इस रोड के लिए जेडीए को 8 गांवों की 190 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है। इस पूरे मामले को लेकर जोन-24 की डीसी तारामती वैष्णव से संपर्क किया गया, लेकिन बातचीत नहीं हो पाई। विशेष बात यह है कि पहले यह क्षेत्र जोन-13 में आता था, जो कि जेडीए के नए परिसीमन के बाद बदल गया है।

जानकारी के अनुसार 2021-22 के बजट में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर-दिल्ली रेलवे लाइन से लगते रिंग रोड से बस्सी तक करीब 15 किमी जगतपुरा-बस्सी लिंक रोड की घोषणा की थी। इसके लिए 50 करोड़ के बजट का प्रावधान किया था। यह सड़क करीब 200 फीट चौड़ी बननी थी। इस सड़क के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। सड़क बनाने के लिए काश्तकार या भू मालिक से सहमति प्राप्त कर भूमि अवाप्त करना था। इसके लिए भू मालिक को इकॉलॉजिकल क्षेत्र में 50, केवल आवासीय में 30, आवासीय व वाणिज्यक में 20 प्लस 5 और वाणिज्यिक में 15 प्रतिशत जमीन देने का प्रावधान किया गया है। सड़क बनाने लिए जेडीए ने कांग्रेस शासन में किसान या भू मालिक की सहमति के साथ भूमि अधिग्रहण को लेकर काम शुरू कर दिया था, कई जगहों पर जमीन अधिग्रहण लगभग अंतिम चरण में था, तो कुछ जगहों पर काम जारी था।

आमजन को मिलेगी जाम से राहत, सीधे आगरा रोड से होगी कनेक्टिविटी

जगतपुरा-बस्सी लिंक रोड बनने के बाद आमजन को जाम से राहत मिलेगी। साथ ही जगतपुरा और उसके आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों को सीधे आगरा रोड से कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे उनका समय के साथ ईंधन खर्च भी बचेगा। यह रोड बस्सी आरओबी वाली सड़क से जुड़ेगी। वर्तमान में जगतपुरा और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को बस्सी जाना हो तो उसे लंबा चक्कर काटना पड़ता है। हालांकि जगतपुरा से रिंग रोड तक सड़क बनी हुई है।

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।
facebook YouTube twitter

दिनभर चला पतंगबाजी का दौर, शाम को हुई जमकर आशितबाजी

मकर संक्रांति : सड़कें सूनीं आसमान पतंगों से आबाद

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। अंग्रेजी नव वर्ष 2026 का पहला बड़ा पर्व मकर संक्रांति बुधवार को छोटीकाशी में श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर नजर आया। छतों पर दिनभर पतंगबाजी का दौर चलता रहा और डीजे की धुनों के बीच वो काटा को शोर गूंजता रहा। लोगों ने सुबह का चाय-नाश्ता और दोपहर का भोजन भी परिवार और मित्रों के साथ छतों पर ही किया। चारदीवारी में पतंगबाजी का जुनून आसमान छूता नजर आया। नीला आसमान पतंगों से अटा दिखा। लोगों के उत्साह के कारण अति व्यस्त रहने वाली चारदीवारी की सड़के सूनी और बाजार लगभग बंद नजर आए। चारदीवारी के बाहर का भी यही हाल था। मकर संक्रांति के कारण जयपुर में एक तरह अघोषित बंद का नजारा था। बाजार में केवल मांझे, पतंग, खाने-पीने और अन्य जरुरी सामान की दुकानें ही खुली दिखी। राजधानी में कई स्थानों पर सामूहिक रूप से भी पतंगबाजी हुई। चारदीवारी के जौहरी बाजार, किशन पोल, चांदपोल, रामगंज, त्रिपोलिया की पुरानी हवेलियों पर पतंगबाज पेच लड़ाते नजर आए। विदेशियों ने भी पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। छोटे बच्चों ने छोटी पतंगें और गुब्बारे उड़ाए। रामनगर सोडाला निवासी सौरभ कटारिया ने बताया कि कॉलोनिवासियों ने एक जगह इकट्ठे होकर पतंगबाजी की साथ ही तिल के लड्डू और पकौड़ियों के आनंद लेते हुए एक दूसरे को पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर कार्तिक शर्मा, अभिषेक कटारिया, आरती सैनी, जितेन्द्र और ज्योति सैनी उपस्थित रहे। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता अक्षय यादव ने अपने परिवार व दोस्तों संग हर्षोल्लास के साथ पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। अक्षय यादव ने बताया कि आसमान में उड़ती ये रंग-बिरंगी पतंगें हमारी एकता, भाईचारे और सनातन संस्कृति की जीवंतता की प्रतीक हैं। इस दौरान हेमराज शर्मा, राहुल जोशी, पवन शर्मा, रमेश चौधरी, लक्ष्मण यादव, श्याम बाबू यादव, अंजली यादव, सुनीता यादव, अंश यादव, विष्णु यादव, कनिष्का यादव उपस्थित रहे।

आतिशबाजी से दिवाली का नजारा

देर शाम शहर में जोरदार आतिशबाजी की गई। शुभकामनाओं के प्रतीक विशिंग लैंप आकाश में छोड़े गए, जिससे संपूर्ण वातावरण उत्सवमय हो उठा। आतिशबाजी के कारण दिवाली का सा नजारा हो गया।

स्नान कर किया दान-पुण्य

श्रद्धालुओं ने सुबह गंगा जल मिले पानी से स्नान कर सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया। इसके बाद मंदिरों और गोशालाओं में जाकर दान-पुण्य किया। श्रद्धालुओं ने तिल, कंबल, गुड़, खिचड़ी, चावल, नमक-वस्त्र, देशी घी तथा पशु चारे का दान किया। टोंक रोड सांगानेर की श्री पिंजरापोल गोशाला, दुर्गापुरा, बगरू, हिंगोनिया, ढहर के बालाजी, खोले के हनुमानजी की गोशाला में दिनभर गायों को चारा, गुड़ खिलाने के लिए लोगों का तांता लगा रहा।श्री श्याम गो सेवा परिवार समिति के ततवावधान में नेवटा स्थित श्री वीर तेजाजी गोशाला में जिज्ञासा वाजपेयी की स्मृति में हरे चारे की एक गाड़ी डलवाई। गायों को गुड़ और खल भी खिलाई गई। समिति अध्यक्ष नरेंद्र कुमार टेलर ने बताया कि जिज्ञासा वाजपेयी के पति अनिल वाजपेयी एवं अन्य ने गोसेवा में पूरा सहयोग किया।

अब होंगे शुभ मांगलिक कार्य

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सूर्यदेव ने मकर राशि में प्रवेश करने के साथ ही सूर्य उत्तरायण हो गए और मलमास की समाप्ति हो गया है। अब विवाह, उपनयन, गृह प्रवेश सहित सभी मांगलिक कार्य पुनः प्रारंभ हो जाएंगे।

आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में सजी पांच सौ पतंगों की झांकी

प्यारा गोविंद आओ रे मैं पकडूला चरखी थे पतंग उड़ाओ जी....

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। आराध्य देव श्री गोविंद देवजी मंदिर में मकर संक्रांति का पर्व मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी के सान्निध्य में श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया गया। मकर संक्रांति के साथ षट्तिला एकादशी का संयोग होने के कारण मंदिर में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। तड़के मंगला आरती के साथ ही मंदिर के पट खुलते ही भक्तों का आगमन शुरू हो गया। इस अवसर पर ठाकुर श्री गोविंददेवजी एवं श्री राधा रानी की झांकी को अत्यंत सुन्दर भाव में सजाया गया। झांकी में ठाकुरजी को सोने की पतंग उड़ाते हुए दर्शाया गया, जबकि श्री राधा रानी और सखियों के हाथों में चांदी की चरखी सुशोभित रही थी। झांकी की विशेष आकर्षण सोने की पतंग एवं चांदी की चरखी रही, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। एकादशी पर ठाकुरजी को लाल रंग वाले विशेष परिधान धारण कराए गए और गोचारण के भाव से श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को मकर संक्रांति के उत्सव के अनुरूप लगभग 500 रंग-बिरंगी पतंगों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय नजर आया। पतंगों की इस झांकी को देखने के लिए सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने घर से से लाई पतंग ठाकुरजी को दर्शन कराई। मकर संक्रांति पर ठाकुर जी को तिल-गुड़ के लड्डू, फिणी सहित पारंपरिक भोग अर्पित किए गए। राज भोग झांकी में ठाकुर जी को छप्पन भोग अर्पित किए गए। बच्चों को पतंगों का वितरण भी किया गया।

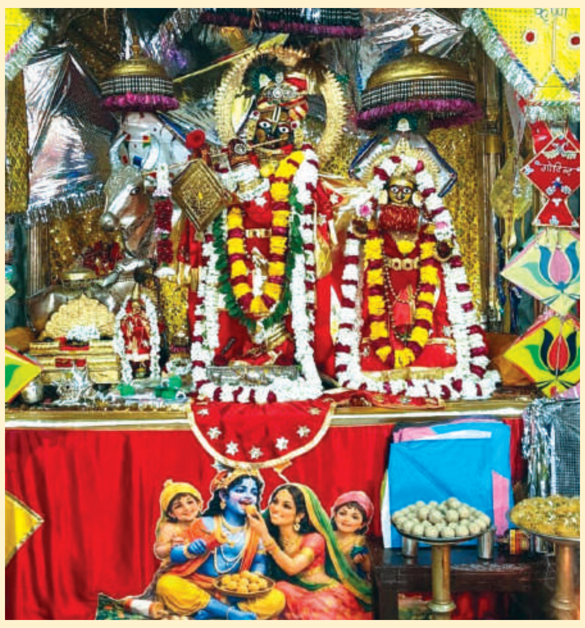

शिव शक्ति हनुमान मंदिर की छत पर पतंगबाजी

श्रीमन्न नारायण प्रन्यास मंडल की ओर से त्रिपोलिया बाजार के तंवर जी का नोहरा स्थित श्री शिव शक्ति हनुमान मंदिर में पतंगों की झांकी सजाई गई। हनुमान जी महाराज, मां दुर्गा, गणेश जी, शिवजी को रंग-बिरंगी पतंगों से सजाया गया। पं. दिनेश शर्मा के आचार्यत्व में सभी विग्रहों को भगवान को फीणी, तिल के लड्डू का भोग लगाया गया। भोग लगाया गया। श्रीमन्न नारायण प्रन्यास मंडल के अध्यक्ष पं. तरुण भारती ने बताया कि इस मौके पर मंदिर की छत पर सामूहिक रूप से पतंगबाजी कर जयपुर की रियासतकालीन परपंरा को जीवंत किया गया।

हनुमान जी ने उड़ाई जरी गोटे से बनी पतंगः नाहरी का नाका के श्री हनुमान कुंज स्थित श्री चमत्कारेश्वर वीर हनुमान मंदिर में महंत सुरेश पारीक के सान्निध्य में सुबह हनुमानजी महाराज का विभिन्न तीर्थ जल से अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई गई। हाथों में चरखी लिए पतंग उड़ाते हनुमान जी की मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। मंदिर प्रवक्ता पुजारी धीरज कुमार पारीक ने बताया कि हनुमानजी महाराज ने जरी गोटे से बनी केसरिया पतंग उड़ाई। भगवान को तिल के लड्डू, गजक, रेवड़ी, मूंगफली, फीणी सहित विभिन्न व्यजनों का भोग लगाया गया। भक्तों को पतंगों को वितरण भी किया गया।

इन मंदिरों में भी सजी पतंगों की झांकी

श्रीमन्न नारायण प्रन्यास मंडल की ओर से त्रिपोलिया बाजार के तंवर जी का नोहरा स्थित श्री शिव शक्ति हनुमान मंदिर में पतंगों की झांकी सजाई गई। हनुमान जी महाराज, मां दुर्गा, गणेश जी, शिवजी को रंग-बिरंगी पतंगों से सजाया गया। पं. दिनेश शर्मा के आचार्यत्व में सभी विग्रहों को भोग लगाया गया। श्रीमन्न नारायण प्रन्यास मंडल के अध्यक्ष पं. तरुण भारती ने बताया कि इस मौके पर मंदिर की छत पर सामूहिक रूप से पतंगबाजी कर जयपुर की रियासतकालीन परपंरा को जीवंत किया गया। मकर संक्रांति बुधवार को होने के कारण छोटीकाशी के सभी गणेश मंदिरों में पतंगों की झांकी सजाई गई। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में महंत पं. कैलाश शर्मा के सान्निध्य में कलात्मक पतंगों से मंदिर परिसर को सजाया गया। ब्रह्मपुरी के नहर के गणेश मंदिर, सूरजपोल के श्वेत सिद्ध विनायक, दिल्ली रोड बंगाली बाबा गणेश मंदिर मे पतंगों की विशेष झांकी सजाई गई। गलता गेट स्थित गीता गायत्री गणेश मंदिर में रंग-बिरंगी पतंगों की झांकी सजाई गई। मंदिर के पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सान्निध्य में भगवान को फीणी, तिल के लड्डू का भोग लगाया गया। गलताजी में स्नान कर आने वाले श्रद्धालुओं को तिल के लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया। चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में कलात्मक पतंग की झांकी सजाई गई। प्रथम पूज्य चांदी की चरखी से चांदी की पतंग उड़ाते नजर आए। गणेशजी महाराज को सागरी लड्डूओं का भोग लगाया गया। भक्तों को तिल के लड्डू, पकौड़ी और पतंग प्रसाद के रूप में वितरित की।

भगवान अयप्पा मंदिरों में शबरीमला की परंपरा के अनुरूप विशेष पूजा-अर्चना

केरल समाज ने भक्तिभाव से मनाया मकर विलक्कू महोत्सव

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। केरल समाज की ओर से बुधवार को मकर विलक्कू महोत्सव श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गोपालपुरा एवं खातीपुरा स्थित भगवान अयप्पा मंदिरों में शबरीमला की परंपरा के अनुरूप विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मकर संक्रांति की संध्या महादीपाराधना के साथ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मंदिर परिसर दीपों के प्रकाश से आलोकित हो उठा और भक्तिमय वातावरण में स्वामी शरणम् अयप्पा शरणम् के जयघोष गूंज उठे। कलाकारों ने भरतनाट्यम, मोहिनियाट्टम, सेमी क्लासिकल नृत्य, कथक, कैकोट्टिकली एवं तिरूवातिराकली की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। वहीं गोपालपुरा स्थित अय्यप्पा मंदिर में तीन दिवसीय 41वीं प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ मकर विलक्कु महोत्सव का समापन हुआ। शुभारंभ पल्लि उणरत से हुआ। हरिनाम कीर्तन, अष्ट द्रव्य महागणपति हवन, आष्टाभिषेक एवं भगवान अय्यप्पा के विविध द्रव्यों से अभिषेक किया गया। शाम को कृष्णाम्बा नृत्य कलाक्षेत्र एवं बालागोकुलम के कलाकारों ने भरतनाट्यम की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। रात्रि में शयन आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

कर्मचारी संगठनों से बजट पूर्व संवाद में शिक्षकों ने रखी मांगें

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। कार्मिक विभाग की ओर से आयोजित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रतिनिधि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने मुख्यमंत्री के समक्ष कई मांगें रखी। इनमें शिक्षकों की लंबित पदोन्नतियां, शिक्षक कल्याण बोर्ड का गठन, शिक्षक संघ को गिरदावरी के माध्यम से मान्यता देने, पूर्व सरकार में प्रताड़ित एवं सभी संवर्ग के शिक्षकों के स्थानांतरण करने के बाद 1 जुलाई 2026 से स्पष्ट एवं पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने, संविदा शिक्षकों, यथा पंचायत सहायक शिक्षाकर्मी पैराटीचर्स आदि को नियमित करने, प्रबोधक एवं तृतीय वेतन श्रृंखला के शिक्षकों की वेतन विसंगतियों को दूर करने, शिक्षा संकुल में ऑडिटोरियम एवं शिक्षक सदन बनाना प्रमुख है। वार्ता के दौरान महामंत्री महेंद्र लखारा तथा अतिरिक्त महामंत्री बसन्त जिन्दल भी उपस्थित थे।

खातीपुरा के बाबा रामदेव मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव संपन्न

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। खातीपुरा स्थित बुनकर कॉलोनी विकास समिति के तत्वावधान में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष हरीश भामणिया ने बताया कि इस अवसर पर भोलेनाथ और बाबा रामदेव जी महाराज का फूलों से श्रृंगार कर भोग लगाया गया। करीब 1100 भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष मुकेश पचारिया, रामनिवास वर्मा, उमेश वर्मा, मुकेश राजोरिया, रविन्द्र भामणिया, कमल भामणिया, लोकेश लाखिवाल, फूलचंद अनखोलिया, हितेश भामणिया, गणेश छापोला सहित कॉलोनी के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रामभद्राचार्य महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

राम हमारे रोम रोम में बसते हैं : भजनलाल शर्मा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को नींदड़ में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में सपत्नीक शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरु को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और आशीर्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। जयपुर में श्रीराम कथा का आयोजन हम सबके जीवन का पुनीत संयोग है। इससे राम नाम की महक चारों ओर फैली हुई है तथा हनुमान चालीसा के पवित्र स्वर और वेद मंत्रों की गूंज हर जगह सुनाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु इस युग के महान विद्वान, तपस्वी और रामभक्त हैं। शर्मा ने कहा कि रामभद्राचार्य महाराज ने तप से देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया है और ज्ञान की ज्योति जलाई है। उन्होंने भगवान श्रीराम के नाम को हर घर, गांव और शहर तक पहुंचाने का प्रण लिया है। जगद्गुरु ने तुलसी पीठ की स्थापना कर रामायण और हिंदी साहित्य की सेवा का अद्भुत कार्य किया है।

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने लिया आशीर्वाद

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने रामभद्राचार्य महाराज से आत्मीय भेंट की और उन्हें जन्मदिवस की बधाई दीं ओर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि महाराज का सान्निध्य और आशीर्वाद समाज को धर्म, संस्कार और सेवा के पथ पर निरंतर प्रेरित करता है।

कुश्ती में राजस्थान के पहलवानों ने किया शानदार प्रदर्शन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। गोवा में आयोजित ऑल इंडिया ट्रेडीशनल रैसलिंग एवं पैंक्रेशन नेशनल चैंपियनशिप में राजस्थान के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच दिया। विभिन्न भार वर्ग और स्पर्धाओं में पदक जीतकर राजस्थान ने देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहला स्थान मेघालय, दूसरा स्थान कर्नाटक ने हासिल किया। ऑल राजस्थान ट्रेडीशनल रैसलिंग एवं पैंक्रेशन फेडरेशन के अध्यक्ष हिम्मत स्वामी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले कई खिलाड़ी आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पदक विजेता खिलाड़ी

श्रेष्ठ गुप्ता, रिद्धिमन तिवारी, मोहित जांगिड़, गोनित पारीक, शिवम शर्मा, युवराज सिंह, रचित सरीन, नेपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, हर्षित जांगिड़, अभिषेक गजराज, अनुज मीणा, आर्यन सिंह, अंकित गजराज, अंजलि मालावत, सुनैना सिंह, मोहम्मद सयान,जतिन, गौतम,रुद्र प्रताप।

जानलेवा मांझे से कटती जीवन की डोर

कानून से बेखौफ लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करें

शहर की हवाओं में आपकी गर्दन काटने वाला चाइनीज मांझा उड़ रहा है। जरा सी चूक होते ही पलक झपकते ही यह मांझा आपकी गर्दन काट सकता है। पूरे शहर में मांझा हवा में लहरा रहा है। उड़ती-कटी पतंग, पेड़-तार पर उलझी पतंग से जुड़ा चाइनीज मांझा आपको लहूलुहान कर सकता है। पिछले सालों में इन त्यौहार पर कई लोगों को चाइनीज मांझा घायल कर चुका है। ऐसे में सड़कों पर निकले और बच्चों बाहर जा रहे हैं तो सतर्क रहें। दरसअसल, चाइनीज मांझे से हादसे रोकने की जिम्मेदारी जिन लोगों की है, वह इन हालातों से बेखबर हैं। सरकारी दावे-वादे सिर्फ फाइलों तक सीमित है। शहर में बेखौफ हर बाजार में चाइनीज मांझे की खरीद-फरोख्त हो रही है। लेकिन अभी छापेमारी शुरू नहीं की गई है। पतंग व मांझे की बिक्री बढ़ती जा रही है। बाजारों में पतंग व चाइनीज मांझे का स्टाक भी बढ़ा है। आसमान में लहारने वाली पतंगों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसे में चाइनीज मांझे का खतरा बढ़ गया है। उड़ती-कटती पतंग का मांझा बेहद खतरनाक है। पेड़ पर लटका फांसी के फंदे से भी खतरनाक है। बाइक पर आप तेज रफ्तार से जा रहे हैं और मांझा आपकी गर्दन से टकरा जाए तो तय मानिए, यह गर्दन को उस्तरे के वार से भी तेजी से काटेगा। सांस की नली तक को काट डालता है। पूर्व में ऐसी घटनाएं हुई है। झाड़ियां में उलझे मांझे में फंसकर पैर कट सकता है। प्रशासनिक-पुलिस अधिकारी मांझे की बेखौफ बिक्री होने के बाद भी चुप है। चाइनीज मांझा बेचने वालों की धरपकड़ व छापेमारी नहीं हुई तो तय है, फिर किसी की गर्दन इसकी चपेट में आएगी।

शहर में बेखौफ हर बाजार में चाइनीज मांझे की खरीद-फरोख्त हो रही है। लेकिन अभी छापेमारी शुरू नहीं की गई है। पतंग व मांझे की बिक्री बढ़ती जा रही है। बाजारों में पतंग व चाइनीज मांझे का स्टाक भी बढ़ा है। आसमान में लहारने वाली पतंगों की संख्या में इजाफा हुआ है। ऐसे में चाइनीज मांझे का खतरा बढ़ गया है। उड़ती-कटती पतंग का मांझा बेहद खतरनाक है। पेड़ पर लटका फांसी के फंदे से भी खतरनाक है। बाइक पर आप तेज रफ्तार से जा रहे हैं और मांझा आपकी गर्दन से टकरा जाए तो तय मानिए, यह गर्दन को उस्तरे के वार से भी तेजी से काटेगा। सांस की नली तक को काट डालता है।

इंसान हीं नहीं, चाइनीज मांझा बेजुबान जानवर को भी अपना शिकार बनाएगा। मकर संक्रांति के दिन आसमान पूरी तरह से पतंगों से ढक जाता है। इस त्यौहार के नजदीक आते ही पतंगों की ब्रिकी तेज हो जाती है। हालांकि, पतंगबाजी का उल्लास कभी-कभी दुखद हादसों में भी बदल जाता है, खास तौर से तब, जब पतंग में चीनी मांझे का प्रयोग किया जाता है। बीते कई दिनों से चीनी मांझे को लेकर कई घटनाएं सुर्खियों में रहीं। कहीं इसकी वजह से इंसान चोटिल हुए, तो कहीं पशु- पक्षी। इस मांझे से दोपहिया वाहन चालकों के गला कटने की घटनाएं भी हुई हैं। इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन शिथिल बना हुआ है। कहने के लिए इस मांझे का प्रयोग प्रतिबंधित है। शहरों में और दुकानों में इसको लेकर 'सर्च अभियान' भी चलाया जाता है, पर यह समझ से परे है कि इस तरह की 'निगरानी' के बावजूद लोगों तक यह जानलेवा मांझा कैसे पहुंच रहा है? साफ है, कहीं न कहीं दुकानदारों में प्रशासनिक कार्रवाई का डर नहीं है और ऐसा तभी होता है, जब प्रशासन अपना काम ईमानदारी से नहीं करता। वक्त की यही जरूरत है कि उन दुकानदारों पर स त कार्रवाई की जाए, जो ऐसे मांझे रखते हैं। उन पर हजारों-लाखों रुपए का जुर्माना और दुकान का लाइसेंस कम से कम पांच वर्षों के लिए निरस्त करना जरूरी है, तभी कोई दुकानदार चीनी मांझे को बेचने का दुस्साहस नहीं कर सकेगा। इस तरह की कारगर रणनीति ही चीनी मांझे को बाजार से बाहर कर सकती है। जब हम जानते हैं कि यह मांझा जानलेवा है, तब इससे दूरी बरतना ही उचित है। इसके लिए प्रशासन को अपना पूरा जोर लगा देना चाहिए। चीनी मांझा हत्यारा मांझा बन चुका है। जहर वाली यह डोर आसमान से नहीं, बल्कि बेखौफ लापरवाही से नीचे उतर रही है। हाईकोर्ट का प्रतिबंध, पुलिस की छापेमारी- सब मानो कागजी ढोंग हैं। बाजारों में यह कातिल धागा खुलेआम बिक रहा है और लोग बेधड़क इसे पतंग में लगाकर उड़ा रहे हैं, क्योंकि उनमें सजा का डर मिट गया है। क्या व्यवस्था इतनी नाकारा है कि हर साल दर्जनों जिंदगियां लील जाएं, फिर भी कोई सख्त रोक न लगे! अब निर्णायक कार्रवाई का वक्त है। बेचने वालों को जेल, इस्तेमाल करने वालों पर लाखों का जुर्माना, दोपहिया वाहनों पर सतर्कता, हर मोहल्ले में जागरूकता अभियान, ये सभी काम जरूरी हैं और इन पर अमल होना ही चाहिए। उल्लास के नाम पर मौत का जश्न नहीं चलेगा। इस मांझे का प्रयोग खतरनाक है। प्रशासन जागो, अन्यथा यह जहर कई और जिंदगियों को छीन लेगा। चीनी मांझा अब केवल पतंगबाजी से जुड़ा विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह कानून, जिम्मेदारी और सामाजिक संवेदनशीलता की परीक्षा बन चुका है। प्रशासन ने ऐसे मांझे के उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद हरेक वर्ष हादसों की पुनरावृत्ति यह साबित करती है कि यह समस्या कानूनी उपायों की अनुपस्थिति से नहीं, बल्कि आम लोगों की अवहेलना से उत्पन्न होती है। यह निर्विवाद तथ्य है कि चीनी मांझे पर कांच व रसायनों का लेप किया जाता है, जो तेज रफ्तार में दौड़ते दोपहिया वाहन चालकों के गले काट देता है। हर साल इससे कई राज्यों में दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं और कुछ की तो मौत के मामले सामने आते हैं। पशु-पक्षियों के लिए यह और भी क्रूर साबित होता है। उनके पंख कटने और तड़प-तड़पकर मर जाने की घटनाएं आम हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने इस मांझे पर सख्त रोक लगाई है। बावजूद इसके, यह चोरी-छिपे बाजार में पहुंच जाता है। लोग जानते हैं कि यह प्रतिबंधित है, फिर भी 'ज्यादा धारदार डोर' बनाने के लालच में इसका इस्तेमाल करते हैं। इस संदर्भ में बच्चों की भूमिका और स्थिति पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। बड़ी संख्या में हमारे बच्चे यह नहीं जानते कि चीनी मांझा प्रतिबंधित और खतरनाक है। वे वही अपनाते हैं, जो आस-पास के बड़े लोगों को करते देखते हैं। इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। प्रशासन और अभिभावकों की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को समय रहते इसके खतरों के बारे में और प्रतिबंध की जानकारी दी जाए। पतंगबाजी का आनंद सूती या सुरक्षित मांझे से भी लिया जा सकता है, जो उपलब्ध है और जिसके खतरे भी नहीं हैं। फिर भी, अधिक धारदार और खतरनाक विकल्प चुनना दर्शाता है कि हमने उत्सव को प्रतिस्पर्द्धा और आक्रामकता से जोड़ दिया है। दिक्कत यह है कि हादसे के बाद कुछ दिनों तक शोर जरूर मचता है। वायदे किए जाते हैं कि अब इस मांझे का प्रयोग न होगा। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका कल्पना नहीं हकीकत है, समुद्र और जमीन की गहराइयों में उतर कर सबूत सामने लाएगी एएसआई

नीरज कुमार दुबे

भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास में द्वारका का नाम केवल एक नगर भर नहीं है, बल्कि यह आस्था, विश्वास और सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। अब वही द्वारका एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। हम आपको बता दें कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने प्राचीन द्वारका की खोज को नए सिरे से, अधिक गहराई और गंभीरता के साथ आगे बढाने का निर्णय लिया है। इस बार यह अभियान केवल सतही अध्ययन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जमीन और समुद्र दोनों में गहन खुदाई के जरिए इतिहास की दबी हुई परतों को उजागर करने का प्रयास होगा। अब तक हुए सीमित अध्ययनों में समुद्र के भीतर पत्थर की संरचनाएं, दीवारनुमा अवशेष और मानव बसावट के संकेत मिल चुके हैं। लेकिन इन संकेतों को निर्णायक प्रमाण में बदलने के लिए एएसआई अब आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरण और विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम के साथ आगे बढ़ रहा है। इस नए अभियान का केंद्र गोमती नदी का मुहाना, समुद्री किनारे के वे हिस्से जहां अब तक खुदाई नहीं हुई, और बेट द्वारका जैसे क्षेत्र होंगे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह खुदाई केवल धार्मिक मान्यताओं की पुष्टि का प्रयास नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह समझना है कि प्राचीन द्वारका में जीवन कैसा था, वहां का शहरी ढांचा कैसा रहा होगा, व्यापार और संस्कृति किस स्तर पर थी और किस ऐतिहासिक प्रक्रिया के तहत यह नगर समुद्र में विलीन हुआ। यह अभियान भारत के समुद्री इतिहास, तटीय सभ्यता और प्राचीन नगर नियोजन की समझ को भी नया आयाम देगा।

देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारका की समुद्री विरासत पर पहले ही सार्वजनिक रूप से ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि साल 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब अरब सागर की उथली लहरों के भीतर गहराई तक उतरकर प्राचीन द्वारका

नगरी के अवशेषों के पास हाथ जोड़े थे तब पूरा भारत मंत्रमुग्ध हो उठा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समुद्र के भीतर स्थित उस स्थल पर स्कूबा डाइविंग करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की नगरी को अपनी आंखों से देखा था, उसे प्रणाम किया था और इसे 'दिव्य अनुभव' बताया था। उस दृश्य ने हजारों वर्षों से मौन इतिहास को एक जीवंत रूप में सामने ला दिया था। अब एएसआई की यह नई पहल इस विषय को ठोस ऐतिहासिक विमर्श में बदलने जा रही है।

देखा जाए तो सदियों तक द्वारका को मिथक कहकर खारिज किया गया, उसे आस्था का विषय कहकर इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया। लेकिन अब वैज्ञानिक साक्ष्य सामने आने लगे हैं। साथ ही धार्मिक दृष्टि से द्वारका का महत्व असाधारण है। यह वह भूमि है जिसे भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि माना जाता है। पुराणों और महाभारत में वर्णित द्वारका कोई साधारण नगर नहीं थी, बल्कि एक समृद्ध, सुव्यवस्थित और शक्तिशाली नगरी थी। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण ने मथुरा त्याग कर समुद्र तट पर इस नगर की स्थापना की थी ताकि अपने लोगों को निरंतर आक्रमणों से बचा सकें। यह निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी क्रांतिकारी था।

द्वारका सप्तपुरी में गिनी जाती है और चारधाम परंपरा में इसका स्थान सर्वोच्च है। यहां स्थित द्वारकाधीश मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीवंतता का अनुपम उदाहरण है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं, केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि उस इतिहास से जुडने के लिए जो पीढ़ियों से उनकी चेतना में प्रवाहित होता रहा है।

आज जब एएसआई समुद्र की गहराइयों में उतरने की तैयारी कर रहा है, तो वह केवल पत्थर और दीवारें खोजने नहीं जा रहा। वह उस स्मृति को खोजने जा रहा है जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। यह खोज उन प्रश्नों को चुनौती देती है जो कहते रहे कि भारत का प्राचीन इतिहास कल्पना पर आधारित है। द्वारका की खुदाई यह साबित करने की दिशा में कदम है कि हमारी परंपराएं, हमारे ग्रंथ और हमारी आस्थाएं किसी शून्य से नहीं उपजीं, बल्कि ठोस सामाजिक और भौगोलिक यथार्थ पर आधारित थीं।

यहां एक तीखा प्रश्न भी खड़ा होता है। यदि किसी अन्य सभ्यता से जुड़ा नगर समुद्र में डूबा मिलता, तो क्या उसे वैश्विक इतिहास की महान खोज नहीं कहा जाता। फिर द्वारका के साथ संकोच क्यों? क्या इसलिए कि यह भारत की धार्मिक चेतना से जुड़ी है। एएसआई की यह पहल उस मानसिकता पर भी प्रहार है जो भारतीय इतिहास को हमेशा संदेह की दृष्टि से देखती रही।

देखा जाए तो धार्मिक महत्व के साथ-साथ द्वारका सांस्कृतिक स्वाभिमान का विषय भी है। यह हमें याद दिलाती है कि भारत केवल आक्रमणों और पराजयों की कहानी नहीं है, बल्कि नगर निर्माण, समुद्री व्यापार और सभ्य जीवन की भी गौरवशाली परंपरा रहा है। द्वारका की खोज उस आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करती है जो हमें अपने अतीत से कटने नहीं देता।

बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि द्वारका की खुदाई केवल अतीत को जानने का प्रयास नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का साहसिक कदम है। यह धर्म और विज्ञान के टकराव की नहीं, बल्कि उनके संवाद की कहानी है। यदि यह खोज अपने लक्ष्य तक पहुंचती है, तो यह केवल इतिहास की किताबों में एक नया अध्याय नहीं जोड़ेगी, बल्कि भारत की आत्मा को वह सम्मान लौटाएगी जिसकी वह सदियों से प्रतीक्षा कर रही है।

माघ मेला और कल्पवास : सनातन चेतना के दिव्य लोकोत्सव

पूनम नेगी

हिंदू पंचांग के ग्यारहवें महीने 'माघ' की सनातन संस्कृति में विशेष महत्ता है। अंत:ऊर्जा के जागरण की इस विशिष्ट इस अवधि को श्रीमद्भगवद्गीता में 'आलोक मास' की संज्ञा दी गई है। 'माघ मकर गत रवि जब होई, तीरथ-पतिहि आव सब कोई।' गोस्वामी तुलसीदास जी के इन शब्दों में इस विशेष साधनाकाल की महिमा स्वत: स्पष्ट हो जाती है। आध्यात्मिकता के उत्कर्ष के साथ इस माह में लोकतत्वों की जीवंतता के साथ प्रकृति के प्रति आदरभाव और लोकरंजन की गहन भावना भी समाहित है। ज्ञात हो कि इस ऋतु में हमारा अन्नदाता हमें नए धान, नई उरद की दाल, नए गुड़, तिल व सरसों के साथ ज्वार, बाजरा व मक्के की नई फसलों का उपहार देता है। यह वह समय होता है जब शीतकाल अपने पूर्ण यौवन पर होता है। ऋतु अनुकूलन के लिए इस अवधि में नदी स्नान तथा उष्ण प्रवृत्ति के भोज्य पदार्थों के सेवन का विधान हमारे मनीषियों की वैज्ञानिक सोच का परिचायक है। आधुनिकता की तेज बयार के बावजूद इस माह में देश भर के आंचलिक व ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले माघ मेले समूचे लोकजीवन में एक नया उल्लास भर देते हैं। देश की सनातन जीवनधारा को पोषित करने वाले इन माघ मेलों में प्रयागराज का त्रिवेणी संगम मेला, पश्चिम बंगाल का गंगासागर मेला, गोरखनाथ धाम का खिचड़ी मेला तथा उत्तराखंड का बागेश्वर व उत्तरकाशी का उत्तरायणी मेला तथा छत्तीसगढ़ के राजिम तीर्थ में लगने वाले माघ मेले की विशेष लोकप्रियता है। लोक आस्था और समाज की जनचेतना को जाग्रत करने वाले इन मेलों की लौकिक-पारलौकिक, दोनों रूपों में विशिष्ट महत्ता है।

माघ मेला और दिव्य कल्पवास: इन मेलों में सर्वोपरि है प्रयाग के त्रिवेणी संगम का माघ मेला। यह मेला विश्व का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। सृष्टि के सृजनकर्ता ब्रह्मा ने इस तीर्थ को 'तीर्थराज' की उपाधि दी थी। उन्होंने सतयुग में इसी त्रिवेणी संगम पर सृष्टि रचना से पूर्व 'प्राकृष्ठ यज्ञ' संपन्न किया था। पौराणिक मान्यता है कि इस शुभ मुहूर्त में देहत्याग करने वाले जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। इसी कारण महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए इस अवधि में मकर संक्रांति की तिथि का चयन किया था। शास्त्र कहते हैं कि प्रयागराज माघ मेले में धार्मिक अनुष्ठान के फलस्वरूप

प्रतिष्ठानपुरी के नरेश पुरुरवा, व्याघ्र मुख वाले विद्याधर और गौतम ऋषि द्वारा शापित इंद्र त्रिवेणी स्नान से श्राप मुक्त हुए थे। माघ मेले के दौरान त्रिवेणी संगम की रेतीली भूमि पर तंबुओं का एक विशाल शहर बस जाता है। इस दौरान संगम तट पर किया जाने वाला कल्पवास और संयमित साधना और संत मनीषियों के उद्बोधन अध्यात्म पथ के साधकों में नई जीवनदृष्टि विकसित करते हैं। इस स्नान पर्व पर सनातनियों के भीतर उमड़ने वाले सात्विक भाव देश की सांस्कृतिक चेतना को परिपुष्ट और सामाजिक संघबद्धता को सुदृढ़ करते हैं। प्रयाग के माघ मेले का भौतिक महत्व भी कम नहीं है। धार्मिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के अलावा यहां पारंपरिक हस्तशिल्प, भोजन और दैनिक उपयोग की पारंपरिक वस्तुओं की भी अच्छी बिक्री होती है। विगत कई वर्षों से राज्य की आर्थिकी को नई ऊर्जा देने वाले विकास मेलों के रूप यह मेला खासा लोकप्रिय हो रहा है।

गंगासागर का महास्नान: माघ माह के लोकोत्सवों में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर लगने वाला पश्चिम बंगाल का गंगासागर मेला भी समूचे देश में लोकप्रिय है। मोक्ष प्राप्ति की विशेष मान्यता के कारण कहा जाता है 'सारे तीरथ बार बार, गंगासागर एक बार।' पौराणिक कथानक है कि राजा भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई मां गंगा मकर संक्रांति के दिन ही सागर से मिली थीं। गंगाजल के पावन स्पर्श से राजा सगर के 60 हजार पुत्रों की अतृप्त आत्माओं को मुक्ति मिली थी। सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करता है तब गंगा सागर स्नान का विशेष धार्मिक महत्व हिंदू धर्म में माना गया है। सनातन धर्मावलम्बियों की मान्यता है कि सागर द्वीप के गंगासागर स्नान से 100 अश्वमेध यज्ञ का पुण्य फल मिलता है। इसीलिए गंगासागर में माघ माह के मकर स्नान को महास्नान की संज्ञा दी जाती है।

गोरखनाथ का खिचड़ी भोज: माघ के महीने में गोरखनाथ मंदिर में लगने वाला खिचड़ी मेला भी दुनियाभर में विख्यात है। इस खिचड़ी मेले का कथानक काफी रोचक है। कहते हैं कि एक बार गुरु गोरखनाथ अपने शिष्यों के साथ भ्रमण करते हुए वर्तमान गोरखपुर क्षेत्र में आ पहुंचे थे। यह वनाच्छादित क्षेत्र उनको तप करने के लिए अच्छा लगा तो धूनी रमाकर बैठ गए। उस समय देश में मोहम्मद खिलजी का शासन था। नाथपंथी साधुओं को आए दिन उसकी सेना से मोर्चा लेना पड़ता था। युद्धकाल में प्राय: उन्हें भोजन बनाने का भी समय नहीं मिल पाता था। फिर भूखे पेट वे शक्तिशाली खिलजी से आखिर कब तक युद्ध करते। उन्होंने अपनी समस्या बाबा को बताई। तब इस समस्या का हल निकालने के लिए बाबा गोरखनाथ ने मकर संक्रांति के दिन दाल-चावल एक साथ पकाकर प्रसाद रूप में सबको बांटा। झटपट बन जाने वाला यह व्यंजन काफी पौष्टिक और स्वादिष्ट था। उन्होंने इस व्यंजन को खिचड़ी नाम दिया। तभी से इस खिचड़ी मेले की परंपरा शुरू हो गई। आज भी माघ मास में प्रतिवर्ष गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी का महापर्व मनाया जाता है और इस अवसर पर एक माह का मेला लगता है। इस खिचड़ी पर्व पर यहां नेपाल के श्रद्धालुओं की संख्या भी हजारों में होती है।

उत्तरायणी मेले: देवभूमि उत्तराखंड में माघ मास में लगने वाले दो मेले पूरे देश में विख्यात हैं- एक बागेश्वर (कुमाऊं) का और दूसरा उत्तरकाशी (गढ़वाल) का। इन मेलों को पर्वतीय अंचल में घुघुतिया, पुस्योड़िया, मकरैण, मकरैणी, उतरैणी, उतरैण, घोल्डा, घ्वौला, चुन्या त्यार, खिचड़ी संकरांद आदि नामों से जाना जाता है। कड़ाके की सर्दी के बाद जब माघ माह का खुशनुमा ऋतुकाल आता है तो पर्वतीय अंचल के लोग सरयू, रामगंगा, काली, गोरी व गार्गी (गौला) आदि नदियों के तट पर जुटकर सूर्य आराधना करते हैं। इस अवसर पर समूचा पर्वतीय अंचल सुमधुर पर्वतीय लोक गीतों के सुमधुर स्वरों व लोकनृत्यों से चहक उठता है।

इतिहासकारों के अनुसार बागेश्वर के उत्तरायणी मेले का शुभारंभ यहां के चंदवंशीय राजाओं के शासनकाल में हुआ था। प्रयाग के गंगा-यमुना व सरस्वती के संगम की तरह बागेश्वर का सरयू व गोमती के संगम को 'सरयू बगड़' के नाम से जाना जाता है। पूर्व काल में यहां भी एक माह के कल्पवास की परंपरा थी। पुण्य कमाने की मंशा के साथ उत्तरायणी मेले में आने का एक और मकसद दूर-दराज के नाते-रिश्तेदारों से मिलने का भी होता था। पवित्र स्नान और कुटुम्बियों से मिलने की लालसा में मीलों की पैदल यात्रा कर लोग यहां जुटते और स्वजन से मिलने की खुशी में हुड़की की थाप के साथ मेले में लोकगीतों व नृत्यों की महफिलें जमती थीं। पुराने समय में सर्द रातों में अलाव जलाकर झोड़े, चांचरी, भगनौले, छपेली जैसे लोकनृत्यों का लंबा दौर भोर में चिड़ियों के चहकने तक चलता था। धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की समृद्ध विरासत संजोए इन मेलों की व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में पुख्ता पहचान है। नेपाल और तिब्बत के व्यापारी साल भर इस अवसर का इंतजार करते हैं। तिब्बती व्यापारी यहां ऊनी वस्त्र, चंवर, नमक व जानवरों की खालों से निर्मित वस्तुएं लेकर आते हैं। भोटिया-जौहारी लोग गलीचे, कालीन, ऊनी कंबल और जड़ी-बूटियां लेकर आते हैं। पर्वतीय अंचल की बात करें तो इन मेलों में गुड़-भेली से लेकर टिकली-बिंदी तक दैनिक जीवन से जुड़ी हर वस्तु की खरीद-फरोख्त होती है। इस दृष्टि से ये मेले पर्वतीय जनजीवन की जीवनधारा कहे जा सकते हैं। दूसरी ओर उत्तरकाशी के माघ मेले का शुभारंभ प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के दिन पाटा-संग्राली गांवों से कंडार देवता और अन्य देवी-देवताओं की डोलियों के उत्तरकाशी पहुंचने के साथ होता है। इस मौके पर लोग भागीरथी में स्नान को जुटते हैं। उत्तरकाशी की मान्यता बाबा भोलेनाथ की नगरी की भी है। इसलिए दूर-दूर से शिव भक्त इस मेले में हिस्सा लेने आते हैं। वर्तमान समय में यह मेला धार्मिक एवं सांस्कृतिक कारणों के साथ पर्यटक मेले के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। इसके अलावा मकर संक्रांति के दिन पौढ़ी गढ़वाल में एकेश्वर, डाडामंडी, थलनाड़ी आदि जगहों पर 'गिंदी मेलों' का भी आयोजन होता है। इन मेलों में शामिल होने के लिए दूर-दूर से युवा खिलाड़ी आते हैं। इस खेल को एक तरह की पर्वतीय हॉकी कहा जा सकता है।

राजिम तीर्थ का माघ स्नान पर्व: छत्तीसगढ़ की धार्मिक राजधानी राजिम में हर वर्ष माघ पूर्णिमा से लेकर महाशिवरात्रि तक 15 दिन के माघ मेले की मान्यता देश के लोकप्रिय आध्यात्मिक समागम की है। इसमें देशभर के प्रमुख धार्मिक संप्रदायों के अखाड़ों के महंत, साधु-संत, महात्मा और धर्माचार्यों का संगम होता है। राजिम अपने शानदार मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।

राशिफल

आज दिनांक 15 जनवरी, 2026,गुरुवार, विक्रम संवत् 2082, माघ माह कृष्ण पक्ष द्वादशी, ज्येष्ठा नक्षत्र, तैतिल करण,वृद्धि योग, राहुकालः दोपहर 1:56 से 3:15 बजे, सूर्योदय सुबह 7:11 बजे, सूर्यास्त सायं 5:57 बजे, चंद्रोदय सुबह 7:17 बजे, चंद्रास्त रात 2:55 बजे, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:13 बजे से 12:22 बजे, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:26 से 6:14 बजे तक, चंद्रमा तुला राशि में संचार करेगा।

सूर्यदेव आपके ग्यारहवें स्थान पर गोचर कर रहे हैं। जन्म कुंडली में यह स्थान आमदनी और कामना पूर्ति से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपकी अच्छी आमदनी होगी। आपको आमदनी के नए स्रोत भी मिलेंगे। साथ ही आपकी जो भी इच्छा होगी, वो जरूर पूरी होगी। लिहाजा इस दौरान सूर्य के शुभ फल सुनिश्चित करने के लिए - मंदिर में मूली का दान करें।

सूर्य के इस गोचर से आपको शैय्या सुख की प्राप्ति तो होगी, लेकिन साथ ही आपके खर्चों में भी बढ़ोतरी होगी। लिहाजा आगली संक्रांति तक सूर्य के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए और शुभ प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए - धार्मिक कार्यों में अपना सहयोग दें।

सूर्यदेव आपके पहले यानी लग्न स्थान पर गोचर कर रहे है। जन्म कुंडली में यह स्थान व्यक्ति का अपना स्थान होता है। इससे किसी व्यक्ति के प्रेम, मान-सम्मान, धन और संतान के न्यायलय संबंधी कार्यों पर विचार किया जाता है। इस स्थान पर सूर्य के गोचर से लवमेट के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे । आपके पास पैसों की लगातार आवक बनी रहेगी।

सूर्यदेव आपके दूसरे स्थान पर गोचर कर रहे है। जन्म कुंडली में यह स्थान धन से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपको धन की बढ़ोतरी के बहुत से साधन मिलेंगे। आपको अचानक से धन लाभ हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

जन्म कुंडली में यह स्थान भाई-बहन और आपकी अभिव्यक्ति से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपको भाई-बहनों से उम्मीद के अनुसार सहयोग मिलेगा। साथ ही आप अपनी बात को दूसरे के सामने अच्छे से एक्सप्रेस नहीं कर पाएंगे। लिहाजा सूर्य के अशुभ फलों से बचने के लिए और शुभ फल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन सूर्यदेव के इस मंत्र का 11 बार जप करें।

सूर्यदेव आपके चौथे स्थान पर गोचर कर रहे है। जन्म कुंडली में यह स्थान माता, भूमि-भवन और वाहन के सुख से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से 13 फरवरी तक आपको अपने कार्यों में माता से पूरा सहयोग मिलेगा। वो आपके हर कदम में आपका साथ देंगी। साथ ही इस दौरान आपको भूमि-भवन और वाहन का सुख मिलने की भी पूरी उम्मीद है।

जन्म कुंडली में यह स्थान विद्या, गुरु, विवेक, संतान और जीवन में रोमांस से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपको इस दौरान अपने गुरु से बनाकर रखनी चाहिए। आपकी कही बात उन्हें बुरी लग सकती है, इसलिए बात संभलकर करें और अपना विवेक बनाए रखें।

सूर्यदेव आपके तीसरे स्थान पर गोचर कर रहे है। जन्म कुंडली में यह स्थान भाई-बहन और आपकी अभिव्यक्ति से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपको भाई-बहनों से उम्मीद के अनुसार सहयोग मिलेगा। साथ ही आप अपनी बात को दूसरे के सामने अच्छे से एक्सप्रेस नहीं कर पाएंगे।

सूर्यदेव आपके दूसरे स्थान पर गोचर कर रहे है। जन्म कुंडली में यह स्थान धन से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपको धन की बढ़ोतरी के बहुत से साधन मिलेंगे। आपको अचानक से धन लाभ हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

जन्म कुंडली में यह स्थान व्यक्ति का अपना स्थान होता है। इससे किसी व्यक्ति के प्रेम, मान-सम्मान, धन और संतान के न्यायलय संबंधी कार्यों पर विचार किया जाता है। इस स्थान पर सूर्य के गोचर से लवमेट के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

सूर्य के इस गोचर से आपको शैय्या सुख की प्राप्ति तो होगी, लेकिन साथ ही आपके खर्चों में भी बढ़ोतरी होगी। लिहाजा आगली संक्रांति तक सूर्य के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए और शुभ प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए - धार्मिक कार्यों में अपना सहयोग दें।

सूर्यदेव आपके ग्यारहवें स्थान पर गोचर कर रहे है। जन्म कुंडली में यह स्थान आमदनी और कामना पूर्ति से संबंध रखता है। सूर्य के इस गोचर से आपकी अच्छी आमदनी होगी। आपको आमदनी के नए स्रोत भी मिलेंगे। साथ ही आपकी जो भी इच्छा होगी, वो जरूर पूरी होगी। लिहाजा इस दौरान सूर्य के शुभ फल सुनिश्चित करने के लिए - मंदिर में मूली का दान करें।

ऊंचमूच खाटली

दादी की कहानियों के राजकुमार की तरह एक दिन 'ऊंचमूच खाटली' लेकर पड़ी थी, महादुखी। बापूजी ने देखा। मेरा मकसद भी शायद वही था कि बापूजी देखें और जानें कि मैं कितनी दुखी हूं। उन्हें मेरे दुख की गंभीरता का अनुमान हो गया था।

'क्या बात है बेटे, आज ऐसे क्यों लेटी हो?'

'कुछ नहीं!'

'कुछ तो है। मुझे नहीं बताओगी?'

बताने की बेताबी के कारण ही तो 'ऊंचमूच खाटली' लेकर पड़ी थी। लेकिन बिना अभिनय के बता देती तो मेरी तकलीफ के बड़ेपन का अनुमान कैसे होता!

'कुछ नहीं बस यों ही।'

'यों ही तो तुम कभी ऐसे लेटती नहीं हो। बताओ बेटे, हो सकता है मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकूं।'

'क्या बात है, बोलो, घबराओ नहीं, मैं तुम्हारे साथ हूं।'

'बात तो कोई ऐसी नहीं है।'

'फिर भी।'

'हमारे स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहा है, मेरी सारी दोस्त भाग ले रहीं है। कोई नृत्य करेगी, कोई गाएंगी, कोई नाटक में भाग लेंगी। कितने लोग उन्हें देखेंगे। मुझे तो नाच, गाना, अभिनय कुछ भी नहीं आता।' 'तो क्या हुआ। बस इतनी-सी बात है। नाच, गाना, नाटक तो लोग देखते हैं, और थोड़े दिन में भूल जाते हैं। तुम तो कविता लिखती हो, कहानी लिखती हो, और यही अधिक बड़ी चीज है। ये चीजें सदियों तक पढ़ी जाएंगी, हमारे बाद भी पढ़ी जाएंगी। तुम्हारे स्कूल में कितने लड़के-लड़कियां कविता-कहानी लिखते हैं, बताओ?' बापूजी की बात के खत्म होने तक तो भीतर की फिजां बदल गई थी। स्टेज-ग्रंथी उस दिन खुली तो फिर कभी पनपने नहीं पाई।

प्रेरक प्रसंग

प्रगति और अभिमान

एक प्रसिद्ध मूर्तिकार अपने पुत्र को मूर्ति बनाने की कला में दक्ष करना चाहता था। उसका पुत्र भी लगन और मेहनत से कुछ समय बाद बेहद खूबसूरत मूर्तियां बनाने लगा। उसकी आकर्षक मूर्तियों से लोग भी प्रभावित होने लगे। लेकिन उसका पिता उसकी बनाई मूर्तियों में कोई न कोई कमी बता देता था। उसने और कठिन अभ्यास से मूर्तियां बनानी जारी रखीं। ताकि अपने पिता की प्रशंसा पा सके। शीघ्र ही उसकी कला में और निखार आया। फिर भी उसके पिता ने किसी भी मूर्ति के बारे में प्रशंसा नहीं की। निराश युवक ने एक दिन अपनी बनाई एक आकर्षक मूर्ति अपने एक कलाकार मित्र के द्वारा अपने पिता के पास भिजवाई और अपने पिता की प्रतिक्रिया जानने के लिए स्वयं ओट में छिप गया। पिता ने उस मूर्ति को देखकर कला की भूरि भूरि प्रशंसा की और बनाने वाले मूर्तिकार को महान कलाकार भी घोषित किया। पिता के मुंह से प्रशंसा सुन छिपा पुत्र बाहर आया और गर्व से बोला- 'पिताजी वह मूर्तिकार मैं ही हूं। यह मूर्ति मेरी ही बनाई हुई है। इसमें आपने कोई कमी नहीं निकाली। आखिर आज आपको मानना ही पड़ा कि मैं एक महान कलाकार हूं।' पुत्र की बात पर पिता बोला, 'बेटा एक बात हमेशा याद रखना कि अभिमान व्यक्ति की प्रगति के सारे दरवाजे बंद कर देता है। आज तक मैंने तुम्हारी प्रशंसा नहीं की। इसी से तुम अपनी कला में निखार लाते रहे अगर आज यह नाटक तुमने अपनी प्रशंसा के लिए ही रचा है तो इससे तुम्हारी ही प्रगति में बाधा आएगी। और अभिमान के कारण तुम आगे नहीं पढ़ पाओगे।' पिता की बातें सुन पुत्र को गलती का अहसास हुआ। और पिता से क्षमा मांगकर अपनी कला को और अधिक निखारने का संकल्प लिया।

facebook YouTube twitter
देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

मकर संक्रांति पर छतों पर पतंगबाजी का रहा जबर्दस्त उत्साह, महिलाओं ने भी जमकर लड़ाए पेच

कोहरा छंटते ही फिजाओं में रही 'वो काटा-वो मारा' की गूंज

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। मकर संक्रांति के मौके पर शहर फिजाओं में सुबह से ही रौनक देखने को मिली। पिछले 48 घंटों से शहर को अपनी आगोश में लेने वाला घना कोहरा आखिरकार छंट गया। इसके आसमान पूरी तरह साफ नजर आया और हल्की हवा ने पतंगबाजों के चेहरे खिला दिए। मौसम अनुकूल होते ही शहरभर में पतंगबाजी का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह होते ही सुभाष चौक से लेकर राधा किशनपुरा और कलेक्ट्रेट इलाके तक शहर के हर मोहल्ले की छतों पर हलचल शुरू हो गई। देखते ही देखते लगभग हर छत एक स्टेडियम में तब्दील हो गई। कहीं बॉलीवुड गानों की गूंज सुनाई दी तो कहीं 'वो काटा-वो मारा' के शोर से माहौल गर्मा गया। हर छत पर परिवार के सदस्यों का भारी जमावड़ा देखने को मिला। पतंगबाजी का रोमांच सिर्फ पुरुषों तक ही सीमित नहीं रहा। छतों पर महिलाएं भी पूरे जोश व उत्साह के साथ नजर आईं। कोई पतंग की कन्नी बांधने में माहिर दिखी तो कोई चरखी थामकर अपने साथी का हौसला बढ़ाती नजर आई। इस दौरान छतों पर गरमा-गरम पकौड़ों और चाय का दौर चला।

दान-पुण्य की बयार, धर्म व मनोरंजन का संगम

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सेवा भाव की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। ठंड के बावजूद बाजारों व चौराहों पर लोगों के चेहरे पर मुस्कान थी, वजह थी गरमा-गरम पकौड़ियां, तिल के लड्डू और जरूरतमंदों के साथ बांटी गई खुशियां। एक ओर आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों का तांता लगा रहा, वहीं दूसरी ओर मंदिरों और गौशालाओं में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। सुबह 5 बजे से ही लोगों ने गायों को गुड़ व लापसी खिलाकर पुण्य लाभ कमाना शुरू कर दिया। कई जगहों पर तिल के लड्डू बांटे गए। बावरी गेट वमुख्य बाजार में व्यापारियों ने राहगीरों और आमजन के लिए गरमा-गरम पकौड़ियों का वितरण किया। स्थानीय लोग और राह चलते यात्री रुक-रुक कर इस सेवा का लाभ लेते नजर आए।

पतंग उत्सव में रंगा नजर आया हर मोहल्ला

मकर संक्रांति हवा की रफ्तार करीब 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे रही, जो पतंग उड़ाने के लिए बिल्कुल मुफीद थी। बच्चों के बीच तिरंगा पतंग और कार्टून कैरेक्टर वाली पतंगें पहली पसंद बनी रहीं। बाजारों में भी सुबह से पतंग व मांझे की खरीदारी जोरों पर रही। शहर की हर गली, हर मोहल्ला पतंग उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। बुजुर्ग छतों पर बैठकर बच्चों का उत्साह बढ़ाते दिखे तो युवा पेच लड़ाने में व्यस्त रहे। मकर संक्रांति का यह त्योहार इस बार शहर वासियों के लिए यादगार बन गया।

श्यामबाबा भजन समिति ने भक्तों को वितरित की पौषबड़ा प्रसादी

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। श्यामभक्तों के सबसे बड़े समूह श्री श्यामबाबा भजन समिति की ओर से बुधवार को स्टेशन रोड पर तबेला बालाजी की गली में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें दिनभर श्रद्धालुओं को पेठा व पकोड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर समिति के संस्थापक सचिव भजन गायक रामगोपाल गोपी, समिति के अध्यक्ष राजकुमार त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष पवन गिनोड़िया, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र माथुर, सहसचिव अनिता काकड़ोलिया, संगठन मंत्री ज्योति तनवानी, ओमप्रकाश माथुर, रतनलाल थदानी, पुजारी राजकुमार शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व श्यामभक्त मौजूद रहे।

कच्ची बस्ती में बांटे कंबल, गौ चिकित्सालय में किया सेवा कार्य

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर रानी सती रोड स्थित कच्ची बस्ती में कंबल वितरित किए गए और शिव गौ चिकित्सालय में गौ स्वामणी का आयोजन किया गया। चिकित्सालय संचालिका ज्योति तनवानी की प्रेरणा से बीमार गायों के लिए दवाइयां, सब्जियां, हरा चारा, गुड़, दलिया, खल चूरी आदि की 5 गाड़ियों की सेवा दी गई। वहीं श्रीलंकापुरी बालाजी धाम के अध्यक्ष डॉक्टर विशाल पारीक के नेतृत्व में कच्ची बस्ती में कम्बल वितरित किए गए। गौ रक्षा सेवा समिति के अध्यक्ष विष्णु स्वामी ने गौशाला में पधारे सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया। सेवा कार्य के दौरान महंत बालकदास महाराज, माधव पारीक, अलका माथुर, कामिनी सोमानी, गिरधारी सोमानी, सारदा देवी, रीमा सैन, रचना पारीक, अंबिका पारीक, कमला मोहनानी, विकास सैन, रोनी सिंह, मुकेश सैनी आदि ने अपनी सवांए प्रदान की।

आश्रम में असहाय महिलाओं को गर्म वस्त्र व खाद्य सामग्री वितरित

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। सर्दी को देखते हुए कुदन के सोनी परिवार ने मिसाल पेश करते हुए पिपराली स्थित निडिब्रिज महिला आश्रम में असहाय महिलाओं को गर्म वस्त्र, कंबल, रजाई-गद्दे सहित खाद्य सामग्री वितरित की। इस दौरान कुदन के सोनी परिवार ने संकल्प लिया कि वे लगातार निराश्रित बच्चों व असहाय महिलाओं की मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। पिपराली स्थित आश्रम में गर्म वस्त्र व कंबल वितरण करने पर ग्राम वासियों ने सोनी परिवार का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। वहीं असहाय महिलाओं ने इस पुनीत कार्य के लिए पूरे परिवार को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर गोपाल राय सोनी, मंजू देवी सोनी, गायत्री सोनी, सामाजिक कार्यकर्ता सोनू सोनी, गरिमा शंकर सोनी सहित सोनी परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथयात्रा का समापन, श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान

गायत्री महायज्ञ में सद्बुद्धि व उज्ज्वल भविष्य के लिए दी हजारों आहुतियां

महानगर टाइम्स संवाददाता

नवलगढ़। कस्बे में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथयात्रा का समापन चूरू उपजोन के चारों जिलों के गायत्री परिजनों की सहभागिता से हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने राष्ट्र व समाज के उत्थान और गायत्री मिशन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का विराट संकल्प लिया, वहीं गुरुदेव वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित राम शर्मा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की शपथ ली। इस अवसर पर नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ यज्ञ में श्रद्धालुओं ने गायत्री महामंत्र के माध्यम से आहुतियां समर्पित की। जिला संयोजक देवेंद्र सिंह ओलखा ने स्वागत भाषण दिया। समापन समारोह में शांतिकुंज हरिद्वार के वरिष्ठ प्रतिनिधि राम सिंह राठौड़, प्रांतीय संगठन समन्वयक गोपाल स्वामी, उपजोन समन्वयक बालदान चारण, वैद्य गिरधारी लाल शर्मा, सीकर जिला समन्वयक महावीर प्रसाद वैद्य, बीकानेर जिला समन्वयक पवन ओझा, चूरू जिला सह-समन्वयक उम्मेद सिंह राठौड़, झुंझुनूं जिला समन्वयक देवेंद्र सिंह ओलखा, मुख्य ट्रस्टी बृज लाल मारोठिया, डॉक्टर दया शंकर जांगिड़, गायत्री चेतना केंद्र पिलानी के ट्रस्टी गोविंद सोनी, कैलाश चोटियां, मुरारी लाल सोनी, रामजीलाल फोगाट आदि मंचस्थ रहे।

गायत्री परिवार के ब्लॉक समन्वयक व प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा ने बताया कि इस अवसर पर जिले, ब्लॉक व क्षेत्र स्तर पर उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। साथ ही गायत्री परिवार के ट्रस्टी व सक्रिय कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता श्रीराम सिंह राठौड़ ने कहा कि गायत्री के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने सदाचार, सेवा, संयम व संस्कारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। श्रीगोपाल स्वामी के सान्निध्य में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का विधिवत आयोजन किया गया, जिसमें सबकी सद्बुद्धि व उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ आहुतियां अर्पित की गईं। साथ ही उपासना, साधना व आराधना के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कैलाश चोटिया, भंवर लाल जांगिड़, रामावतार गुप्ता, मुरारीलाल सोनी, मुरली चौबदार, शंकरलाल गुर्जर, ओमप्रकाश धाभाई, जगदीश पारीक, संतोष दायमा, मोहनलाल असवाल, भंवरलाल जांगिड़, रंजना शर्मा, दीपमाला शर्मा, रामजीलाल फोगाट, कृष्ण कंवर, गायत्री शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु भाई-बहन उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर अद्भुत संयोग को लेकर खाटूश्यामजी में उमड़े भक्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

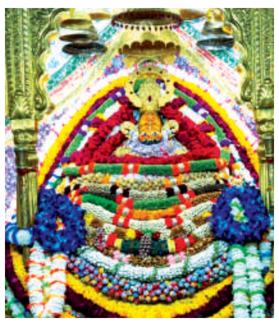

खाटूश्यामजी। कई सालों बाद इस बार मकर संक्रांति पर अद्भुत संयोग बना। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार लगभग 28 साल बाद एक ही दिन में षटतिला एकादशी व मकर संक्रांति आइ। इससे पहले ऐसा शुभ संयोग साल 2003 में आया था। इस दिन स्नान, जप, तप, दान व श्राद्ध तर्पण का विशेष महत्व रहता है। मकर संक्राति व एकादशी एक ही दिन होने के कारण इसे अक्षय फल देने वाला दिन माना गया। इस अद्भुत संयोग को लेकर खाटूश्यामजी में श्याम भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जहां भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन किए, वहीं दान पुण्य का दौर भी जमकर चला। लोगों ने गौशालाओं में गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाए, वहीं महिलाओं ने अपने से बड़ों को कपड़े व पैसे दान कर आशीर्वाद लिया।

पतंग महोत्सव में विजेता प्रतिभागी नकद राशि से पुरस्कृत

महानगर टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर शेखावाटी। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर आसमान में रंग बिखेरने और पारंपरिक कला को बढ़ावा देने के लिए फतेहपुर के मण्डावा रोड स्थित लक्ष्मीनाथ नन्दीशाला के पास भव्य पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। टीम मधूसूदन भिंडा व लक्ष्मीनाथ नन्दीशाला द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम ताराचंद सैनी, द्वितीय अरविन्द योगी व तृतीय हरिश सैनी रहे, जिन्हें नकद राशि से पुरस्कृत सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सचांलन रामनिवास सैनी ने किया। भाजपा नेता व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मधुसुदन भिंडा ने बताया कि प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि इसमें प्रतिभागियों को चाइनीज मांझे की अनुमति नहीं दी गई। लोगों ने स्वदेशी मांझे से पतंगबाजी की। यह कदम पक्षियों की सुरक्षा और भारतीय परंपराओं के संरक्षण के प्रति भी जागरूकता का संदेश देता है। इस दौरान रामनिवास सैनी, कमल कुमार सैनी, विनोद महला, बाबूलाल झालाणी, मोहन धानूका, सुभाष नाउका, नरेन्द्र महर्षि, महेश शर्मा, सत्यानाराण प्रधान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने अपशिष्ट जल शोधन की जानी आधुनिक तकनीक

महानगर टाइम्स संवाददाता

नीमकाथाना। राजकीय एसएनके पीजी कॉलेज के प्राणी शास्त्र व रसायन शास्त्र पीजी विद्यार्थियों ने नगर पालिका क्षेत्र में स्थित आरयूआईडीपी द्वारा संचालित फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपशिष्ट जल शोधन की आधुनिक व वैज्ञानिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान आरयू आईडीपी कैप यूनिट से गोविंद मीणा ने विद्यार्थियों को दूषित मल-कीचड़ की उपचार विधि और एफएसटीपी प्लांट की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि नगर क्षेत्र में घरों के सेप्टी टैंकों को टैंकर के माध्यम से खाली कर वैज्ञानिक पद्धति से प्लांट में उपचारित किया जाता है।

इस उपचार प्रक्रिया के बाद प्राप्त ठोस अवशेषों का उपयोग जैविक खाद के रूप में किया जाता है, जबकि शुद्ध किए गए जल को सिंचाई योग्य बनाया जाता है। विद्यार्थियों को प्लांट की विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी प्रयोगशाला के माध्यम से दी गई। साथ ही फीकल स्लज व सेप्टेज प्रबंधन के महत्व, इसके लाभ और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ और स्वच्छता व सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ी।

शेखावाटी विवि महिला फुटबॉल टीम में तीन छात्राओं का चयन

महानगर टाइम्स संवाददाता

नवलगढ़। कस्बे के पोद्दार कॉलेज की तीन छात्राओं ने शेखावाटी विवि की फुटबॉल टीम में जगह बनाकर कॉलेज व नवलगढ़ क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शेखावाटी यूनिवर्सिटी महिला फुटबॉल टीम में दीप्ति चौबे, गरिमा शर्मा व कुंज प्रसाद रोलन की बेटी का चयन हुआ है। खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आनंदीलाल पोदार ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव के. पोदार ने कहा कि पोदार ट्रस्ट का उद्देश्य सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। फुटबॉल जैसे चुनौतीपूर्ण खेल में यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करने वाली हमारी बेटियां महिला सशक्तिकरण का जीता-जागता उदाहरण है।

गणतंत्र दिवस समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा

महानगर टाइम्स संवाददाता

धनाऊ। आगामी गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन को लेकर तहसील परिसर में बुधवार को पूर्व तैयारी संबंधी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता तहसीलदार हमीराराम बालाच ने की। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, ध्वजारोहण, परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था व विभागीय समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तहसीलदार हमीराराम बालाच ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व है, इसलिए इसे गरिमा व अनुशासन के साथ मनाया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौशालाओं में गायों के चारे-पानी के लिए जमकर किया तुलादान

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीमाधोपुर। मकर संक्रांति पर्व पर कस्बे की श्रीराम नंदी गौशाला सतीवाला जोहड़ा हांसपुर में तुलादान का कार्यक्रम हुआ। गौशाला संचालक बनवारीलाल मीणा, राजू बागवान, ओमप्रकाश सैनी व बाबूलाल कटारिया ने बताया कि इस दौरान गौ भक्तों ने अपने वजन के बराबर गुड़, दाल, अनाज, तेल, सब्जियां, हरा चारा आदि का दान किया। वहीं यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी गौशाला में अपने वजन के बराबर गौ ग्रास का दान किया। इस दिन दान के महत्व को देखते हुए कस्बे के मुख्य बाजारों व गलियों में कस्बेवासियों द्वारा जगह-जगह पर गायों के लिए गुड़ के लड्डू व गरीबों को खाना खिलाने का दौर चला। वहीं आसमान में पतंगबाजों के बीच रस्सा कसी का रोमांच देखने को मिला। तिल-गुड़ की मिठास के साथ फिल्मी गानों पर युवा झूमते हुए पतंगबाजी का आनंद लेते रहे। इसी प्रकार श्री कृष्ण गौशाला में गौशाला समिति की ओर से तुलादान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समिति के अध्यक्ष सुरेश वशिष्ठ व मंत्री ललित चौधरी ने बताया कि तुलादान में काफी संख्या में दंपत्ती, पुरूष, महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान गौशाला परिसर में भक्तों ने अपने वजन के अनुसार दान किया। कार्यक्रम में कृष्ण गोकुलका, जुगकिशोर चौधरी, दिनेश कसेरा, अमित हलवाई, नरेंद्र नारनौली, हेमंत गोपालका, देव न्यारिया, मनोज लोकनाथका सहित गौशाला कर्मचारीगण मौजूद रहे।

तुलादान से गोपाल गौशाला को मिला भरपूर आर्थिक सहयोग

महानगर टाइम्स संवाददाता

नीमकाथाना। मकर संक्रांति और एकादशी के पुण्य अवसर पर गोपाल गौशाला को लगभग 5 लाख का तुलादान सहयोग प्राप्त हुआ। गौशाला में सुबह से ही धर्म परायण व सेवाभावी लोगों ने गौ माता की सेवा की और अपने वजन के अनुसार तुलादान करवाकर गुड़, दलिया व चारा दान किया। दूर-दूर से भक्त अपने पोते-पोतियों, दोयता-दोयतियों और ससुराल पक्ष व पीहर पक्ष से लोगों को बुलाकर तुलादान करवाया। अक्षय पुण्य योजना में भी दो नए सदस्य एक लाख रुपए देकर पुण्य के भागीदार बने।

कैलाश चंद्र गुप्ता पुत्र मूलचंद जीढाणी वाले व मखनलाल शर्मा पुत्र शिव प्रसाद शर्मा लोहरवाड़ा की तरफ से एक-एक लाख रुपए दान दिया गया। इसके अलावा रामलाल मावडा वाले द्वारा 11 हजार रुपए, सावित्री देवी धर्मपत्नी बालमुकुद चेतानी द्वारा 21100 रुपए चारे के लिए दान किए गए। इस दौरान लगभग 90 लोगों ने तुलादान करवाया। गौशाला में गायत्री परिवार से भी काफी लोग पधारे। सभी के सहयोग से 2 क्विंटल गुड़ व 40 मण दलिया प्राप्त हुआ। गोपाल गौशाला के अध्यक्ष दौलतराम गोयल व उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों का माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान महावीर महामंत्री, संरक्षक सतनारायण बहरोडिया, मंत्री रावत सिंह राणा, कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डावंर, कैलाश हजारिका, विमल भारद्वाज आदि ने उपस्थित रहकर तुलादान कार्यक्रम में सहयोग दिया।

नगर परिषद सभापति ने भी उठाया पतंगबाजी का लुत्फ

महानगर टाइम्स संवाददाता

लालसोट। विधानसभा क्षेत्र लालसोट व उपखंड रामगढ़ पचवारा में मकर संक्रांति के पर्व पर छतों पर वो काटा-वो मारा का शोर गूंजता रहा। बुधवार को सुबह से ही पतंगबाजी के शौकीन अपने-अपने मकानों की छतों पर पूरे साज-बाज के साथ पहुंचे और डीजे की धुन पर पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया। लालसोट नगर परिषद सभापति प्रतिनिधि व उनकी पत्नी सभापति पिंकी चतुर्वेदी ने पतंग की चरखी अपने हाथों में पकड़ पतंग की डोर खींचते हुए जमकर पेच लड़ाए।

गरीबों को वितरित किए गर्म वस्त्र, गौ माता को खिलाए लड्डू

महानगर टाइम्स संवाददाता

रामगढ़ पचवारा। मकर संक्रांति के पर्व पर उपखंड मुख्यालय पर समाजसेवी राम खिलाड़ी मीणा की गाड़ी देख गाड़िया लुहारों के चेहरे खिल उठे। समाजसेवी ने गाड़ियों लुहारों सहित गरीबों को गर्म वस्त्र वितरित किए और गौ माता को तिल के लड्डू खिलाए। इस दौरान समाजसेवी राम खिलाड़ी सत्तावन, अशोक जाल वाला, मोहित धूमस्यां, हंसु सत्तावन, नानू तिवाड़ी, चिंटू सत्तावन, लाला बाइसमिल, रामावतार महर, कैलाश महर, बनवारी लालसोट्या आदि ने डीडवाना स्थित गाड़ियां लुहार के कबीले में पहुंचे महिलाओं को शॉल ओढ़ाकर पुण्य में भागीदारी निभाई। समाजसेवी ने लगभग 200 गर्म शॉल का वितरण कर बेसहारा गौवंश को तिल के लड्डू खिलाए।

आधुनिक तकनीक और बाजार का रहेगा संगम, हजारों किसान, वैज्ञानिक और व्यापारी होंगे शामिल, श्रेष्ठ कृषकों को किया जाएगा पुरस्कृत

फल-फूलों की किस्मवार प्रदर्शनी रहेगी अमरूद महोत्सव का आकर्षण

महानगर टाइम्स संवाददाता

सवाई माधोपुर। जिले के 263वें स्थापना दिवस के अवसर पर पंच गौरव के अन्तर्गत जिला प्रशासन व कृषि उद्यानिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मार्गदर्शन में 18 व 19 जनवरी को दशहरा मैदान में पहली बार अमरूद महोत्सव व उन्नत कृषि तकनीकी मेला आयोजित किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर कानाराम ने बताया कि दो दिवसीय महोत्सव में अमरूद प्रदर्शनी, प्रसंस्करण उत्पादों, कृषि यंत्रीकरण व ऑटोमेशन, उद्यानिकी तकनीक, कृषि आदान, समन्वित खेती आधारित पशुधन गतिविधियों के लाईव डेमोस्ट्रेशन से संबंधित लगभग 200 स्टॉल्स लगाई जाएगी। अमरूद महोत्सव में टोंक, जयपुर, कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा, दौसा, करौली सहित विभिन्न जिलों से प्रतिदिन लगभग 10 हजार से अधिक किसानों के भाग लेने की सम्भावना है। उप निदेशक कृषि व पदेन परियोजना निदेशक आत्मा अमर सिंह ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत 18 जनवरी को फल-फूल प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए 16 जनवरी तक पंजीयन करवाना अनिवार्य है। निर्णायक समिति निर्धारित 12 किस्मों के आधार पर विजेताओं का चयन करेगी। प्रतिभागी किसान का स्वयं का बगीचा होना आवश्यक है और जमाबंदी साथ लाना अनिवार्य रहेगा।

उप निदेशक फूल उत्कृष्टता केन्द्र लखपत लाल मीना ने बताया कि महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से उच्च गुणवत्तापूर्ण 20 से अधिक नर्सरियां भाग लेंगी, जिनमें अमरूद की लगभग 30 किस्मों के पौधे उपलब्ध रहेंगे। किसान पौधों की खरीद के साथ थोक बुकिंग भी करा सकेंगे। श्रेष्ठ प्रथम नर्सरियों को पुरस्कृत किया जाएगा। अमरूद महोत्सव का मुख्य आर्कषण अन्य राज्यों के फलों की किस्मवार प्रदर्शनी होगी। किस्मवार अमरूद प्रतियोगिता करने वाले कृषकों को पुरस्कृत किया जाएगा।

अमरूद से बनने वाले वैल्यू एडेड उत्पादों का किया जाएगा प्रदर्शन

सहायक कृषि अधिकारी गंगापुर सिटी पिंटूलाल मीना ने बताया कि महोत्सव के दौरान अमरूद से बनने वाले वैल्यू एडेड उत्पाद जैसे अमरूद बर्फी, फ्रूट पल्प, फ्रूट ड्रिंक, अमरूद स्कवेश, हलवा, लड्डू, चटनी, आचार, शरबत, जूस, जैली, कैरी, ड्राई पाउडर आदि की व्यापक प्रदर्शनी लगेगी। सीफेट लुधियाना, सीआईएसएच लखनऊ, एनआईएफटीईएम हरियाणा, आईएआरआई दिल्ली, एमपीकेवी महाराष्ट्र, गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय गुजरात सहित अनेक राष्ट्रीय संस्थानों के वैज्ञानिक प्रसंस्करण, पैकेजिंग व विपणन की जानकारी देंगे। निजी कंपनियां भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी।

सवाई माधोपुर का अमरूद विदेशों में बनाएगा पहचान

सहायक निदेशक उद्यान बृजेश मीना ने बताया कि किसानों के लिए उन्नत कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, ड्रोन का लाइव डेमो, स्मार्ट फार्मिंग, हाई-टेक बागवानी के लाइव डेमोंस्ट्रेशन, जैविक व प्राकृतिक खेती और केंचुआ खाद संबंधी स्टॉल लगेंगी। वहीं कृषि स्टार्ट-अप, एफपीओ, एग्रो-प्रोसेसिंग यूनिट्स भी सहभागिता करेंगे। साथ ही पशुपालन व डेयरी क्षेत्र की उन्नत नस्लें व डेयरी उत्पादों की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। इससे सवाई माधोपुर का आमरूद विदेशों में अपनी पहचान बनाएगा। विभिन्न श्रेणियों में लगाई जाने वाली स्टॉल्स को सर्वश्रेष्ठ सजावट व बेस्ट लाईव डिमोस्ट्रेशन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। अमरूद महोत्सव में क्रेता-विक्रेताओं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के व्यापारी भाग लेंगे।

कृषक कल्याण योजनाओं की मिलेगी जानकारी

सहायक कृषि अधिकारी विजय जैन ने बताया कि महोत्सव में कृषक-वैज्ञानिक संवाद और कृषक व पशुपालक चौपाल आयोजित होंगी, जिसमें अमरूद उत्पादन, कीट-रोग प्रबंधन, जल संरक्षण, प्रसंस्करण व बाजार से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन दिया जाएगा। विभिन्न कृषक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी कृषि, उद्यान, पशुपालन, बैंकिंग सहित विभागों द्वारा दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सवाई माधोपुर में 15 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में अमरूद की खेती होती है और प्रतिवर्ष करीब 4 लाख मीट्रिक टन उत्पादन से 6-7 अरब रुपए का कारोबार होता है। राज्य सरकार द्वारा अमरूद को जिले के पंच गौरव में शामिल किया गया है। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया है।

चेतावनी रैली में सवाई माधोपुर के कर्मचारियों का शक्ति प्रदर्शन

महानगर टाइम्स संवाददाता

सवाई माधोपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के आह्वान पर जयपुर में आयोजित चेतावनी रैली में सवाई माधोपुर जिला मंत्री हनुमान सिंह नरुका के नेतृत्व में जिले के सैकड़ों कर्मचारियों ने ऐतिहासिक भागीदारी दर्ज कराई। जिला मंत्री नरूका ने बताया कि महासंघ से संबद्ध विभिन्न घटक संगठनों के कर्मचारी अपनी नौ सूत्रीय मांगों और सात संकल्पों को लेकर रैली में पहुंचे और सरकार को स्पष्ट संदेश देते हुए पैदल मार्च कर शक्ति प्रदर्शन किया। महासंघ के जिला प्रवक्ता राहुल सिंह गुर्जर ने बताया कि कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों की लगातार अनदेखी के विरोध में यह चेतावनी रैली आयोजित की गई। रैली के दौरान कर्मचारियों ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा। महासंघ ने सरकार से मांग की है कि कर्मचारियों की जायज मांगों पर अविलंब वार्ता कर समाधान निकाला जाए अन्यथा प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन की जिम्मेदारी सरकार की होगी। चेतावनी रैली में महासंघ से संबद्ध संगठन राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ, राजस्थान पंचायती राज व माध्यमिक शिक्षक संघ, पटवार संघ, वाहन चालक कर्मचारी संघ, वन श्रमिक संघ, राजस्थान संविदा कर्मचारी संघ, कृषि पर्यवेक्षक संघ महासंघ से संबद्ध विभिन्न कर्मचारी संगठनों के सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया।

पतंग उत्सव में जमकर उठाया लुत्फ

जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग की अभिनव पहल, युवाओं-बच्चों ने दिखाया उत्साह

महानगर टाइम्स संवाददाता

जैसलमेर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में पहली बार पतंग उत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें विशेष रुप से युवाओं व बच्चों ने काफी उत्साह दिखाया और पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर आयोजित पतंग उत्सव में पारंपरिक लोक संस्कृति, उल्लास व आपसी सौहार्द का नजारा देखा गया।

इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रश्मि रानी व उपखण्ड अधिकारी समक्ष गोयल भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी पतंग उड़ाई और सम्भागियों का हौसला अफजाई कर सभी को मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकमनाएं दी। सहायक निदेशक पर्यटक स्वागत केन्द्र कमलेश्वर सिंह ने बताया कि मरु महोत्सव-2026 के तहत 29 से 31 जनवरी व 1 फरवरी को चार दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। इसका प्रचार-प्रसार करने व मकर संक्रांति पर्व मनाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा पतंग उत्सव की पहल की गई है, ताकि लोग इस उत्सव में शामिल होकर आकाश में पतंग उड़ाने का आनन्द लें। पतंग उत्सव में प्रातः 11 बजे से ही युवाओं व बच्चों का पूनमसिंह स्टेडियम में आना प्रारम्भ हो गया। पर्यटन विभाग द्वारा सभी पतंगबाजों को पतंग व मांझा डोर निशुल्क उपलब्ध करवाया गया। इस उत्सव में सभी ने आकाश में रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ाना प्रारम्भ किया और मकर संक्रांति के पर्व का भरपूर आनन्द लिया। वहीं एक-दूसरे ने आकाश में पतंगों की डोर को काटने का भी प्रयास किया।इस उत्सव में पर्यटन अधिकारी खेमेन्द्र सिंह जाम के साथ ही दर्शकगण भी उपस्थित रहे। मरुश्री धीरज पुरोहित ने मंच का संचालन किया। इस दौरान पर्यटन विभाग के म्युजिक साउण्ड द्वारा गीतों की प्रस्तुती दी गई। पतंग उत्सव का उद्देश्य पारंपरिक त्योहारों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति का संरक्षण करना और पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है।

जरूरतमंद लोगों को वितरित की उपयोगी सामग्री

महानगर टाइम्स संवाददाता

लक्ष्मणगढ़। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने सनातन धर्म की परंपराओं के अनुरूप दान-पुण्य, सेवा व सामाजिक समरसता का प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया। ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी व गिरधारी लाल जाजोदिया के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट की ओर से कच्ची बस्तियों में निवास करने वाले आम नागरिकों, जरूरतमंद परिवारों, महिलाओं, पुरुषों व बच्चों को जूते, जुराब, चप्पल, तिल के लड्डू, स्वेटर, प्लास्टिक के मग व बर्तन, बिस्कुट, चॉकलेट सहित अनेक दैनिक उपयोगी सामग्री वितरित की गई। इस दौरान लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने यह संकल्प दोहराया कि भविष्य में भी राहत सामग्री वितरण, सामाजिक सेवा व जरूरतमंदों की सेवा के कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम में ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, राजेश शर्मा सहित ट्रस्ट के संरक्षक, पदाधिकारी, कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिन बिम्ब दर्शन दिवस के रूप में मनाई मकर संक्रांति

फागी (मसं)। कस्बे सहित परिक्षेत्र में जैन धर्मावलंबियों ने मकर संक्रांति का पर्व जिन बिम्ब दर्शन दिवस के रूप में मनाया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि इस दौरान बड़ी संख्या में जैन धर्मावलम्बियों ने मंदिरों में जाकर जिन बिम्बों के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि मकर संक्रांति जैन धर्म में जिन बिम्ब दर्शन के रूप में माना जाता है, क्योंकि इस दिन भरत चक्रवर्ती ने सूर्य बिम्ब में अक्रत्रिम चैत्यालय के दर्शन किए थे, इसी खुशी में राजा भरत ने अपने कोष के सारे भंडारे दान देने के लिए खोल दिए थे।

स्पोर्ट्स

मेंस एचआईएल: जुगराज सिंह की हैट्रिक, बंगाल टाइगर्स ने तमिलनाडु ड्रैगन्स को हराया

महानगर टाइम्स संवाददाता

रांची। मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 में जुगराज सिंह ने इस सीजन की अपनी पहली हैट्रिक लगाकर श्राची बंगाल टाइगर्स को अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ 5-3 से शानदार जीत दिलाई। मंगलवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ बंगाल टाइगर्स 7वें पायदान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इसी के साथ टीम ने अगले दौर में पहुंचने की उमीदें कायम रखी हैं। डिफेंडिंग चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने तेज शुरुआत की।

अभिषेक ने गोल पर पहला असली शॉट लगाया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। हालांकि, बचाव करते समय एक गलती के कारण अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक दे दिया। जुगराज सिंह गोलपोस्ट पर दिग्गज डेविड हार्ट के सामने थे। उन्होंने गेंद को नीचे और तेजी से मारकर गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया। 11वें मिनट तक टाइगर्स ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। 1-0 की बढ़त ने टाइगर्स को बेहतर स्थिति में ला दिया था।

हालांकि, दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा, जिसमें ड्रैगन्स ने बराबरी की पूरी कोशिश की और उनके लिए उत्तम सिंह ने आक्रमण की अगुवाई की, लेकिन वे अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सके। हाफटाइम पर टाइगर्स के कोच वैलेंटिन आल्टेनबर्ग खुश नहीं दिखे और उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस मैच में कई चीजें बेहतर कर सकती है। हालांकि 36वें मिनट में ड्रैगन्स को पेनाल्टी कॉर्नर से एड्रोहित के गोल के जरिए सफलता मिली, लेकिन यह क्वार्टर पूरी तरह टाइगर्स के नाम रहा। जुगराज सिंह ने 43वें और 45वें मिनट में गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद टाइगर्स 4-1 की बढ़त पर थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में उन्होंने ड्रैगन्स को वापसी का मौका दे दिया। ड्रैगन्स ने 48वें और 51वें मिनट में थॉमस सोर्सबी और ब्लेक गोवर्स के गोल से मुकाबले को 4-3 कर दिया। अंतिम मिनटों में वीडियो रेफरल के चलते मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया, जिसमें टाइगर्स को बढ़त मिली। 55वें मिनट में मिला पेनाल्टी कॉर्नर टाइगर्स की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

अभिषेक ने शानदार वैरिएशन पर गोल किया। इंजेक्शन के बाद उन्होंने खुद को सही जगह पर रखते हुए टॉम ग्रामबुश के ड्रैगलिक से मिले डि लेक्शन को गोल में तब्दील किया।

इससे टाइगर्स 5-3 से आगे निकल गए और अंततः मैच अपने नाम कर लिया। मैच गंवाने के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स के कप्तान अमित रोहिदास ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। हमारे सभी खिलाड़ी निपुण और आत्मविश्वास से भरे हैं। हमें बस अपने गेम पर फोकस करना है। जब भी हमें मौके मिलेंगे, हम उन्हें गोल में बदलेंगे।

फील्डिंग में बार-बार गलतियों की वजह से गुजरात जायंट्स टीम को चुकानी पड़ी भारी कीमत : कोच

महानगर टाइम्स संवाददाता

नवी मुंबई । गुजरात जायंट्स के हैड कोच माइकल क्लिंगर ने माना कि फील्डिंग में बार-बार गलतियों की वजह से उनकी टीम को भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बावजूद टीम का ओवरऑल कमिटमेंट और तैयारी मजबूत है। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, उनकी खराब फील्डिंग ने टूर्नामेंट में पहले दिखाए गए अच्छे प्रदर्शन पर पानी फेर दिया। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को तीन बार ड्रॉप किया गया, और कई मिसफील्ड और ओवरथ्रो ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो उनके पहले दो मैचों में सेट किए गए शानदार स्टैंडर्ड से बिल्कुल अलग था।

प्रदर्शन पर बात करते हुए, क्लिंगर ने कहा कि जायंट्स ज्यादातर पारी में काफी सॉलिड थे, लेकिन आखिर में चीजें बिगड़ गईं। क्लिंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। और शायद पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी फील्डिंग की और फिर आखिरी पांच-छह ओवरों में वे सभी कैच छूट गए। उन्होंने माना कि विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ ऐसी गलतियां कितनी महंगी हो सकती हैं, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की मेहनत पर सवाल नहीं उठाया।

उन्होंने कहा कि जब आप हरमनप्रीत जैसी अच्छी खिलाड़ी को तीन मौके देते हैं तो यह मुश्किल होता है, लेकिन साथ ही, कोशिश मैं मैदान पर हमारी कोशिश और ट्रेनिंग में हमारे काम के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कह सकता। वे हमारी फील्डिंग कोच सारा टेलर और बाकी सभी कोचों के साथ बहुत कड़ी मेहनत कर रहे हैं। क्लिंगर ने कहा कि इसलिए निश्चित रूप से कोशिश करने में कोई दिक्कत नहीं है। जब आप अच्छे खिलाड़ियों को ड्रॉप करते हैं, कैच छोड़ते हैं, तो यह मुश्किल होता है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करते रहेंगे। हमने अपनी फील्डिंग पर बहुत कड़ी मेहनत की है और हमने दो अच्छे प्रदर्शन किए हैं, और शायद एक प्रदर्शन ऐसा रहा जो हमारे सर्वश्रेष्ठ स्तर का नहीं था।

इससे पहले, गुजरात जायंट्स ने अपने बैटिंग ऑर्डर में एक टैक्टिकल बदलाव किया, जब ऑलराउंडर अनुष्का शर्मा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत में लगी हाथ की चोट के कारण बाहर हो गईं। अनुष्का के न होने पर, कनिका आहूजा को नंबर 3 पर प्रमोट किया गया, जो एक बड़ा बदलाव था क्योंकि उन्होंने पिछले मैच में नंबर 8 पर बैटिंग की थी और सीजन के पहले मैच में नहीं खेली थीं।

यह फैसला सही साबित हुआ। सोफी डिवाइन के जल्दी आउट होने के बाद, आहूजा ने 18 गेंदों में 35 रन बनाकर जवाबी हमला किया, जिसमें चार चौके और दो छक्के लगाकर पारी को गति दी। क्लिंगर ने इस कदम के पीछे का कारण बताया और आहूजा के प्रदर्शन की तारीफ की।

उन्होंने कहा कि हमारे पास शायद उस (नंबर 3) जगह के लिए कुछ विकल्प थे। जब हमें एहसास हुआ कि अनुष्का एक या दो गेम के लिए उपलब्ध नहीं होंगी, तो हमें लगा कि कनिका बहुत अच्छी ट्रेनिंग कर रही है। वह एक और लेफ्ट-हैंडर है जो टॉप पर पेस और स्पिन दोनों को अच्छे से खेल सकती है, और मुझे लगा कि उसने आज शानदार खेला। उन्होंने आगे कहा कि अपनी भूमिका के बारे में स्पष्टता ने उन्हें आजादी से खेलने में मदद की।

भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम के मुख्य कोच बने सीए कुटप्पा, तीसरी बार सौंपी जिम्मेदारी

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित सीए कुटप्पा एक बार फिर भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए हैं। यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा। इस नियुक्ति की पुष्टि बॉक्सिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने मंगलवार को की। सीए कुटप्पा ने इस पद पर एसएआई रोहतक के कोच धर्मेंद्र यादव की जगह ली है। हालांकि, धर्मेंद्र यादव पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। बीएफआई के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरुण मलिक ने इस बदलाव की जानकारी दी। भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम का पिछले कुछ वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा है। 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए केवल दो पुरुष मुक्केबाज ही क्वालिफाई कर सके थे। इसके बाद 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप (लिवरपूल) में भारतीय पुरुष टीम 12 साल में पहली बार बिना पदक के लौटी।

सीए कुटप्पा पहले भी टोक्यो और पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। वह 2008 बीजिंग ओलंपिक के दौरान राष्ट्रीय सहयोगी स्टाफ का भी हिस्सा थे, जब विजेंदर सिंह ने भारत को बॉक्सिंग में पहला ओलंपिक पदक दिलाया था। पूर्व हाई परफोरमेंस डायरेक्टर सैंटियागो निएवा, जिन्हें पिछले महीने महिला टीम का विदेशी कोच नियुक्त किया गया था, कैंप में शामिल हो चुके हैं। वहीं, महिला बॉक्सिंग टीम की कोच-इन-चार्ज की जिम्मेदारी एसएआई की गीता चानू संभालेंगी। भारतीय मुक्केबाज 12 जनवरी से पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह कैंप 14 मार्च तक चलेगा, जहां राष्ट्रीय कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की निगरानी में अभ्यास होगा। बीएफआई की 2026 चयन नीति के तहत, राष्ट्रीय चैंपियनशिप में ओलंपिक वेट कैटेगरी के टॉप-4 बॉक्सरों को कैंप में शामिल किया गया है। इसके अलावा नॉन-ओलंपिक वेट कैटेगरी के स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को भी मौका मिला है। चोट के कारण नेशनल्स में हिस्सा नहीं ले पाने वाले मौजूदा 57 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मिन लांबोरिया और 60 किग्रा वर्ल्ड कप फाइनल्स की गोल्ड मेडलिस्ट परवीन हुड्डा को वाइल्डकार्ड के जरिए कैंप में शामिल किया जाएगा। कुछ ऐसे बॉक्सर, जो पदक राउंड तक नहीं पहुंच सके लेकिन जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्षमता दिखी, उन्हें भी वाइल्डकार्ड एंट्री दी जाएगी ताकि कैंप में प्रतिस्पर्धा और गहराई बनी रहे। एशियन चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंटों के चलते 2026 भारतीय बॉक्सिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण साल साबित होगा। भारतीय बॉक्सरों का साल का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट स्पेन के लाम्नुसिया में 2 फरवरी से शुरू होने वाला बॉक्सम इंटरनेशनल टूर्नामेंट होगा। चयन ओलंपिक वेट कैटेगरी के स्वर्ण पदक विजेता और नॉन-ओलंपिक वेट कैटेगरी के रजत पदक विजेता भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

थोक महंगाई 8 माह में सर्वाधिक, दिसंबर में खाद्य सामग्री महंगी होने से 0.83 फीसदी पर

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिसंबर 2025 में देश की थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 0.83 फीसदी हो गई है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब थोक महंगाई में बढ़त दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की चीजों, गैर-खाद्य वस्तुओं और मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के दाम बढ़ने से यह बढ़ोतरी हुई है। पिछले दो महीनों में थोक महंगाई ने नकारात्मक रुख दिखाया था। अक्टूबर 2025 में थोक महंगाई -1.21 फीसदी और नवंबर में -0.32

फीसदी रही थी। वहीं दिसंबर 2024 में थोक महंगाई दर 2.57 फीसदी थी।

उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, दिसंबर 2025 में थोक महंगाई पॉजिटिव होने की मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कीमतों का बढ़ना है। खास तौर पर मशीनरी, उपकरण, खाद्य उत्पाद, कपड़ा, खनिज और अन्य निर्माण से जुड़ी वस्तुओं के दाम बढ़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य पदार्थों में गिरावट (डिफ्लेशन) घटकर 0.43 फीसदी रह गई, जबकि नवंबर में यह 4.16 फीसदी थी। सब्जियों में भी गिरावट कम हुई। दिसंबर में सब्जियों की कीमतों में 3.50 फीसदी की गिरावट रही, जबकि नवंबर में यह गिरावट 20.23 फीसदी तक थी।

मैन्युफैक्चरिंग और नॉन-फूड आइटम्स महंगे

दिसंबर में मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई बढ़कर 1.82 फीसदी हो गई, जो नवंबर में 1.33 फीसदी थी। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में महंगाई बढ़कर 2.95 फीसदी रही, जो नवंबर में 2.27 फीसदी थी। दूसरी ओर, ईंधन और बिजली सेक्टर में थोक महंगाई नकारात्मक बनी हुई है। दिसंबर में इस सेक्टर में 2.31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो नवंबर के लगभग बराबर है। इससे पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में खुदरा महंगाई भी बढ़कर 1.33 फीसदी हो गई थी, जो नवंबर में 0.71 फीसदी थी। इसमें मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ना रहा।

आरबीआई ने ब्याज दरें घटाईं

महंगाई दर में नरमी को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 1.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती की है। पिछले महीने आरबीआई ने पॉलिसी रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर इसे 5.25 फीसदी कर दिया था। आरबीआई ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय 'गोल्डीलॉक्स फेज' में है, जहां विकास तेज है और महंगाई कम है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई अनुमान भी घटाकर 2 फीसदी कर दिया है, जो पहले 2.6 फीसदी था।

आरबीआई ने एफवाई 26 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया है। इससे पहले यह अनुमान 6.8 फीसदी था। देश की अर्थव्यवस्था ने जून तिमाही में 7.8 फीसदी और सितंबर तिमाही में 8.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की थी।

ईरान संघर्षः भारत के बासमती निर्यात पर असर, कारोबारियों ने जताई चिंता

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। ईरान में जारी संघर्ष का सीधा असर भारत के बासमती चावल निर्यात पर दिखने लगा है। भुगतान में देरी, ऑर्डर अनिश्चितता और शिपमेंट शेड्यूल बिगड़ने से निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इसका असर घरेलू मंडियों में कीमतों की तेज गिरावट के रूप में सामने आया है।

आईआरईएफ ने निर्यातकों को ईरान से जुड़े अनुबंधों में जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने और सुरक्षित भुगतान तंत्र अपनाने की सलाह दी है। फेडरेशन ने ईरानी बाजार के लिए स्टॉक अधिक मात्रा में रखने से भी आगाह किया है।

व्यापार आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान भारत ने ईरान को 5.99 लाख टन बासमती चावल (मूल्य 468.10 मिलियन डॉलर) का निर्यात किया। ईरान भारत का सबसे बड़ा बासमती गंतव्य रहा है, लेकिन इस वित्त वर्ष में ऑर्डर फ्लो, भुगतान चक्र और शिपमेंट पर बढ़ता दबाव देखा जा रहा है।

पिछले एक सप्ताह में प्रमुख बासमती किस्मों के दामों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बासमती 1121 की कीमत 85 रुपये प्रति किलो से घटकर 80 रुपये रह गई, जबकि 1509 और 1718 किस्में 70 रुपये से फिसलकर 65 रुपये प्रति किलो पर आ गईं।

निर्यातकों के मुताबिक खरीदारों की हिचक, अनुबंधों में देरी और जोखिम की धारणा बढ़ने से यह गिरावट आई है। आईआरईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि ईरान लंबे समय से भारतीय बासमती का मजबूत बाजार रहा है, लेकिन मौजूदा आंतरिक उथल-पुथल ने व्यापार चैनल बाधित किए हैं, भुगतान धीमे पड़े हैं और खरीदारों का भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने क्रेडिट एक्सपोजर और शिपमेंट टाइमलाइन को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत बताई।

फेडरेशन ने सलाह जारी कर पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप के वैकल्पिक बाजारों में विविधीकरण की अपील की है, ताकि ईरान-निर्भर शिपमेंट में संभावित लंबे मंदी के असर को संतुलित किया जा सके। गर्ग ने कहा कि यह चेतावनी नहीं, बल्कि विवेक की अपील है।

दिसंबर में बिजली की मांग 6.8 प्रतिशत बढ़ी तीसरी तिमाही में हालात सुधरने के संकेत

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2025 में बिजली मांग में सुधार देखने को मिला, जिससे वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान आई समग्र कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, तिमाही के अधिकांश हिस्से में बेमौसम बारिश और अपेक्षाकृत कम तापमान

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 में बिजली की मांग साल-दर-साल आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी, जो तिमाही की कमजोर शुरुआत के बाद स्थिर सुधार का संकेत है। इसके साथ ही, नुवामा ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अपने पावर सेक्टर कवरेज में शामिल कंपनियों के लिए मामूली मुनाफा वृद्धि का अनुमान जताया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान में कमजोर थर्मल प्लांट लोड फैक्टर के कारण मुनाफे की वृद्धि सीमित रह सकती है।

तिमाही आधार पर मांग घटी

हालांकि, पूरी तिमाही को देखें तो बिजली मांग 0.4 प्रतिशत घट गई। इसका मुख्य कारण अक्तूबर में हुई बेमौसम बारिश और औसत तापमान का 23 डिग्री सेल्सियस रहना बताया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में औसत तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस था। इसके बावजूद, पीक पावर डिमांड मजबूत बनी रही। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अधिकतम मांग करीब 241 गीगावॉट तक पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि से 7.6 प्रतिशत अधिक है। यह उच्च मांग वाले समय में बिजली खपत की अंतर्निहित मजबूती को दर्शाता है।

थर्मल पावर का दबदबा बना रहा

उत्पादन के मोर्चे पर, थर्मल पावर का दबदबा बना रहा और वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कुल बिजली उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी करीब 77 प्रतिशत रही। हालांकि, विभिन्न यूटिलिटीज में प्लांट लोड फैक्टर अपेक्षाकृत कमजोर बना रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पावर एक्सचेंजों पर रुझान मिले-जुले रहे। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज पर दिसंबर 2025 में बिजली वॉल्यूम साल-दर-साल 3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में यह वृद्धि 12 प्रतिशत रही। हालांकि, रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट की कमजोर मांग के चलते कुल वॉल्यूम में गिरावट दर्ज की गई। कीमतों के मोर्चे पर, सोलर घंटों के दौरान बिजली के दाम बढ़े, जबकि नॉन-सोलर घंटों में मांग और पीक डेफिसिट दोनों में इजाफा हुआ। इस बीच, कोयले की उपलब्धता में सुधार देखा गया। एनटीपीसी के संयंत्रों में कोयले का स्टॉक औसतन 18 दिन का रहा, जबकि कुल कोयला भंडार बढ़कर करीब 5.4 करोड़ टन पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 18 प्रतिशत अधिक है। आगे की ओर देखते हुए, नुवामा को वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में पावर सेक्टर में सीमित लेकिन स्थिर मुनाफा वृद्धि की उम्मीद है। साथ ही, रिन्यूएबल एनर्जी से जुड़े टेंडर मजबूत बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सोलर और स्टोरेज परियोजनाओं के नेतृत्व में करीब 350 गीगावॉट की परियोजनाओं की पाइपलाइन मौजूद है, जो आने वाले वर्षों में सेक्टर के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का इंपोर्ट बढ़ा
वनस्पति तेल आयात 8 प्रतिशत बढ़कर 13.83 लाख टन : एसईए

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पिछले वर्ष दिसंबर में भारत का वनस्पति तेल आयात आठ प्रतिशत बढ़कर 13.83 लाख टन तक रहा है। साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अनुसार, यह वृद्धि सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के ज्यादा आयात के कारण हुई है। दुनिया के सबसे बड़े आयातक भारत ने दिसंबर 2024 में 12.75 लाख टन वनस्पति तेल खरीदा था। इसमें खाद्य और गैर-खाद्य तेल शामिल हैं। डाटा के अनुसार, पिछले महीने पाम तेल आयात 20 प्रतिशत घटकर 5.07 लाख टन रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 6.32 लाख टन था।

सूरजमुखी तेल का आयात 32.19 प्रतिशत बढ़कर 3.49 लाख टन रहा है, जबकि सोयाबीन तेल का आयात 20.23 प्रतिशत बढ़कर 5.05 लाख टन हो गया। गैर-खाद्य तेल का आयात दिसंबर 2025 में 21,000 टन रहा। हालांकि, 2025-26 तेल वर्ष (नवंबर-अक्टूबर) के पहले दो महीनों में कुल वनस्पति तेल आयात पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत घटकर 25.67 लाख टन रह गया है।

शहरी सहकारी बैंकों के लाइसेंस दोबारा शुरू करने का आरबीआई ने प्रस्ताव रखा

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को दो दशक से अधिक समय बाद शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) को नए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसमें 300 करोड़ रुपये की न्यूनतम पूंजी सहित कड़े नियामकीय मानदंड रखने का प्रावधान शामिल है।

आरबीआई ने वर्ष 2004 से शहरी सहकारी बैंकों के लिए नए लाइसेंस जारी करना बंद कर दिया था। उस समय यह देखा गया था कि नए लाइसेंस पाने वाले बैंक बड़ी संख्या में अल्पावधि में ही वित्तीय रूप से कमजोर हो गए थे।

पिछले साल अक्टूबर में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था कि बीते 20 वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में आए सकारात्मक बदलावों और हितधारकों की बढ़ती मांग को देखते हुए नए यूसीबी लाइसेंस पर एक चर्चा पत्र जारी किया जाएगा। उसी कड़ी में आरबीआई ने 'शहरी सहकारी बैंकों का लाइसेंसिंग' विषय पर चर्चा पत्र जारी किया। इस पर 13 फरवरी, 2026 तक हितधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं। आरबीआई ने पिछले वर्षों में गैर-व्यवहार्य यूसीबी के विलय और बंदी के जरिये शहरी सहकारी बैंकों को समेकित किया है।

पहली श्रेणी से लेकर तीसरी श्रेणी के शहरों में संचालित हो रहे 57 दिवालिया यूसीबी के बैंकिंग लाइसेंस रद्द किए गए। फिलहाल 82 कमजोर यूसीबी निगरानी प्रतिबंधों के दायरे में हैं। इनमें से 28 बहुत कमजोर बैंकों को सर्व-समावेशी निर्देश (एआईडी) के तहत रखा गया है जबकि 32 बैंक त्वरित उपचारात्मक कार्रवाई (पीसीए) और 22 बैंक निगरानी कार्रवाई

प्रारूप (एसएएफ) के तहत हैं।

आरबीआई ने तर्क दिया है कि चूंकि अधिकतर विफलताएं छोटे यूसीबी में देखी गई हैं, लिहाजा लाइसेंस प्रक्रिया दोबारा शुरू होने पर केवल बड़ी सहकारी ऋण समितियों को ही बैंक लाइसेंस देना विवेकपूर्ण होगा। ऐसी संस्थाओं के प्रदर्शन का लंबा रिकॉर्ड होता है और उनका प्रशासनिक ढांचा भी अधिक मजबूत माना जाता है।

चर्चा पत्र के मुताबिक, मुद्रास्फीति समायोजन और आंतरिक कार्य-समूह की मंशा को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम पूंजी प्रावधान को बढ़ाकर 300 करोड़ रुपये निर्धारित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, आवेदन करने वाली सहकारी ऋण समिति के पास कम-से-कम 10 वर्षों का सक्रिय संचालन अनुभव और पांच वर्षों का अच्छा वित्तीय रिकॉर्ड जरूरी होगा।

वित्तीय मानकों के तहत, आवेदन के समय उसका पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) न्यूनतम 12 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए अनुपात तीन प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरबीआई ने कहा कि 31 मार्च, 2025 तक देश में 1,457 यूसीबी कार्यरत थे, जिनकी कुल परिसंपत्तियां 7.38 लाख करोड़ रुपये और कुल जमा 5.84 लाख करोड़ रुपये रही।

अदाणी समूह कच्छ में करेगा 1.5 लाख करोड़ का निवेश, बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राजकोट में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात 2026 समिट में अदाणी समूह ने एक ऐतिहासिक घोषणा की है। अदाणी पोर्ट के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने अपने संबोधन में बताया कि उनका समूह अगले पांच वर्षों में कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश करेगा। यह निवेश भारत की ऊर्जा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

अपने भाषण के दौरान करण अदाणी ने निवेश की विस्तृत योजना साझा की। उन्होंने बताया कि इस राशि से खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी (अक्षय ऊर्जा) पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क की क्षमता 37 गीगावॉट होगी। इसे 2030 तक पूरी तरह चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना न केवल ऊर्जा उत्पादन ब?एगी बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी भारत की मदद करेगी। इसके अलावा, अगले दस वर्षों में मुंद्रा पोर्ट की क्षमता को दोगुना करने की भी योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए करण अदाणी ने कहा कि भारत अब सिर्फ विकास की नहीं, बल्कि दुनिया का नेतृत्व करने की सोच रखता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश को लंबी सोच रखने और मजबूत संस्थान बनाने की सीख दी है। गुजरात की उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि आज देश की जीडीपी में गुजरात का योगदान 8 प्रतिशत से अधिक है। साथ ही, देश के कुल कार्गो का 40 प्रतिशत हिस्सा गुजरात के पोर्ट्स ही संभालते हैं।

कच्छ को बताया बदलाव की मिसाल

करण अदाणी ने कच्छ को बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल बताया। उन्होंने याद दिलाया कि कभी मुश्किल और दूरदराज माना जाने वाला कच्छ आज भारत का सबसे रणनीतिक औद्योगिक केंद्र बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये सभी निवेश रोजगार पैदा करेंगे और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएंगे। अंत में उन्होंने कहा कि अदाणी समूह विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने में एक भरोसेमंद साथी बना रहेगा।

वेनेजुएला संकट का तेल की कीमतों पर सीमित असर, रूस से आयात में आई गिरावट

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम का कच्चे तेल की कीमतों पर निकट अवधि में कोई बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। क्रिसिल रेटिंग्स ने यह दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक आपूर्ति में वेनेजुएला की हिस्सेदारी बेहद कम है।

इसमें कहा गया है कि भले ही हालात बिगड़ें और उत्पादन प्रभावित हो, तब भी कीमतों पर प्रभाव सीमित रहेगा। जनवरी की शुरुआत में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादूरो की गिरफ्तारी से देश में अनिश्चितता बढ़ी है। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े सिद्ध कच्चे तेल भंडारों में से एक है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति में उसका योगदान करीब 1.5 फीसदी ही है। इस बीच ब्रेंट क्रूड के दाम 60 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ा ऊपर स्थिर बने हुए हैं।

भारत पर असर सीमित : क्रिसिल ने कहा कि भारत के लिए भी वेनेजुएला के घटनाक्रम का व्यापार या कंपनियों की क्रेडिट क्वालिटी पर कोई खास असर नहीं दिखता। भारत के कुल आयात में वेनेजुएला से आने वाला हिस्सा 0.25 फीसदी से कम है। वित्त वर्ष 2025 में करीब 14,000 करोड़ रुपये के आयात में 90 फीसदी से अधिक कच्चा तेल था, जबकि वेनेजुएला

भारत की कुल कच्चे तेल जरूरत का लगभग 1 फीसदी ही सप्लाई करता है। हालांकि, एजेंसी ने यह भी जोड़ा कि मध्यम से लंबी अवधि में अगर वेनेजुएला के बड़े अप्रयुक्त भंडारों में निवेश बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति बढ़ सकती है और इससे तेल कीमतें नरम पड़ना भारतीय कंपनियों के लिए सकारात्मक हो सकता है।

रिलायंस और पीएसयू रिफाइनरियों ने की कटौती : रिपोर्ट में कहा गया कि आयात में यह गिरावट मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी के कारण आई। इसने दिसंबर में रूस से आयात आधा कर दिया। रिलायंस की आपूर्ति रूस की रोसनेफ्ट से थी, जो अमेरिकी विदेश संपत्ति नियंत्रण कार्यकाल (ओएफएसी) प्रतिबंध लागू होने से पहले खरीदे गए कार्गो पर आधारित थी। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों ने भी दिसंबर में रूसी आयात 15 फीसदी घटाया। अमेरिका द्वारा रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते कुछ भारतीय रिफाइनरियों ने आयात रोक या कम कर दिया है, जबकि गैर-प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से खरीद जारी है।

रूस से तेल आयात घटा, भारत तीसरे नंबर पर

इसी बीच, एक यूरोपीय थिंक टैंक ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की रिपोर्ट में कहा गया कि दिसंबर 2025 में भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। इससे पहले भारत दूसरे स्थान पर था। दिसंबर में भारत का रूसी हाइड्रोकार्बन आयात 2.3 अरब यूरो रहा, जो नवंबर के 3.3 अरब यूरो से कम है। तुर्किये ने भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन शीर्ष पर बना रहा।

सीआरईए के अनुसार, दिसंबर में भारत के रूसी आयात में 78 फीसदी हिस्सा कच्चे तेल का था (1.8 अरब यूरो), जबकि कोयला और तेल उत्पादों का हिस्सा शेष रहा। नवंबर की तुलना में रूसी कच्चे तेल का आयात महीने-दर-महीने 29 फीसदी घटकर प्राइस कैप नीति लागू होने के बाद के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया।

डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा को लेकर हुई कार्रवाई, लोगो और विज्ञापन बदला

स्विगी-जेप्टो ने भी '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटाया

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद स्विगी और जेप्टो जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी अपने प्लेटफॉर्म से '10 मिनट में डिलीवरी' के दावे को हटाना शुरू कर दिया है। सरकार ने इन कंपनियों को सख्त हिदायत दी है कि वे डिलीवरी टाइम को लेकर ऐसे दावे न करें जिससे डिलीवरी पार्टनर्स पर दबाव बने। इससे पहले ब्लिंकिट भी अपने विज्ञापनों और एप से '10 मिनट' का टैग हटा चुका है।

हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने क्विक कॉमर्स कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की थी। इस बैठक

में डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा और उनके काम करने के तरीकों पर चर्चा हुई। सरकार का मानना है कि 10 मिनट में सामान पहुंचाने के वादे के कारण राइडर्स पर मानसिक दबाव बढ़ता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। मंत्रालय ने साफ कहा कि कंपनियों को अपनी ब्रांडिंग से समय की पाबंदी हटानी होगी।

कंपनियों ने बदला अपना स्लोगन और विज्ञापन : सरकार की सख्ती के बाद कंपनियों ने अपने एप और सोशल मीडिया हैंडल पर बदलाव शुरू कर दिए हैं। ब्लिंकिट ने अपनी टैगलाइन '10,000+ प्रोडक्ट्स 10 मिनट में' को बदलकर अब '30,000+ प्रोडक्ट्स आपके दरवाजे पर' कर दिया है। इसी तरह स्विगी और जेप्टो ने भी अपने प्लेटफॉर्म से 10 मिनट वाले वादे को हटाकर उसे सर्विस की सुविधा और वैरायटी पर फोकस कर दिया है।

राइडर्स की सुरक्षा और तेज ड्राइविंग पर थी चिंता : क्विक कॉमर्स सेक्टर की सबसे बड़ी आलोचना इस बात को लेकर होती रही है कि 10 मिनट की डेडलाइन पूरा करने के चक्कर में राइडर्स तेज गाड़ी चलाते हैं और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस होड़ की वजह से राइडर्स के बीच तनाव और हादसों की खबरें बढ़ रही थीं। हालांकि, कंपनियां दावा करती रही हैं कि वे राइडर्स को टाइम लिमिट नहीं दिखाते, लेकिन विज्ञापन का असर जमीन पर अलग दिखता था।

बिजनेस मॉडल पर क्या पड़ेगा असर?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि विज्ञापन से 10 मिनट का दावा हटाने का मतलब यह नहीं है कि डिलीवरी देर से होगी। कंपनियां अभी भी अपने डार्क स्टोर्स (स्थानीय गोदामों) की मदद से तेजी से सामान पहुंचाएंगी। एलारा कैपिटल के करण तौरानी के अनुसार, यह बदलाव केवल ब्रांडिंग और दिखावे तक सीमित है, बिजनेस मॉडल में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। कंपनियां अब स्पीड के बजाय 'सुविधा' और 'ज्यादा प्रोडक्ट्स' को अपनी ताकत बनाएंगी।

गीग वर्कर्स की हड़ताल ने खींचा था ध्यान

गौरतलब है कि नए साल की शुरुआत में ही देश के कई हिस्सों में डिलीवरी पार्टनर्स ने हड़ताल की थी। उनकी मुख्य मांग बेहतर वेतन, सुरक्षा और काम के घंटों में सुधार थी। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने भी संसद में यह मुद्दा उठाया था और गीग वर्कर्स के लिए सोशल सिक्योरिटी और सम्मानजनक वेतन की मांग की थी। इसके बाद ही सरकार ने इस मामले में दखल दिया।

सेना दिवस पर जयपुर में ट्रैफिक की रहेगी वैकल्पिक व्यवस्था

जयपुर पुलिस ने शहरवासियों से की अपील, अनावश्यक प्रस्तावित यात्रा मार्गों एवं कार्यक्रम स्थलों पर नहीं निकलें

अतिआवश्यक होने पर पुलिस द्वारा बताए गए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर शहर में सेना दिवस पर 15 जनवरी को सेना परेड, शौर्य संध्या कार्यक्रमों का आयोजन होगा। वहीं 15 जनवरी को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं सेना प्रमुख सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे एवं 16 जनवरी को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु जयपुर की यात्रा पर रहेंगी। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के अनुसार पुलिस द्वारा इन कार्यक्रमों एवं यात्राओं के कारण यातायात को समानांतर मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। इस कारण कई मार्गों पर ट्रैफिक प्रभावित रहने की संभावना है। साथ ही पुलिस की ओर से सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को लेकर विशेष प्रयास किए जा रहे है। इन कार्यक्रमों के मद्देनजर जयपुर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि 15 व 16 जनवरी को अनावश्यक प्रस्तावित यात्रा मार्गों एवं कार्यक्रम स्थलों पर नहीं निकलें, अगर अतिआवश्यक हो तो यातायात पुलिस द्वारा बताए वैकल्पिक मार्गों को उपयोग करें।

आर्मी-डे परेड-2026 महल रोड (जगतपुरा) पर यातायात व्यवस्था

- आर्मी डे परेड के मद्देनजर सुबह 5 से दोपहर 1 बजे तक एनआरआई चौराहे से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड (जगतपुरा) पर सामान्य यातायात का संचालन बंद (निषेध) किया गया है।
- एनआरआई चौराहे से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड (जगतपुरा) पर सामान्य यातायात संचालन निषेध होने से दाएं एवं बाईं तरफ रहने वाले स्थानीय निवासी अपने गंतव्य पर आवागमन के लिए महल रोड के समानांतर मार्गों का प्रयोग कर सकेंगे।
- खातूश्याम सर्किल से एनआरआई चौराहा, अक्षयपात्र की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को एनआरआई चौराहा से डायवर्ट कर हल्दीघाटी मार्ग, वीआईटी रोड पर संचालित किया जा रहा है।
- विधाणी चौराहे की तरफ से बॉम्बे हॉस्पिटल, अक्षयपात्र की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहे से डायवर्ट कर केंद्रीय विहार मार्ग पर संचालित किया जा रहा है।
- यातायात का अत्यधिक दबाव होने पर विधाणी चौराहे की तरफ से बॉम्बे हॉस्पिटल की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को विधाणी चौराहे से डायवर्ट कर महात्मा गांधी रोड की तरफ संचालित किया जाएगा।

- राणा सांगा मार्ग से अक्षयपात्र चौराहा महल रोड की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को द्वारकापुरी सर्किल/गौतम बुद्ध सर्किल से डायवर्ट कर समानांतर मार्गों पर संचालित किया जाएगा।
- गोनेर मार्ग से अक्षयपात्र चौराहा महल रोड की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को डी-मार्ट सर्किल से डायवर्ट कर समानांतर मार्गों पर संचालित किया जाएगा।
- एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड पर खुलने वाले आवासीय कॉलोनी गेट एवं छोटे रास्ते से किसी भी प्रकार का यातायात नहीं आ सकेगा।
- कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले आमजन के वाहन हल्दीघाटी मार्ग एवं राणा सांगा मार्ग से निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क हो सकेंगे।

पांच दिवसीय जेएलएफ होटल क्लार्क आमेर में 15 से

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) कार्यक्रम में देश एवं विदेश से साहित्यकार, लेखक, विशिष्ट, अति विशिष्ट व्यक्ति एवं अत्यधिक संख्या में आम नागरिकों के भाग लेने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान यातायात के सुगम एवं सुरक्षित संचालन के लिए यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार रहेगी।

- कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों के वाहनों की पार्किंग निर्धारित पार्किंग स्थल पार्किंग-1 (श्री विहार कॉलोनी कट के पास खाली भू-खंड) में एवं पार्किंग-2 (पंचशील एनक्लेव कट के पास खाली भू-खंड) में, पार्किंग-3 (गोकुल वाटिका के पास खाली भू-खंड) में तथा पार्किंग-4 (जवाहर सर्किल के पास कोने पर जगतपुरा कट के पास खाली जमीन) में पार्क किए जा सकेंगे।
- ओला उबर के लिए पिक एंड ड्रॉप पॉइंट होटल क्लार्क आमेर मेन गेट से पहले एवं बाद में 20 मीटर की दूरी पर रहेगा। ये वाहन जवाहर सर्किल की तरफ से सर्विस लेन में प्रवेश करेंगे एवं निकास एसएल कट की तरफ सर्विस लेन से रहेगा।

- श्री पंचशील एनक्लेव कट से होटल क्लार्क आमेर के मध्य सर्विस लेन में आवासीय कॉलोनी में रहने वाले निवासियों के वाहनों के अतिरिक्त सभी प्रकार का यातायात प्रतिबंधित रहेगा।
- एसएल कट से होटल क्लार्क आमेर की तरफ सर्विस लेन में यातायात प्रतिबंधित रहेगा।
- एसएल कट से जवाहर सर्किल के मध्य (होटल क्लार्क आमेर की तरफ) सर्विस लेन, मुख्य जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग निषेध रहेगी।
- आपातकालीन सेवाओं के वाहनों का आवागमन निर्बाध रहेगा।

15 जनवरी को शाम 4 बजे एसएमएस स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम के दौरान ऐसे चलेगा यातायात

- यूनिवर्सिटी गेट की तरफ से यूनिवर्सिटी मोड टोंक रोड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को जनता स्टोर से डायवर्ट कर समानांतर मार्गों से निकाला जाएगा।
- टोंक रोड पर चलने वाले यातायात को वाहनों का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को गांधीनगर मोड़ से गांधी सर्किल की तरफ एवं आरबीआई कट से गणेश मंदिर की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।
- वाहनों का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में

जेडीए चौराहे से रामबाग चौराहा की तरफ आने वाले यातायात को कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के अलावा जेडीए चौराहे से गांधी सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

- वाहनों का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में 22 गोदाम सर्किल एवं स्टेच्यू सर्किल से पोलो सर्किल की तरफ आने वाले यातायात को कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के अलावा 22 गोदाम से सहकार मार्ग एवं स्टेच्यू सर्किल से पृथ्वीराज रोड पर डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा।
- वाहनों का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में सहकार मार्ग से विधानसभा की तरफ आने वाले यातायात को कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के अलावा डायवर्ट कर सहकार मार्ग पर संचालित किया जाएगा।
- कार्यक्रम के दौरान रोडवेज बसों का आवागमन नारायण सिंह तिराहे, पृथ्वीराज टी. पॉइंट, पृथ्वीराज रोड, स्टेच्यू सर्किल, पार्क प्राइम, चौमूं हाउस चौराहा से रहेगा।
- कार्यक्रम के दौरान गांधी नगर मोड से नारायण सिंह तिराहा तक टोंक रोड, रामबाग सर्किल से 22 गोदाम सर्किल तक भवानी सिंह रोड़, स्टेच्यू सर्किल से विधानसभा तिराहा तक जनपथ, विधानसभा तिराहा से फ्रूट मंडी कट, टोंक रोड तक पंकज सिंघवी मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग निषेध रहेगी।

ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ का विस्तार, पूजा शर्मा मंत्री एवं वीणा उपाध्यक्ष नियुक्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के संगठन का विस्तार करते हुए जगतपुरा की पूजा शर्मा को प्रदेश महिला मंत्री और वीणा शर्मा को प्रदेश महिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित एसडी शर्मा एवं राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम जैमिनी के निर्देशानुसार की गई है। प्रदेश महिला अध्यक्ष अरुणा गौड़ ने आधिकारिक रूप से पूजा शर्मा और वीणा शर्मा के नाम की घोषणा करते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। इनकी नियुक्ति पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। प्रदेश महिला अध्यक्ष अरुणा गौड़ ने विश्वास जताया कि इनके नेतृत्व और सक्रियता से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और महिला सशक्तिकरण के कार्यों में तेजी आएगी।

एयरबीएनबी पर मिलेगा सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ मुंबई को लोकल्स की तरह की महसूस करने का मौका

मुंबई (महानगर टाइम्स संवाददाता)। भारत में जेन जेड के ट्रैवल पर म्यूजिक का गहरा असर दिख रहा है। 2026 में 77 प्रतिशत जेन जेड ने अपनी ट्रिप्स को कंसर्ट और फेस्टिवल्स के हिसाब से प्लान किया है। इसी रुझान को देखते हुए, एयरबीएनबी इन प्रशंसकों को उनकी पसंदीदा दुनिया के और करीब ला रहा है।

लोलापलूजा के साथ अपनी ग्लोबल लाइव म्यूजिक पार्टनरशिप के तहत एयरबीएनबी ने अभिनेता, संगीतकार और सांस्कृतिक आवाज बन चुके सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'लोला इंडिया लाइक ए लोकल' की मेजबानी करने के लिए साझेदारी की है। यह मुंबई में एयरबीएनबी का एक्सक्लूसिव ओरिजिनल एक्सपीरियंस है। एयरबीएनबी में इंडिया एंड साउथईस्ट एशिया के कंट्री हेड अमनप्रीत बजाज ने कहा, 'एयरबीएनबी में हम जानते हैं कि आज के ट्रैवलर्स किसी नए शहर को खोजने के मौके से उतने ही मोटिवेटेड होते हैं, जितना कि वन्स-इन-ए-लाइफटाइम एक्सपीरियंस से। लाइव म्यूजिक जैसे पल अक्सर इस सफर की शुरुआत करते हैं, लेकिन आसपास के मोहल्लों, होस्ट और रोजमर्रा के अनुभव सफर को यादगार बनाते हैं। 'लोला इंडिया लाइक ए लोकल' के साथ सिद्धांत इस सोच को सच कर रहे हैं। इसके माध्यम से वह मेहमानों को अपनी नजरों से मुंबई को अनुभव करने का एक अनोखा मौका दे रहे हैं, जिसमें म्यूजिक, कल्चर और उस शहर का लोकल कनेक्शन शामिल है, जिसके लिए एयरबीएनबी को जाना जाता है।' एक खास और वन्स-इन-ए-लाइफटाइम एक्सपीरियंस के रूप में डिजाइन किए गए इस आयोजन से मेहमानों को उस शहर को करीब से जानने का मौका मिलेगा, जिसने सिद्धांत की पहचान बनाई है। उन्हें वहां सिद्धांत की पसंदीदा जगहों, खानपान, म्यूजिक और क्रिएटिव स्पेस को देखने का मौका मिलेगा। और फिर लोलापलूजा इंडिया के साथ दिन के आखिर में यह सफर के जादू को महसूस कर सकेंगे। इस गठजोड़ के केंद्र में है मुंबई गाइडबुक: यह डिजिटल सिटी गाइड है, जिसे सिद्धांत चतुर्वेदी ने क्यूरेट किया है खास लोलापलूजा इंडिया 2026 के दौरान मुंबई आने वाले ट्रैवलर्स के लिए। उन्हें प्रेरित करने वाले शहर को ध्यान में रखकर तैयार गाइडबुक में सिद्धांत की पसंदीदा जगहों, लोकल स्पॉट्स और एयरबीएनबी की चुनिंदा ठहरने की जगहों को शामिल किया गया है, जिनसे शहर का असली रंग निखरकर सामने आता है। भारत में 76 प्रतिशत जेन जेड ट्रैवलर्स का कहना है कि वह पहली बार किसी कंसर्ट या फेस्टिवल की वजह से ही इस शहर में आए हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः- मेड/आ.छा./मान्यता/पैथोलोजी/2026
दिनांकः 14.01.2026

निरस्तीकरण सूचना

मंडल रेल चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे आगरा में बहिस्रोतों द्वारा पैथोलोजी जाँच सेवाएँ प्रदान करने के सम्बन्ध में EOI/विज्ञापन संः- पत्रांक मेड /आ.छा/मान्यता /डाइग्नोस्टिक/2025 दिनांक 30/10/2025 जो कि समाचार पत्र दिनांक 31/10/2025 में प्रकाशित हुआ था उसको एवं इससे सम्बंधित अग्रिम कार्यवाही को कुछ अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। इस कार्य हेतु अलग से विज्ञापन प्रकाशित कराने की प्रक्रिया शीघ्र ही की जाएगी। 2042/25 (MG)

www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 09/2026/D-155
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 271499 दिनांक 13/12/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र.सं	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Prem Devi Meena W/o Babu Lal Meena एवं Babu Lal Meena S/o Nathu Lal Meena	श्रीमती हेमलता पारवानी पत्नी स्व. श्री नरेन्द्र पारवानी	4	177.19 SQ. Yard	Private	Royal Court Sector/ Block-	Name Transfer	निजी खातेदारी - योजना रॉयल कोर्ट श्री गोविन्दपुरा के भूखण्ड संख्या 04 क्षेत्रफल 177.19 व.मी. की लीज डीड श्रीमती हेमलता पारवानी पत्नी स्व. श्री नरेन्द्र पारवानी के पक्ष में

दिनांक 12.02.2021 को जारी की गई है। तत्पश्चात श्रीमती हेमलता पारवानी द्वारा श्रीमती कविता कौशिक पत्नी श्री मनीष कौशिक पुत्री श्री भोजराज संगतानी के पक्ष में रजिस्टर्ड उपहार पत्र दिनांक 20.06.2022 एवं शुद्धवी पत्र नाप नहीं दर्शाने के कारण दिनांक 19.05.2025 को निष्पादित किया गया है। श्रीमती कविता कौशिक द्वारा श्रीमती प्रेम देवी मीना को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 02.07.2025 के द्वारा विक्रय किया गया है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

भागवत कथा में रुक्मणि विवाह महोत्सव मनाया

सभी को अपने ईष्ट पर सदैव भरोसा रखना चाहिए : मृदुल कृष्ण महाराज

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने की शिरकत

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। श्री गिर्राज संघ परिवार विश्वकमा के 27वें वार्षिकोत्सव पर विद्याधर नगर के सेक्टर-7 में चल रहे 108 श्रीमद्भगवद् कथा ज्ञानयज्ञ समारोह के छठवें दिन बुधवार को भक्तों को कथा व्यास आचार्य मृदुल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने महारास कथा, मथुरा गमन व रुक्मणि विवाह महोत्सव की कथा सुनाई जिसे सुन श्रद्धालु भाव-विभोर उठे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व उनकी पत्नी गीता शर्मा व उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने भी कथा सुनी और आचार्य मृदुल कृष्ण से आशीर्वाद लिया। इसके अलावा श्रीगोविंददेव मंदिर के महंत अंजनी कुमारी गोस्वामी का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाराज ने कहा कि सभी को अपने ईष्ट पर सदैव भरोसा रखना चाहिए। वह अपने भक्तों की सदैव रक्षा करते हैं। संसार आपका भरोसा तोड़ सकता है परंतु ठाकुर जी कभी भी भरोसा नहीं तोड़ सकते हैं। श्री गिर्राज संघ परिवार अध्यक्ष राम रतन अग्रवाल व महामंत्री गिरीश अग्रवाल ने बताया कि कि महोत्सव के अंतिम दिन गुरुवार को सुदामा चरित्र व नवयोगेश्वर संवाद व परीक्षित मोक्ष की कथा के साथ पूर्णाहुति होगी।

मांझे की डोर से घायल परिंदों की बचाई जान

जयपुर(महानगर टाइम्स संवाददाता)। मकर संक्रांति पर मांझे और पतंग से घायल होने वाले पक्षियों के प्राथमिक उपचार के लिए राजधानी में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से पक्षी सहायता शिविर लगाए गए। यहां बड़ी संख्या में घायल पक्षियों की प्राथमिक चिकित्सा कर पूरी सावधानी के साथ पक्षी चिकित्सालय भेजा गया। पक्षी प्रेमी अलग-अलग स्थानों से घायल पक्षियों को लेकर इन शिविरों में पहुंचे।

कई संस्थाओं ने अपनी ओर से भी घायल पक्षियों को लाने के लिए राइडर तैनात रखे। इसी कड़ी में कर्म योग सेवा ट्रस्ट की ओर से चांदपोल बाजार में 11वां पक्षी सहायता केंद्र लगाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. उमेश व्यास ने बताया कि शिविर में घायल पक्षियों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराकर तत्काल पशु चिकित्सालय तक पहुंचाया गया जिससे पूरी चिकित्सा मिलने पर उनकी जान बच गई। समाजसेवी चेतन अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, बंसी लाल परिहार, महेश अग्रवाल सहित अन्य ने शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाई। छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, रामगंज, सीकर रोड, गलता गेट, प्रतापनगर, सांगानेर, मानसरोवर सहित अन्य स्थानों पर सौ से अधिक पक्षी सहायता शिविर लगाए गए।

45 से अधिक घायल पक्षियों का हुआ उपचार

एनवायरमेंट एण्ड वाइल्डलाइफ केयर सोसायटी की ओर से जवाहर नगर मे लगाए गए शिविर में 45 से ज्यादा घायल पक्षियों का इलाज किया गया। शिविर में चाइनीज मांझे, विद्युत तारों एवं अन्य कारणों से घायल पक्षियों का रेस्क्यू कर उपचार किया गया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष आशीष मेहता, उपाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, संरक्षक डॉ. विकास शर्मा, सचिव अक्षय गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष सुदर्शन कर्णावट टीम के साथ मौजूद रहे। शिविर में पशु चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की टीम द्वारा विभिन्न प्रजातियों के घायल एवं बीमार पक्षियों की गहन जांच कर उनका उपचार किया गया।

राजस्थान आवासन मण्डल. वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक 9691 दिनांक -13/01/26
जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 64/37 (MIG-A), (एरिया 105,000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन **श्री राजेश वल्लभ मिश्रा पुत्र श्री अनन्त वल्लभ मिश्रा** को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 740 दिनाक 24.04.1993 को जारी किया गया। **श्री राजेश वल्लभ मिश्रा** की पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 18.03.2008 को उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। **श्री राजेश वल्लभ मिश्रा** द्वारा **श्री राकेश शर्मा पुत्र श्री नोरंग लाल शर्मा** की दिनांक 19.03.2008 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। **श्री राकेश शर्मा** द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 13.08.2008 के द्वारा **श्रीमती मंजु शर्मा पत्नी श्री श्रीकृष्ण शर्मा** को विक्रय कर उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। **श्रीमती मंजु शर्मा** द्वारा उक्त आवास को दिनाक 17.06.2009 के द्वारा **1. श्री ब्रजेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री कामता प्रसाद अग्रवाल 2. श्रीमती बबली अग्रवाल पत्नी श्री ब्रजेश कुमार एवं 3. श्रीमती उमा भारद्वाज पत्नी श्री रजनीश भारद्वाज** को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया।

1. श्री ब्रजेश कुमार अग्रवाल 2. श्रीमती बबली अग्रवाल एवं 3. श्रीमती उमा भारद्वाज द्वारा उक्त आवारा को दिनांक 09.12.2009 के द्वारा 1. **श्रीमती संगीता खण्डेलवाल पत्नी श्री राजीव खण्डेलवाल एवं 2. श्रीमती रिचा चौधरी पत्नी श्री आलोक चौधरी** को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/ क्रेती **1. श्रीमती संगीता खण्डेलवाल पत्नी श्री राजीव खण्डेलवाल एवं 2. श्रीमती रिचा चौधरी पत्नी श्री आलोक चौधरी** द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, **1. श्रीमती संगीता खण्डेलवाल पत्नी श्री राजीव खण्डेलवाल एवं 2. श्रीमती रिचा चौधरी पत्नी श्री आलोक चौधरी** का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल,जयपुर

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक : मेड/आ.छा./मान्यता/अल्ट्रासाउंड/2026
दिनांक : 14.01.2026

निरस्तीकरण सूचना

मंडल रेल चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, आगरा में बहिर्स्रोतों द्वारा अल्ट्रासाउंड जाँच सेवाएँ प्रदान करने के सम्बन्ध में EOI/विज्ञापन संः- पत्रांक मेड/आ.छा./मान्यता/अल्ट्रासाउंड/2025 दिनांक 30.10.2025 जो कि समाचार पत्र दिनांक 01.11.2025 में प्रकाशित हुआ था उसको एवं इससे सम्बंधित अग्रिम कार्यवाही को कुछ अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। इस कार्य हेतु अलग से विज्ञापन प्रकाशित कराने की प्रक्रिया शीघ्र ही की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
मंडल रेल चिकित्सालय,
उत्तर मध्य रेलवे, आगरा

2043/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नंबर: DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1152

चूंकि प्रार्थी श्री **किरण देवी, प्लॉट नंबर-7, गांधी नगर मोड, औझाजी का बाग, टोंक रोड, जयपुर-302015** ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास **टीम आगाज फिटनेस ऑर्गनाईजेशन, प्लॉट नंबर-7, गांधी नगर मोड, औझाजी का बाग, टोंक रोड, जयपुर-302015** के संबंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी-20.03.2026
मुहर

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सम्पत्ति प्लाट नम्बर 57, विनायक धाम, मन्शारामपुरा, निवारू रोड, जयपुर में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 100 वर्गगज है। यह कि उक्तवर्णित प्लाट खोरा मीणा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा जरिये आवंटन पत्र दिनांक 11.03.2016 के द्वारा श्री अम्बिका प्रसाद अग्रवाल को आवंटित किया गया था तत्पश्चात उक्त समिति द्वारा उक्तवर्णित प्लाट श्री मालीराम बुनकर के नाम से दिनांक 21.03.2022 को हस्तान्तरित कर दिया गया। तत्पश्चात श्री मालीराम बुनकर का स्वर्गवास दिनांक 05.01.2024 को निर्वसियत हो गया। श्री मालीराम बुनकर के स्वर्गवास के पश्चात उनके वारिसान श्रीमती पूजा बुनकर, श्रीमती आरती, श्री दीप कुमार बुनकर एवं श्री रोशन कुमार बुनकर के उक्त वर्णित प्लाट में से अपना अपना अविभाजित हिस्सा जरिये पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 09.12.2025 के द्वारा श्रीमती चन्दा देवी के हित में त्याग कर दिया। उक्त वर्णित प्लाट को श्रीमती चन्दा देवी से क्रय करने हेतु श्रीमती बबीता द्वारा मेरी अभिभाष्या Piramal Finance Limited से ऋण प्राप्त किया जा रहा है। उक्त ऋण के बाबत किसी भी व्यक्ति, वारिसान, संस्था, बैंक या अन्य किसी को भी किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस मय साक्ष्य सम्पर्क करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधिनुसार शून्य होगी।

गिर्राज शर्मा एडवोकेट
204, सैकिण्ड फ्लोर जवाहर टावर,
गायत्री मार्ग, बनीपार्क, जयपुर। मो. 9828126100

'पीएम मोदी के विजन के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला हो केंद्रीय बजट'

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि आने वाला केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला होना चाहिए। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त, पारदर्शी और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप कैट ने ऐसे सुझाव दिए हैं, जो व्यापार को सम्मान, सरलता, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करते हैं।

खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, वोकल फॉर लोकल, लोकल फॉर ग्लोबल, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश के व्यापारिक वातावरण को नई दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि आगामी बजट में इन पहलों को और मजबूत किया जाए। कैट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष चंद्र अग्रवाला ने बताया कि कैट की ओर से दिए गए प्रमुख सुझावों में ट्रस्ट आधारित व्यापार व्यवस्था के अंतर्गत छोटे व्यापारियों के लिए सिंगल विंडो कंप्लायंस सिस्टम, अनावश्यक नोटिस व निरीक्षण पर रोक तथा व्यापारिक कानूनों के डिक्रिमिनलाइजेशन को तेजी से लागू करने की मांग की गई है। कैट ने वन नेशन-वन लाइसेंस-वन रजिस्ट्रेशन की अवधारणा को लागू करने, सभी व्यापारिक लाइसेंसों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जारी करने तथा ऑटो-रिन्यूअल की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया है।

पीएम के डिजिटल इंडिया विजन को आगे बढ़ाते हुए कैट ने पारंपरिक व्यापार को आधुनिक बनाने के लिए टेक्नोलॉजी एडॉप्शन इंसेंटिव स्कीम, व्यापार को डिजिटल करने वाले उपकरणों पर सब्सिडी व टैक्स छूट तथा डिजिटल दुकान मिशन शुरू करने की सिफारिश की है। सुभाष चंद्र अग्रवाला ने कहा कि ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स में भारी डिस्काउंटिंग, प्रीडेटरी प्राइसिंग और विदेशी फंडिंग से होने वाली अनुचित प्रतिस्पर्धा पर तत्काल नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय से हर ई कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनी को अनिवार्य पंजीकरण, समान नियम, कड़ी निगरानी तथा फेयर ट्रेड कोड लागू करने का सुझाव दिया गया है ताकि छोटे रिटेलर्स के हित सुरक्षित रह सकें। कैट ने ईमानदार टैक्सपेयर्स को प्रोत्साहन देने के लिए टैक्सपेयर रेटिंग सिस्टम, कम स्क्रूटनी, फास्ट ट्रैक रिफंड और सस्ते ऋण की सुविधा देने की भी मांग की है। खंडेलवाल ने तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए व्यापारी नेताओं ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा हेतु साइबर फ्रॉड प्रोटेक्शन फंड, त्वरित मुआवजा व्यवस्था, सख्त डेटा प्रोटेक्शन कानून और बैंकिंग व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर डेटा दुरुपयोग पर रोक अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक समुदाय देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

निवर्तमान महापौर कुसुम यादव का मनाया जन्मदिन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। निवर्तमान महापौर कुसुम यादव का जन्मदिन बुधवार को धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर कुसुम यादव ने विभिन्न मंदिरों में जाकर धोक लगाई और प्रदेश की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, पार्षदों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी भाग लिया। सभी ने उन्हें दीर्घायु, स्वस्थ जीवन और सफल राजनीतिक यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 11/2026/D-202
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 273753 दिनांक 24/12/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Ram Krishna Sharma S/o Damodhar Prasad Sharma	श्री संदीप रावत पुत्र श्री राधा मोहन रावत	11/OB/964	12.50 Sq. Meter	JDA	Ring Road Project (Zone-11 Sector/ Block-Size 12.5 Sqm (All Blocks)	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta)	एक बार से अधिक बेचान एवं रजि. विक्रय पत्रों के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष मेंIssue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 22/2026/D-7
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 272543 दिनांक 18/12/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Anita Jain S/o Naresh Kumar Jain एवं Kalpant Jain Naresh Kumar Jain	श्री नरेष कुमार जैन पुत्र श्री प्रेमचंद जैन	242	45.00 Sq. Meter	JDA	Rohini Enclave Sector/ Block-G	Name Transfer	आवेदन पत्र, लीजडीड, मृत्यु प्रमाण मृत्यु के संबंधित होने के कारण विज्ञप्ति का प्रकाषन करवाया जाना प्रस्तावित है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 22/2026/D-8
आम सूचनाः- आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 266508 दिनांक 12/11/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स. निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Ashok Kumar Sewani S/o S/o, Kodumal	श्रीमती श्वेता गुप्ता पत्नी श्री गौरव गुप्ता	275	195.00 Sq. Meter	Private	Balaji Greens Sector/ Block-	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta)	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष मेंIssue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

पंत्राक : DRM/C/AGRA/PARKING/E-AUCTION/2026 दिनांक : 12.01.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक-आगरा के द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है-

श्रेणी : पार्किंग	कैटलॉग संख्या : PARKING-MTJ-26
एसेंट्स डिटेल्स : मथुरा जं0 रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार पर बस, ऑटो एवं रेडियो कैब (कार) पार्किंग स्टैण्ड सर्कुलेटिंग एरिया।	
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 28.01.2026 समय : 12:00	
ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 28.01.2026 समय : 12:30	

नोट - उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन बेवसाइट www.ireps.gov.in E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपयुक्त कैटलॉग सख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। 73/26 (AS)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है
श्रीमान राजकुमार जी टाक
पुत्र स्वर्गीय **श्री शक्ति सिंह जी तामरा** का आकिस्मक निधन हो गया है। तीये की बैठक 15/01/2026 को अपराह्न 3 से 4 बजे तक राधा गोविंद मंदिर, रजत पथ, मानसरोवर जयपुर में रखी गई है।

शोकाकुल परिवार : राजेन्द्र जी, अरुण जी, अनिल जी, नवीन जी (भ्राता)। अनिता (धर्मपत्नी), श्रुति - अमित जी श्रीवास्तव (पुत्री-दामाद) अंकित (पुत्र)।
मो. न. 9116700722

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।
facebook YouTube twitter

बाइक पर लिफ्ट देने के बहाने दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला को लूटा

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में दिन-दहाड़े बुजुर्ग महिला से लूट का मामला सामने आया है। लिफ्ट देने के बहाने बाइक पर बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया। बदमाश सुनसान जगह ले जाकर धमकी देकर गहने उतरवाकर छीन ले गया। इस पर पीड़ित महिला के पोते ने शिवदासपुरा थाने में बाइक सवार लुटेरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। एएसआई राजाराम ने बताया कि शिवदासपुरा के यारलीपुरा निवासी दौलत गुर्जर ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी दादी फूमा देवी के साथ लूट की वारदात हुई है। फूमा देवी शीतला माता मंदिर गई थी। घर छोड़ने के बहाने एक व्यक्ति ने लिफ्ट देने की कहकर फूमा देवी को बाइक पर बैठा लिया। इसके बाद गांव यारलीपुरा में टोंक रोड पुलिया के नीचे सुनसान जगह उसने बाइक रोकी और बुजुर्ग महिला को धमका कर सोने के कानों के टॉप्स और नाक की बाली उतरवाकर छीन ले गया। जैसे-तैसे घर लौटी बुजुर्ग फूमा देवी ने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद पीड़ित महिला के पोते ने शिवदासपुरा थाने मेंमामला दर्ज करवाया। पुलिस वारदात स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही लुटेरे की तलाश कर रही है।

नशे में चोरी के वाहन खड़े कर भूले, शौक पूरा करने को बने चोर

संगठित गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार, चुराई गई बाइक-स्कूटी से देते थे वारदात को अंजाम

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह बदमाश चुराई गई बाइक और स्कूटी का इस्तेमाल लूट की घटनाओं को अंजाम देने के लिए करते थे। लूट और चोरी से मिले सामान को वे कबाड़ियों को बेचकर अपने शौक पूरे करते थे। पुलिस ने आरोपियों से चोरी की 5 गाड़ियां बरामद की हैं। पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने कबूल किया कि स्मैक के नशे में वे चुराए गए कई वाहनों को खड़ा करके भूल जाते थे। डीसीपी ईस्ट संजीव नैन ने जानकारी दी कि चोरी और लूट के इस संगठित गिरोह के सदस्य वसीम खान निवासी सांगानेर मालपुरा गेट और गौरव सिंधी उर्फ गोलू निवासी सेक्टर-6 जवाहर नगर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चुराई गई 4 स्कूटी और एक बाइक जब्त की है। डीएसटी ईस्ट के

एसआई बन्ना लाल की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से छापेमारी कर दोनों अपराधियों को पकड़ा है। गिरफ्तार दोनों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह स्मैक पीने के शौकीन है।

स्मैक नशे की लत के कारण वे वाहन चोरी व लूट की वारदात को अंजाम देते हैं। चुराए गए बाइक-स्कूटी से मोबाइल-पर्स स्नैचिंग की वारदात करते थे। चुराए वाहन और लूटे माल को कबाड़ी व राहगीरों से औने-पौने दाम में सौदा कर बेच देते थे। उससे मिले रुपयों से स्मैक पीने का शौक पूरा करते। पूछताछ में ये भी सामने आया है कि चुराई गई स्कूटी-बाइक का पेट्रोल खत्म होने पर उसे सुनसान जगह छोड़ देते थे, फिर दूसरी स्कूटी-बाइक चोरी कर लेते। स्मैक का ज्यादा नशा होने के कारण जगह का पता नहीं होता। वाहन चोरी की जगह और कई चुराए गए वाहनों को खड़ी करने वाली जगह वे भूल जाते हैं। उन्होंने जयपुर शहर में अब तक एक दर्जन से अधिक वारदात करना कबूली है।

शादी के 10 महीने बाद ही विवाहिता ने फंदा लगा किया सुसाइड

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में विवाहिता ने अपने कमरे में फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। उसकी 10 महीने पहले ही शादी हुई थी। सूचना पर पहुंची दौलतपुरा थाना पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है।

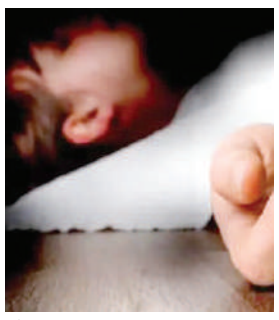

एसएचओ दौलतपुरा सुनील गोदारा ने बताया कि आंधी की रहने वाली मोनिका शर्मा पुत्री गोपाल शर्मा ने सुसाइड किया है। अप्रेल-2025 में उसकी शादी फाइनेंस कंपनी में जॉब करने वाले विष्णु शर्मा निवासी ब्राह्मणों की ढाणी चौप दौलतपुरा से हुई थी। परिवार के सदस्य खेत पर गए हुए थे। पीछे से उसने अपने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिवार शाम को घर लौटा तो गेट बंद मिला। गेट तोड़कर अंदर जाने पर कमरे में मोनिका फंदे से लटकी मिली। सुसाइड की सूचना पर दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका-मुआयना कर शव फंदे से नीचे उतारा, इसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल की मोर्चरी भिजवाया। पुलिस ने मृतका के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से मना किया है। पुलिस सुसाइड के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

कानून का डर दिखा मारपीट कर धमकाया, छीने 2 लाख रुपए

पुलिस कांस्टेबल और ड्राइवर ने दिया लूट की वारदात को अंजाम

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर में ईआर (पुलिस गाड़ी) में तैनात पुलिस कांस्टेबल और प्राइवेट ड्राइवर के लूट की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। कानून का डर दिखाकर मारपीट कर डरा-धमकाकर आदर्श नगर निवासी फैजान कुरैशी से 2 लाख रुपए छीन लिए। झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पुलिसकर्मी ने उसे भगा दिया।

एचएचओ अजयकांत रतूड़ी ने बताया कि लूट मामले में आरोपी शुभम मीना निवासी कोटपूतली बहरोड और सुरेन्द्र शर्मा निवासी डाहर चाकसू को अरेस्ट किया है। लूट की वारदात करने वाला आरोपी शुभम मीना पुलिस लाइन में कांस्टेबल के पद पर तैनात है।

वहीं, आरोपी सुरेन्द्र शर्मा पुलिस लाइन के वाहन ईआर-112 पर प्राइवेट ड्राइवर है। पीड़ित फैजान कुरैशी ने बताया कि 13 जनवरी को जगतपुरा में चिकन का पेमेंट लेकर घर आ रहा था। भौमियाजी की छतरी के पास पुलिस की गाड़ी में मौजूद कांस्टेबल और ड्राइवर ने रोक लिया। पूछताछ के बाद गाड़ी में जबरन बैठा लिया। जेब में रखे 1.95 लाख रुपए और मोबाइल रख लिया। डराने-धमकाते हुए मारपीट की। कुछ देर बाद मोबाइल लौटाकर भाग जाने के लिए कहा। रुपए मांगने पर मारपीट कर झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर भगा दिया। पीड़ित फैजान ने आरोपी पुलिस कॉन्स्टेबल शुभम मीणा और ईआर ड्राइवर सुरेंद्र शर्मा के खिलाफ बुधवार सुबह रिपोर्ट दी। पुलिस की ओर से तुरंत कार्रवाई कर जांच के बाद दोनों आरोपियों को बुधवार रात अरेस्ट कर लिया।

28 हजार की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

अजमेर। एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिविल लाइन थाने के एएसआई को 28 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत की रकम में 8 हजार रुपए डमी थे। आरोपी एएसआई हरिराम यादव ने रिश्वत की यह रकम परिवादी की ओर से दर्ज मुकदमे में कोर्ट में चालान पेश करने की एवज में ली थी।अजमेर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो विशेष यूनिट में निरीक्षक मीरा बेनीवाल ने बताया कि विभाग को एक शिकायत परिवादी ने इस आशय की थी कि परिवादी की ओर से दर्ज प्रकरण में चालान पेश करने की एवज में 13 जनवरी को एएसआई यादव ने 70 हजार रुपए रिश्वत की डिमांड की थी। परिवादी की शिकायत का सत्यापन भी करवाया गया।

बदमाशों ने पुलिसकर्मी को पिस्टल दिखाकर जान से मारने की दी धमकी

कार नहीं रोकने पर गाड़ी आगे लगाकर रोकने का प्रयास, गाली-गलौज की

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में कार सवार तीन बदमाशों के पुलिसकर्मी का पीछाकर और पिस्तौल दिखाकर धमकाने का मामला सामने आया है। बदला लेने के चलते बदमाशों ने कार लगाकर उसकी गाड़ी रोकनी चाही। नहीं रुकने पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। प्रताप नगर थाना पुलिस ने बदमाशों को चिह्नित कर लिया है, जल्द उन्हें गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि टोंक के दत्त वास निवासी मुकेश कुमार ने प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह जवाहर नगर थाने में पुलिस कांस्टेबल के पद पर तैनात है। ड्यूटी पूरी कर वह अपनी कार से सीतापुरा स्थित घर जा रहा था। इसी दौरान प्रताप नगर के 7 नंबर चौराहे पर एक कार में सवार तीन युवकों ने हाथ का इशारा कर उसे रोकने की कोशिश की। कार नहीं रोकने पर बदमाशों ने गाड़ी आगे लगाकर उसे रोकना चाहा। गाड़ी में बैठे बदमाशों ने गाली-गलौज कर कार रोकने का दबाव बनाया। कार

नहीं रोकने पर पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इस पर पुलिस कांस्टेबल मुकेश ने तुरंत प्रताप नगर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने से पहले ही बदमाश वहां से कार लेकर फरार हो गए। बदमाशों की कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर बदमाशों को चिह्नित कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक वारदात में एक महिला पुलिस कांस्टेबल का पति शामिल है। महिला पुलिस कांस्टेबल पर कार्रवाई को लेकर कांस्टेबल मुकेश कुमार का हाथ होना मान रहे थे। इसके चलते ही घर जाते समय रास्ते में कांस्टेबल मुकेश के दिखने पर बदला लेने के लिए पीछा किया गया। हालांकि, पुलिस जल्द अरेस्टिंग कर मामले का पूरी तरह से खुलासा करेंगी।

पेड़ से टकराई कार, खाटूश्यामजी जा रहे दो श्रद्धालुओं की मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। रींगस कस्बे में बुधवार सुबह मथुरा से खाटूश्यामजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की बेकाबू कार पेड़ से टकरा गई, जिससे रेस्टोरेंट संचालक सहित 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस को आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने की वजह से कार अनियंत्रित हो गई। रींगस पुलिस थाने के एएसआई सांवताराम ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 4.30 बजे रींगस से खाटूश्यामजी जाने वाली रोड पर होटल माखन मटकी के पास हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो कार

सड़क किनारे पेड़ से टकराई मिली। हादसे में मथुरा निवासी रिंकू सैनी और अमित की मौत हो गई। घायलों में से तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीकर के एसके हॉस्पिटल रैफर किया गया है। सांवताराम ने बताया कि हादसे में गाड़ी ड्राइवर दुर्गेश, अजय, केवल व विनोद घायल हुए हैं। दोनों शवों को रींगस हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मथुरा से परिजनों के यहां पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। कार सवार सभी एक-दूसरे के परिचित थे। रिंकू सैनी मथुरा में खुद का रेस्टोरेंट चलाता था। अमित हेल्पर था। मकर संक्रांति का त्योहार होने के चलते सभी ने खाटूश्यामजी के दर्शन करने का प्लान बनाया था। सभी श्रद्धालु मथुरा से रवाना हुए थे। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त कार को थाने लेकर आई है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से मार्बल व्यापारी से मांगे 20 करोड़ रुपए

महानगर टाइम्स संवाददाता

अजमेर। किशनगढ़ के मदनगंज इलाके में गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से मार्बल बिजनेसमैन से फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाले ने कहा कि 20 करोड़ रुपए दे दो, नहीं तो घर के आगे बंकर की व्यवस्था कर लो। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मार्बल व्यापारी सतीश अग्रवाल ने थाने में रिपोर्ट दी है। अग्रवाल ने ने बताया कि दो दिन पहले रोहित गोदारा गैंग की तरफ से कॉल आया था। कॉल पर 20 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। सामने वाले व्यक्ति ने अपना नाम रोहित गोदारा बताया। इसके बाद

कॉल कट गई। इसके फौरन बाद वापस कॉल आया। रिसीव करने पर सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि मैं रोहित गोदारा बोल रहा हूं। सतीशजी नमस्कार कैसे हो। मैं कुछ बोल पता उससे पहले सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि 20 करोड़ रुपए की आपकी फिरौती है। एक दिन का समय है आपके पास। नहीं तो जीवन की उल्टी गिनती चालू हो जाएगी। भाईचारे से काम निपटा लो। नहीं तो घर के बाहर बड़े बंकर की व्यवस्था कर लो। गार्ड भी ले लो। आपके पास ऑडियो भी भेज रहा हूं। सतीश अग्रवाल ने बताया कि इसके बाद वॉयस मैसेज आया, उसमें भी यही बात कही जा रही थी। किशनगढ़ मार्बल-ग्रेनाइट की सबसे बड़ी मंडी है, जहां बड़ी संख्या में कारोबारी हैं। यह पहला मौका है जब किसी कारोबारी को इस तरह की गैंग से फिरौती की धमकी मिली है, जिससे स्थानीय व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने बताया कि संबंधित कारोबारी की कॉल में हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग का सत्यापन किया जा रहा है। मामले की पूरी तरह गोपनीय तरीके से जांच पड़ताल की जा रही है। सीआई ने कहा कि जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

किडनैप कर चलती कार में छात्रा से गैंगरेप करने वाले गिरफ्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

बीकानेर। नापासर थाना इलाके में 12वीं कक्षा की छात्रा को किडनैप कर चलती कार में गैंगरेप करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक युवक को गुजरात के गांधी नगर से पकड़ा है, जबकि दूसरे को बीकानेर से ही दबोच लिया गया।

गंगाशहर सीआई हिंमाशु शर्मा ने बताया कि छात्रा को स्कूल जाते समय दो युवक रास्ते से जबरन उठाकर कार में ले गए और चलती कार में गैंगरेप किया। शक होने पर गांव के लोगों ने रोका, लेकिन युवक कार व लड़की को छोड़कर भाग गए। लड़की को नीचे उतारकर परिजनों को सूचना दी गई। लड़की के घर वाले मौके पर पहुंचे और उसे अपने साथ ले गए। गंगाशहर सीआई हिमांशु शर्मा ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी वकील पुत्र हड़मान जांगू बस से गुजरात भाग गया था, जिसे गांधीनगर से गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, आरोपी हंसराज पुत्र छगनाराम को बीकानेर से पकड़ा गया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और प्रकरण से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। लड़की का मेडिकल मुआयना करवा लिया गया है। घ्पुलिस मौके का मुआयना भी कर चुकी है। दोनों आरोपी लड़की से पहले से परिचित थे। इसी दौरान लिफ्ट के बहाने उसे कार में बैठाया और किडनैप कर घुमाते रहे।

करीब डेढ़ घंटे तक सड़क पर चलती कार में ही बारी-बारी से दुष्कर्म किया गया। आरोपियों ने छात्रा को रेप के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। डर के कारण वह चार दिन तक चुप रही और परिवार को कुछ नहीं बताया। बार-बार पूछने पर छात्रा ने पूरा घटनाक्रम बताया। इसके बाद मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पुलिस कस्टडी में लिया गया। फिलहाल पुलिस कार जब्त करने के साथ ही घटनास्थल पर हुए पूरे घटनाक्रम का रिकॉर्ड तैयार कर रही है, ताकि जल्द से जल्द चालान पेश किया जा सके।

गोली मारकर श्वान की हत्या, संदिग्ध लोगों से की जा रही पूछताछ

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। दादिया थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में गोली मारकर एक श्वान की हत्या करने की घटना सामने आई है। श्वान के शव का पोस्टमॉर्टम पूरा हो चुका है और एक युवक ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस कई संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो से पुलिस को जानकारी मिली

कि एक श्वान का शव पड़ा हुआ है, जिसके शरीर से खून बह रहा था। सूचना मिलते ही दादिया थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। वहां श्वान के शव पर गोली लगने के निशान साफ दिखाई दे रहे थे और उन जगहों से खून निकल रहा था। दरअसल रामनगर में राजेंद्र व सुरेंद्र दो सगे भाईयों के मकान हैं, जिनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि श्वान लहूलुहान हालत में दौड़ता हुआ आया और थोड़ी देर बाद ही उसकी मौत हो गई। रामनगर में रहने वाले दो सगे भाइयों के मकानों के पास यह घटना हुई। पुलिस ने शव को मौके से बरामद किया और उसे सीकर के पशु चिकित्सालय में भेजा, जहां पोस्टमॉर्टम कराया गया। पोस्टमॉर्टम से पता चला कि श्वान के शरीर में तीन से चार जगह गोली लगी थी, जो आर-पार हो गईं। हालांकि, डिटेल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट अभी आनी बाकी है।

नगर परिषद से बकाया भुगतान नहीं मिलने पर फंदे से झूला ठेकेदार

35 लाख का बिल पास कराने के लिए चक्कर काटते-काटते हो गया था परेशान

महानगर टाइम्स संवाददाता

झालावाड़। नगर परिषद से बकाया भुगतान नहीं मिलने से परेशान ठेकेदार ने बुधवार सुबह शहर के एक होटल में सुसाइड कर लिया। उसका का शव फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को झालावाड़ अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। परिजनों ने बताया कि प्रवीण चतुर्वेदी लंबे समय से बकाया भुगतान को लेकर मानसिक तनाव में थे। कोतवाली सीआई मुकेश ने बताया कि कोटा रोड स्थित एक निजी होटल से सूचना मिली कि रूम सर्विस के लिए रूम में रुका गेस्ट कमरा नहीं खोल रहा है, ना ही आवाज देने पर कोई जवाब मिल रहा है। कोतवाली पुलिस जब मौके पर पहुंची तो कमरा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। वहां प्रवीण चतुर्वेदी का शव पंखे पर फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को नीचे उतारकर झालावाड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। ठेकेदार के भाई अमित चतुर्वेदी

पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि प्रवीण चतुर्वेदी लंबे समय से नगरपरिषद द्वारा उनके बिल पास नहीं किए जाने को लेकर भारी मानसिक तनाव में थे। करीब 35 लाख रुपए का भुगतान बकाया चल रहा था, इसकी वजह से उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी। भुगतान नहीं होने के कारण प्रवीण बैंक के लोन और बाजार से उधार ली गई बड़ी रकम के दबाव में था। वह लगातार नगरपरिषद के चक्कर लगा रहा था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पा रहा था। इसी तनाव और आर्थिक संकट के चलते उसने यह कदम उठाया। वहीं स्थानीय ठेकेदारों और आमजन में भी रोष देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि समय पर भुगतान नहीं होने से ठेकेदार आर्थिक और मानसिक रूप से टूट जाते हैं, जिसके गंभीर परिणाम सामने आ रहे। हालांकि इस मामले में पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, लेकिन इस बारे में बताने से इनकार कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

नाबालिग लड़की को भगाकर ले जाने वाले आरोपी का घर फूंका

पंचायत में पिता के नहीं पहुंचने पर नाराज हुए लोगों ने की तोड़फोड़

महानगर टाइम्स संवाददाता

जैसलमेर। रामदेवरा में नाबालिग लड़की को भगाने पर युवक के घर में लोगों ने आग लगा दी। दरअसल, गांव में पंचायत बुलाई गई थी, इसमें युवक के पिता नहीं पहुंचे। इससे नाराज लड़की के परिवार और समाज के करीब 25 लोगों ने युवक के घर में घुसकर आग लगा दी। साथ ही तोड़फोड़ भी की। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। घर में रखा अनाज और घरेलू सामान जल गया। घटना के समय युवक के परिवार के लोग खेत पर गए हुए थे। युवक के पिता ने बुधवार को मामला दर्ज करवाया है। युवक के पिता ने बताया कि करीब एक महीने पहले मेरे 22 साल के बेटे के खिलाफ गांव के ही दूसरे पक्ष की नाबालिग लड़की को भगाने का मामला दर्ज हुआ था। बेटा इस समय न्यायिक हिरासत में है। मामले में गांव में समझौता बैठक बुलाई गई थी। मैं डर के मारे उसमें शामिल नहीं हुआ। इसी रंजिश के चलते 20-25 लोग मेरे घर में घुसे और घर में आग लगा दी। गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। पिता ने बताया कि हमलावरों ने घर के अंदर आग लगने के साथ तोड़फोड़ भी की। पानी के टांके और अन्य हिस्सों को भी तोड़ दिया। घर में रखा 10 क्विंटल बाजरा और अन्य सामान आगजनी में जल गया। रामदेवरा थानाधिकारी खेताराम ने बताया कि लड़की के परिजनों ने पॉक्सो में मामला दर्ज करवाया था, जिसमें बताया था कि उनकी लड़की को गांव के एक लड़के ने भगाया है। मामला दर्ज होने के दिन ही लड़की शाम को घर लौट आई थी। युवक 3 तीन दिन तक फरार रहा। बाद में उसे पुलिस ने गांव से ही पकड़ लिया। लड़की अभी परिजनों के साथ ही है। रामदेवरा थानाधिकारी खेताराम ने बताया कि घर में आग लगाने का मामला दर्ज किया गया है।

बोलेरो में पुलिस का सायरन बजाकर जमकर मचाया उत्पात

शिव मंदिर के गेट को मारी टक्कर, शोर सुनकर ग्रामीण एकत्र हुए तो गाड़ी लहराते हुए भागे बदमाश

महानगर टाइम्स संवाददाता

दौसा। जिले के बांदीकुई थाना क्षेत्र के ऊनबड़ा गांव में बोलेरो में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने गांव में जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान उन्होंने गाड़ी में हूटर भी लगा रखा था। शोर सुनकर ग्रामीण बाहर निकले, लेकिन बोलेरो का ड्राइवर गाड़ी को लहराते हुए भगा ले गया। इस दौरान गांव वालों ने घटना का वीडियो भी बना लिया। पूर्व पंचायत समिति सदस्य महावीर प्रसाद ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब 12 बजे गांव में आभानेरी रोड पर पुलिस जैसे सायरन की तेज आवाज आई। इस पर गांव वाले बाहर निकले तो एक बोलेरो में सवार कुछ लोग रोड पर गाड़ी से उत्पात मचा रहे थे। इस दौरान गांव वालों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे गाड़ी को आगे पीछे घुमाने लगे। बदमाश 30 मिनट तक पूरे गांव में उत्पात

मचाते रहे। इस दौरान उन्होंने गांव के शिव मंदिर के दरवाजे पर कार से टक्कर मारी, जिससे दरवाजा टूट गया। जब गांव वाले मौके पर इकटठा हुए तो वे मौके से फरार हो गए। इस घटना से गुस्साए ग्रामीण कार्रवाई की मांग को लेकर बुधवार दोपहर बांदीकुई थाने पहुंचे और घटना को लेकर रोष जाहिर किया। गांव वालों का कहना है कि घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई, इसके बाद पुलिस ने रात को मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। शिव मंदिर में इससे पहले चार बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक अपराधी पकड़े नहीं गए। ग्रामीणों ने गांव में आए-दिन होने वाली बदमाशी और रात में खड़े ट्रैक्टर-टैंपो में तोड़फोड़ की घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की। बांदीकुई थाना प्रभारी जहीर अब्बास ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पुलिस सायरन बजाकर घूमने वाले युवकों ने शराब पी रखी थी और वे यहां पर चल रहे एक शादी समारोह के फंक्शन में आए थे। उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस टीम भेजी गई है। जल्दी उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में हुआ जनसंवाद का आयोजन, ग्रामीणों की सुनी परिवेदनाएं

किसान और श्रमिकों के समृद्ध होने से विकसित होगा भारत : विश्नोई

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई की अध्यक्षता में सिरोही जिले के पालडी एम में रात्रि चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उन्होंने रात्रि चौपाल में आमजन की परिवेदनाओं को सुना और संबंधित को निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वीबीजीरामजी गांवों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का एक सशक्त माध्यम है। इससे गांवों में प्रगति का पथ अग्रसर होगा। वीबीजीरामजी से भारत के विकसित भारत में बदलने की संकल्पना सत्य सिद्ध होगी। गांव मजबूत होंगे, तभी देश मजबूत होगा। किसान एवं श्रमिकों के समृद्ध होने से भारत विकसित होगा। यह योजना सिर्फ रोजगार की योजना नहीं होकर गांवों को सशक्त करने का माध्यम है।

प्रभारी मंत्री ने इस दौरान ग्रामीणों की परिवेदनाओं को सुनते हुए उन्हें शीघ्र राहत प्रदान करने के लिए अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को संबंधित दस्तावेज एवं लाभ प्रदान किया गया। वहीं राजस्व विभाग द्वारा 3 सम्मानजनक नाम दर्ज किए गए। जिसमें बजट घोषणा क्रियान्विति के तहत राजकीय कृषि महाविद्यालय सिरोही उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान को 30 हेक्टेयर भूमि यानी 185 बीघा भूमि आवंटन के भू अभिलेख उपलब्ध कराए और भूमि का कब्जा सुपुर्द दस्तावेज राजकीय महाविद्यालय के सहायक आचार्य को सौंपा गया।

इन्होंने दी योजनाओं की जानकारी

सांसद लुंबाराम चौधरी ने रात्रि चौपाल में विभिन्न विभागों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान पशुपालकों, किसानों सहित विभिन्न वर्ग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रत्येक पात्र को लाभान्वित होने की बात कही। जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने रात्रि चौपाल में प्रभारी मंत्री विश्नोई का स्वागत करते हुए कहा कि रात्रि चौपालों के माध्यम से जनता की समस्याओं का निस्तारण करना एक अनुपम पहल है। उन्होंने इस दौरान उपस्थित सभी पात्र लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया।

मकर संक्रांति पर विधानसभा अध्यक्ष ने दी सौगात

3.35 करोड़ लागत से बनेगा हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना भवन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। अजमेर शहर की सुरक्षा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को मकर संक्रांति पर्व पर नए हरिभाऊ उपाध्याय नगर पुलिस थाने के भवन की नींव रखी। इस पर 3.35 करोड़ रुपए की लागत आएगी। पुलिस थाने में पहले ही पूरे स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई है। यह पुलिस थाना हरिभाऊ उपाध्याय नगर सहित आसपास की करीब एक लाख आबादी को सुरक्षा प्रदान करेगा। देवनानी ने बुधवार को मकर संक्रांति पर्व पर नए भवन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने के लिए 3.35 करोड़ की स्वीकृति जारी गई थी। जल्द ही थाना भवन बन कर तैयार हो जाएगा। अजमेर शहर में विगत 25 सालों में कोई नया थाना नहीं खुला था। क्रिश्चयनगंज थाने का क्षेत्राधिकार बहुत बड़ा होने के कारण पुलिस काफी वर्क लोड में काम कर रही थी। हमने राज्य सरकार के गठन के साथ ही इस दिशा में काम करना शुरू किया और पहले ही बजट में इस थाने के गठन को मंजूरी दिलाई। नया थाना कोटड़ा, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, बीके कौल नगर रातीडांग और आसपास के क्षेत्र की कॉलोनियों में सुरक्षा प्रदान करेगा। करीब एक लाख आबादी को इस थाने से सुरक्षा प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार की स्वीकृति के अनुसार हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने में पुलिस निरीक्षक का एक पद, उप निरीक्षक के 4 पद, सहायक उप निरीक्षक के 5 पद, हैड कांस्टेबल के 7 पद, कांस्टेबल के 35 पद स्वीकृत किए गए हैं। थाने में जीप, इंटरनेट, फर्नीचर, वायरलैस हैंडसेट, मोटर साइकिल आदि के लिए भी 28.64 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गोपाल शर्मा द्वारा 2, सहकार मार्ग, ज्योतिनगर, लालकोठी, जयपुर-15 से प्रकाशित एवं महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी-848, फेज-3, रीको सीतापुरा, जयपुर से मुद्रित। संपादक: गोपाल शर्मा, संपादकीय प्रभारी: जिज्ञासु शर्मा*। फोन: 0141-2741076, 2741077 * पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। e-mail : mahanagarmarketing@gmail.com * आर.एन.आई. 67873/97/ पोस्टल रजिस्ट्रेशन नम्बर-JaipurCity/008/2023-25